Vol.23, Issue 4 | Annual Subscription ₹480

@NewsRotary
/RotaryNewsIndia

फ़रवरी 2024

रोटरी समाचार

भारत

www.rotarynewsonline.org

Rotary

ADVT.

ROTARY CLUB OF VIRUDHUNAGAR
Rotary
India Literacy Mission
T-E-A-C-H
Successfully Completed...
111 Sessions in
9 Years for
1500+ Teacher Participants from
30+ Schools in Virudhunagar
and counting...
AN UNIQUE INITIATIVE OF RC VIRUDHUNAGAR
IN RID 3212... SUSTAINING FOR 09+ YEARS...
ENABLING LIFE LONG LEARNING FOR TEACHERS
Rtn AKS V.R. MUTHU
Rtn Prof R. PANCHANADHAN
Trainer
Rtn V.V.S.K. SHANMUGAM
PG JAYARAMAN UMASHANKAR
Trainer
ROTARY CLUB OF VIRUDHUNAGAR PRESIDENTS
2015 - 16 : Rtn Nirmala Rangasamy
2016 - 17 : Rtn S Janakarajan
2017 - 18 : Rtn R Mariappan
2018 - 19 : Rtn K C Gurusamy
2019 - 20 : Rtn D Vijayakumari
2020 - 21 : Rtn N R Vadivel
2021 - 22 : Rtn K Gayathri
2022 - 23 : Rtn D Pathinettam Padiyan
2023 - 24 : Rtn V V S K Shanmugam
Rotary Club of VIRUDHUNAGAR
RID 3212 | CLUB No. : 015962 | 03.10.1979
IDHAYAM
SAY IDHAYAM SPELL HEALTH
Teacher Support ~ E Learning ~ Adult Literacy ~ Child Development ~ Happy School
ROTARY CLUB VIRUDHUNAGAR TEACH SESSIONS - Every 1st SATURDAY, Since 2015

विषयसूची

12
कोई फर्जी क्लब नहीं, कोई नकली सदस्य नहीं

16
दक्षिण तमिलनाडु में बाढ़ पीड़ितों को मिली रोटेरियनों की मदद

20
सर्वेक्षण कहता है 90% से अधिक रोटेरियन जीजी से संतुष्ट हैं

28
रो ई अध्यक्ष का चंडीगढ़ दौरा

32
ठाणे के रोटेरियनों ने 33 गांवों तक पानी पहुँचाया

39
रोटरी नेतृत्व में साझेदारों का समर्थन

40
एक रोटरी मिठाई मिशन

46
रोटरी का जादू

48
रोटरी क्लब भरूच लाया बुजुर्गों और विकलांगों के लिए खुशी

52
रे क्लिंगिनस्मिथ, उच्चतम क्षमता वाले एक रोटरी नेता

54
रोटरी अस्पताल सिरसी में विशिष्ट स्वास्थ्य देखभाल प्रदान करता है

56
रोटरी क्लब दिल्ली साउथ समुदायों को प्रभावित करता है

60
10 दिवसीय कश्मीर शिविर में 1,200 से अधिक सर्जरियाँ

62
रो ई मंडल 5610 प्रतिनिधिमंडल ने गोरखपुर का दौरा किया

आपके पत्र

जीवंत तस्वीरें, दिलचस्प इंस्टिट्यूट लेख

बेंगलुरु जोन इंस्टिट्यूट में हुए नृत्य प्रदर्शन को जनवरी अंक की कवर तस्वीर में प्रकाशित करना शानदार है। रो ई अध्यक्ष गॉर्डन मैकनली ने अपने संदेश में शांति निर्माण के महत्व और रोटरी शांति केंद्रों की भूमिका का अच्छी तरह से वर्णन किया है।

संपादक के संदेश से यह स्पष्ट है कि बेंगलुरु ज़ोन इंस्टिट्यूट उत्कृष्ट था। मुझे यह पढ़कर खुशी हुई कि टीआरएफ और पोलियो कोष के लिए एक अच्छी धनराशि एकत्रित हुई। टीआरएफ न्यासी बैरी रेसिन ने इस साल टीआरएफ संग्रह के लिए 500 मिलियन डॉलर का लक्ष्य रखा है।

रो ई निदेशक अनिरुद्ध रॉयचौधरी दिलचस्प लगे। ज़ोन इंस्टिट्यूट से संबंधित सभी तस्वीरें और उनका वर्णन प्रशंसनीय था। विदेश मंत्री जयशंकर का भाषण, *गाज़ा में रोटरी की अनुपस्थिति, टीआरएफ दाताओं ने भारत को गौरवान्वित किया, रोटरी के दिग्गजों का सम्मान, जेननेक्स्ट के लिए रोटरी की ब्रांडिंग, आगामी नेतृत्वकर्ताओं के लिए सफलता के मंत्र, रोटरी क्लब ठाणे हिल्स द्वारा मुंबई में ऑटिज्म केंद्र का निर्माण और 8 वर्षीय भारतीय पर्वतारोही ने बनाया विश्व रिकॉर्ड* जैसे सभी लेख पढ़ने में दिलचस्प हैं। मंडल गतिविधियाँ और परियोजनाओं की झलकियां भी शानदार हैं। टीम रोटरी न्यूज को बधाई।

फिलिप मुलप्पोने एम टी
रोटरी क्लब त्रिवेंद्रम सबअर्बन
मंडल 3211

जनवरी अंक की विषय-वस्तु को पढ़कर प्रसन्नता हुई। हमें जोन इंस्टिट्यूट के आयोजन के बारे में जानकर खुशी हुई। विदेश मंत्री एस जयशंकर के भाषण के कवरेज का विशेष उल्लेख किया जाना तो बनता है जिसने देश की तीव्र प्रगति पर प्रकाश डाला।

जोन इंस्टिट्यूट पर लिखित सभी लेख पढ़ने में रोचक लगे। यह पत्रिका रोटरी के भीतर और बाहर एक बढ़िया संचार विकसित करने के उद्देश्य को पूर्ण करती है। संपादक और उनकी टीम को बधाई।

आर श्रीनिवासन
रोटरी क्लब बैंगलोर जे पी नगर
मंडल 3191

यह जोन इंस्टिट्यूट संयोजक रो ई निदेशक राजू सुब्रमण्यन और अध्यक्ष पीडीजी के

दीर्घायु के लिए मंत्र

भरत और शालन सवूर के लेख *स्वास्थ्य और दीर्घायु के लिए मंत्र* ने हमें अच्छे स्वास्थ्य के साथ लंबे जीवन का आनंद लेने के लिए कई संकेत दिए। लेखक डैन ब्यूटनर की डॉक्यूमेंट्री *लाइव टू 100* से उद्धृत सभी बिंदु शक्तिशाली हैं। यदि सभी बिंदुओं का पालन किया जाए तो रोटरी और उसके सदस्य दोनों ही लाभ की स्थिति में होंगे। विभिन्न रोटरी कार्यक्रमों को क्रियान्वित करते समय कई रोटेरियनों को अपनी, अब तक अज्ञात, आंतरिक क्षमता का पता चला होगा। यह तथ्य कि नेटवर्किंग से जीवन काल बढ़ता है, रोटेरियन के लिए प्रासंगिक है।

लेख ठीक ही बताता है कि मनुष्य शांति का खलनायक है। उनके लालच के कारण वर्षों से पर्यावरण का दुरुपयोग हो रहा है। लेख का अंतिम पैराग्राफ सही ढंग से कहता है कि संयम नया आधुनिक मंत्र हो सकता है।।

एम पालनिअप्पन
रोटरी क्लब मदुरई वेस्ट - मंडल 3000

यूके रोटेरियन द्वारा पत्रिका की सराहना

मैं ब्रिटेन में एक भारतीय हूं और क्रिकेट प्रेमी भी हूं। मुझे रो ई मंडल 3131 से मेरे साथी-रोटेरियन मित्र गोविंद बहिरत द्वारा मुझे सौंपे गए भारत के रोटरी समाचार को पढ़ने में आनंद आया।

मैं विश्व कप फाइनल मैच पर संपादक की भावनाओं से सहमत हूं, जहां मैं उस दिन स्टेडियम में मौजूद हजारों लोगों में से एक था। भारतीय टीम की हार से मुझे भी बहुत बुरा और निराशा हुई, लेकिन विश्व कप जीतने वाले विरोधियों को अनायास बधाई न देने में उदारता की कमी समझ में नहीं आती।

यहां तक कि आसमान पर रोशनी के प्रदर्शन से भी तुरंत पता नहीं चला कि ऑस्ट्रेलियाई चैंपियन थे। इसने खेल भावना, मेहमानों की देखभाल और हम उनके साथ कैसा व्यवहार करते हैं और व्यावसायिकता को महत्व देने पर सवाल उठाए हैं... इन्हें अभी भी बहुत आगे जाने की जरूरत है।

आपके रोटरी न्यूज़ के हर पन्ने का आनंद लिया, जिस पर मुझे पहली बार हाथ डालने का मौका मिला। इसे जारी रखो।

आनंद एन
रोटरी क्लब नॉर्थएलर्टन मोब्रे - मंडल 1040

आपके पत्र

पी नागेश के समर्पण, सुनियोजन और निष्पादन के कारण उम्मीद से बढ़कर रहा। विशेष रूप से इसलिए कि जीवंत डिजिटल प्रस्तुति विश्व स्तरीय थी और रो ई सम्मेलनों के बराबर थी जैसा कि आरआईपीएन डी कैमार्गो द्वारा कहा गया। इसमें कोई संदेह नहीं है कि रो ई अध्यक्ष मैकनली, उनकी पत्नी हेथर, डी कैमारगो, रो ई अधिकारियों और 800 प्रतिनिधियों की उपस्थिति ने इस कार्यक्रम में जान डाल दी और सबके बीच का सौहार्द देखने लायक था। मुख्य आकर्षण मैकनली का उत्साह था जिन्होंने सेल्फी लेने, स्थानीय गोल्फ टूर्नामेंट की शुरुआत करने और आधी रात में मैराथन को हरी झंडी दिखाने के लिए समय निकाला। उनकी उपस्थिति से पोलियो कोष के लिए 100,000 डॉलर और टीआरएफ के लिए 300,000 डॉलर एकत्रित हुए। वाकई प्रशंसनीय। रोटरी न्यूज में रंगीन तस्वीरों के लिए रोटरी न्यूज टीम का धन्यवाद।

वीआरटी दोरईराजा
रोटरी क्लब तिरुचिरापल्ली - मंडल 3000

रो ई अध्यक्ष गॉर्डन मेकिनली ने नवंबर अंक में *शांति का मार्ग* शीर्षक से एक उत्तम संदेश लिखा। रोटरी पीस सेंटर शांति अध्ययन में एक साल का व्यावसायिक विकास प्रमाण पत्र प्रदान कर रहा है। हम रोटेरियनों को दुनियाभर में शांति सुनिश्चित करने के लिए हाथ मिलाना चाहिए। हालांकि यह यात्रा कठिन होगी मगर हम एक समय में एक कदम उठा सकते हैं।

एस मुनियांदी
रोटरी क्लब डिंडीगुल फोर्ट
मंडल 3000

जनवरी अंक में टीसीए श्रीनिवास राघवन का एलबीडब्ल्यू लेख पढ़ते हुए मुझे उत्तर भारत के एक राजनेता द्वारा बलात्कार के लिए मृत्युदंड का विरोध करते हुए दिया गया बयान याद आता है, जिसमें कहा गया था कि *लड़के, लड़के हैं... गलती हो जाती है।* माता-पिता अपने बच्चों की अक्षम्य गलतियों को अत्यधिक लाड़-प्यार के कारण अनदेखा करते हैं, खासकर एकल परिवारों में।

वी मुत्तुकुमारन का लेख बीपीओ के लिए युवाओं को कुशल बनाना के संबंध में, दूसरे पैराग्राफ में मपासिंग आउटफ वाक्यांश को स्कूल या विश्वविद्यालय से स्नातक करने वालों के लिए उपयोग करना एक सामान्य गलती है। इस वाक्यांश का अर्थ है मथोड़े समय के लिए बेहोश हो जानाफ। सही उपयोग है पूरा होना, समाप्त होना या स्नातक होना।

एन एंथरी वेदी
रोटरी क्लब हैदराबाद मेगा सिटी - मंडल 3150

उपयोग गलत नहीं है। अंग्रेजी भाषा में कई वाक्यांशों का एक से अधिक अर्थ होता हैं। कैम्ब्रिज शब्दकोश मपासिंग आउट ऑफ ए मिलिट्री कॉलेजफ का अर्थ मपाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करने के बाद एक सैन्य कॉलेज छोड़नाफ के रूप में दर्शाता है। इसमें एक और उदाहरण जुड़ता है: मैं अपने बेटे की पासिंग आउट परेड में गया।

संपादक

जानकारीपूर्ण विज्ञापन

मैं दिसंबर अंक में रोटेरियन ए रंगराजन द्वारा लिखित विज्ञापन *मंडल और क्षेत्रीय चुनावों में रोटरी क्लबों* और उसके सदस्यों की महत्वपूर्ण भूमिका क्या है प्रकाशित करने के लिए *रोटरी न्यूज* को बधाई देता हूं। यह एक ज्वलंत विषय है जो हमारे संगठन की अखंडता को दर्शाता है।

मूल रूप से, हमारे आरआई जिलों में चुनाव प्रक्रिया दो मानदंडों में से किसी एक का पालन करती है - क्लबों द्वारा प्रत्यक्ष ई-वोटिंग या नामांकन समिति के माध्यम से चुनाव। हालाँकि दोनों ही कभी-कभी प्रभावी और साफ-सुथरे होते हैं, फिर भी उनके अन्यथा होने की अफवाहों से धूमिल होने की संभावना रहती है।

इतनी सारी संदिग्ध प्रथाओं के प्रचलित होने के कारण, रोटरी हलकों में अफवाहें फैल रही हैं कि एनसी सदस्यों को भी प्रभावित करने का प्रयास किया गया है। लेकिन दुख की बात है कि ये बातें कभी साबित नहीं हो पातीं।

कभी-कभी क्लब के सदस्यों को प्रतिष्ठित पद के इच्छुक उम्मीदवारों के नाम तो दूर उनके बायोडाटा के बारे में भी जानकारी नहीं होती है। यह भी एक आम बात है कि क्लबों को यह नहीं पता होता कि एनसी सदस्य कौन हैं। इन समस्याओं को हल करने का कोई शॉर्टकट नहीं है। फोर वे टेस्ट को चाहे कितनी भी बार उद्धृत किया जाए, शुद्ध परिणाम शून्य ही रहता है।

पारदर्शिता और स्वच्छता सुनिश्चित करने का एक तरीका रोटेरियनों के बीच अधिक रोटरी ज्ञान पैदा करना है, इसलिए प्रकाशित की गई ऐसी जानकारी मूल्यवान है। ऐसे मामलों को ठीक करने की जिम्मेदारी क्लबों और जिला नेतृत्व पर है।

सायंतन गुसा
रोटरी क्लब मालदा सेंट्रल
मंडल 3240

कवर पर: दक्षिण तमिलनाडु में बाढ़ से तबाह हुए लोग रोटेरियनों द्वारा प्रदान की गई राहत सामग्री घर ले जाते हुए।

हम आपकी प्रतिक्रियाओं का स्वागत करते है। अपनी प्रतिक्रियाएं *rotarynews@rosaonline.org* या *rushbhagat@gmail.com* पर संपादक को मेल कीजिए। *rotarynewsmagazine@gmail.com* पर उच्च रेसोल्यूशन वाली तस्वीरें अपनी परियोजना के विवरण के साथ मेल कीजिए। आपके क्लब/मंडल परियोजनाओं के संदेश, Zoom मीटिंग/वेबिनार पर जानकारी और उसके लिंक केवल संपादक को ई-मेल द्वारा *rushbhagat@gmail.com* या *rotarynewsmagazine@gmail.com* पर भेजे जाने चाहिए। WhatsApp पर भेजे संदेशों पर विचार नहीं किया जाएगा।

एक पुण्य चक्र

मैं पूरे रोटरी जगत में मानसिक स्वास्थ्य पहलों पर आपके द्वारा किए जाने वाले कार्यों से उत्साहित और प्रोत्साहित हूँ। मानसिक स्वास्थ्य पहल पर रोटरी एक्शन ग्रुप द्वारा चलाए जा रहे सर्वेक्षण के लिए अब तक आप में से 1,000 से अधिक लोगों ने प्रतिक्रिया दी है जिसमें पूछा जा रहा है कि सदस्यों के व्यक्तिगत कल्याण की बेहतरी के लिए रोटरी क्या कर सकती है।

रोटरी के सदस्य अधिक फैलोशिप, सौहार्द, बातचीत, सामंजस्य और संपर्क की मांग कर रहे हैं। वे अधिक मान्यता, सत्यापन और एकीकरण भी चाहते हैं। वे अधिक सेवा अवसरों की तलाश कर रहे हैं, और वे मानसिक स्वास्थ्य वक्ताओं, जागरूकता प्रयासों और शिक्षा सहित अधिक कल्याण गतिविधियां करना चाहते हैं।

हमारे सदस्य न केवल मानसिक स्वास्थ्य पर अधिक ध्यान देने की सराहना करते हैं बल्कि वे यह भी मानते हैं कि रोटरी अनुभव का अधिक उपयोग करने से उनके जीवन में सुधार होगा।

यहाँ कुछ शानदार तरीके दिए गए हैं जिनसे हम इन परिणामों को प्राप्त कर सकते हैं और रोटरी को सदस्यता पर विचार करने वालों के लिए अधिक आकर्षक बना सकते हैं। सबसे पहले, हमें अपने क्लबों में बढ़ते संबंध के महत्व को समझने की आवश्यकता है। दुनिया भर में सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ अकेलेपन के बढ़ते स्तर को लेकर चिंतित हैं - अमेरिकी सर्जन जनरल ने भी इसे एक महामारी घोषित किया है। मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ इस बात से सहमत हैं कि सामान्य शौक और रुचियों से संबंधित समूहों और क्लबों को ढूंढकर उनसे जुड़ना संपर्क का एक मजबूत तरीका है। रोटरी इन्हीं सब के बारे में है। हमें यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता है कि हमारे सभी सदस्य पूरी तरह से व्यस्त हो और हमारे समुदाय इस अंतर्निहित ताकत से पूरी तरह अवगत हो।

दूसरा, यदि आपके क्लब को संपर्क स्थापित करने के नए तरीके मिल गए हैं तो कृपया अपनी कहानियों को हमारे साथ *mindhealth@rotary.org* पर साझा करें ताकि हम पूरे रोटरी जगत को उससे अवगत करा सकें। आपके अच्छे विचार दूसरों को प्रेरित कर सकते हैं। *Rotaty Showcase* पर अपनी सेवा परियोजना की कहानियां पोस्ट करें।

और अंत में, मैं आपको अपने क्लब के साथ इस तरह के सर्वे क्षणों से प्राप्त प्रतिक्रिया साझा करने और अपने क्लब के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए अपने स्वयं के विचारों को सबके सामने रखने के लिए प्रोत्साहित करता हूं। हमने जो यात्रा शुरू की है वह मानसिक स्वास्थ्य से कहीं अधिक है। यह हमारे इस अद्भुत संगठन की शक्ति का पूरा फायदा उठाने और सभी सदस्यों को यह महसूस कराने के बारे में है कि वे एक ऐसे समुदाय का हिस्सा हैं जो उनके व्यक्तिगत कल्याण के बारे में वाकई बहुत परवाह करता है।

रोटरी में एक-दूसरे के साथ और जिन लोगों की हम सेवा करते हैं, उनके साथ संपर्कों को मजबूत करने के लिए आप जो कुछ भी करते हैं उससे मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मदद मिलती है। तो चलिए इस पुण्य चक्र को जारी रखें।

गॉर्डन मेकिनली
अध्यक्ष, रोटरी इंटरनेशनल

संपादक
का संदेश

व्यथित और अवसादग्रस्त लोगों तक पहुंचें

पिछले कुछ महिनों से, बड़ी दर्दनाक ख़बरों ने सुर्खियां बटोरी हैं...माँएँ अपनी जान ले रही हैं, अपने साथ बच्चों की और कभी-कभी शिशुओं की भी। हाल ही में इस शोचनीय क्रम में शामिल होने वाली महिला 33 वर्ष की है, जो 11 जनवरी को ग्रेटर नोएडा में 16वीं मंजिल स्थित फ्लैट से अपनी छह महीने की मासूम बच्ची को गोद में ले कर कूद गई जिसमें दोनों की जान चली गई। कहा जाता है कि वो मानसिक अवसाद से जूझ रही थी।

इससे ठीक दो दिन पहले, बेंगलुरु स्थित आईटी फर्म की संस्थापक और सीईओ, एक 39 वर्षीय महिला ने कथित तौर पर कैंडोलिम शहर के एक होटल में अपने चार वर्षीय बेटे की तकिये से मुंह दबाकर हत्या कर दी और कलाई काट कर खुद भी मरने की कोशिश की। लेकिन किसी कारण वह मरी नहीं, जीवित बच गई। वह अपने बच्चे के निर्जीव शरीर को सूटकेस में लेकर होटल से बाहर निकली और गोवा से बेंगलुरु के लिए टैक्सी ली। अलग रह रहे दम्पति के तलाक की प्रक्रिया चल रही थी, कहा गया है कि कोर्ट द्वारा बच्चे की अभिरक्षा या मुलाक़ात के अधिकार के संबंध में आये अदालत के आदेश बाद उसकी ''मानसिक स्थिति बिगड़ी'' जो इस जघन्य अपराध की वजह बनी।

इससे काफी पहले ऐसी ही एक और तकलीफदेह कहानी गुरुग्राम से सामने आई थी... एक 32 साल की मां ने अपनी तीन वर्षीय बेटी की गला दबाकर हत्या कर दी और फिर चाकू से अपने हाथ की नस काट आत्महत्या करने का प्रयास किया लेकिन वह मरी नहीं। अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। उसने पुलिस को बताया, गुस्से में उसने आपा खो दिया और अपनी बेटी की हत्या कर दी क्योंकि बेटी हमेशा उसे परेशान किया करती थी और जब उसे मालूम हुआ कि बेटी इस दुनिया में नहीं है तो उसने अपनी जिंदगी भी समाप्त करने की कोशिश की लेकिन सफल नहीं हो सकी। आये दिन अपने पति से झगड़े के कारण वो दुखी रहती थी।

हमने युवा अभिनेत्रियों और महिला मॉडलों के ऐसे कई मामले देखे हैं, जो अधिकतर अपने पार्टनर के साथ रिश्तों में खटास आने के कारण अपनी जान ले लेती हैं।

ये मामले हमारे देश में मौजूद अवसाद का स्तर दर्शाते हैं, लेकिन दुर्भाग्य से, हमारे सामाजिक दायरे में अपने या अपने प्रियजनों के लिए मनोचिकित्सकीय सहायता लेना आज भी वर्जित माना जाता है। बॉलीवुड आइकन दीपिका पादुकोण जैसी मशहूर हस्तियों ने इस की छाया से बाहर निकलकर अवसाद के बारे में और किस प्रकार ऐसे लोगों को पेशेवर मदद दी जानी चाहिए, खुलकर बात की है। लेकिन इसके निश्चित प्रभाव को बढ़ाने और जानकारी फ़ैलाने के लिए और अधिक प्रतिष्ठित लोगों को ऐसा करने के लिए आगे आने की ज़रूरत है।

दुनिया भर में प्रीमियम चिकित्सा संस्थानों द्वारा किए गए शोध से पता चला है कि पुरुषों की तुलना में महिलाओं में अवसाद बढ़ने की संभावना दोगुनी है; कुछ शोधकर्ता दावा करते हैं कि अंतर आज बढ़ गया है। तीन दशक पहले की तुलना में, आज महिलाओं में सामान्य मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं की संभावना पुरुषों की तुलना में तीन गुना ज्यादा है। रो ई अध्यक्ष गॉर्डन मेकिनली ने इस वर्ष मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण को प्राथमिक फोकस क्षेत्र के रूप में लिया गया है। इस फोकस के लिए धन्यवाद, दुनिया भर के रोटरी क्लब इस बेहद परेशान करने वाले क्षेत्र पर करीब से नजर रख रहे हैं और मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों की पहचान कर उनसे निपटने के लिए सेवा परियोजनाओं को लागू कर रहे हैं।

हर जीवन अनमोल है और किसी भी व्यक्ति को अपनी इहलीला समाप्त करने का अधिकार नहीं है। इससे भी अधिक जघन्य अपराध है एक छोटे, असहाय बच्चे के जीवन को समाप्त करना जो अपनी रक्षा या बचाव भी नहीं कर सकता।

हम सभी को मानसिक रूप से परेशान या अवसादग्रस्त होने के लक्षण दिखने वाले लोगों को पहचानने के लिए अपनी आँखें और उससे भी महत्वपूर्ण, दिल खुले रखने की ज़रूरत है। यदि हमने ऐसा किया तो हम उन्हें अपने परिवारों, मित्र मंडलियों, कार्यस्थलों और बड़े समाज में अवश्य पहचान लेंगे। निश्चित रूप से मित्रता, आपसी समझ, समर्थन, एकजुटता और यहां तक कि ठोस सहायता का हाथ बढ़ाना इतना मुश्किल भी नहीं है...

रशीदा भगत

हर कोने में प्रेरणा

यह रोटरी इंटरनेशनल कन्वेंशन जितनी पुरानी कहानी है: विभिन्न क्लबों के दो सदस्य एक-दूसरे से टकराते हैं, बातचीत शुरू करते हैं, और एक परियोजना के लिए एक विचार की चिंगारी प्राप्त करते हैं।

इसलिए सिंगापुर में 25-29 मई को होने वाले सम्मेलन में आपके बगल में खड़े किसी अजनबी या भोजन के दौरान मिले किसी व्यक्ति के साथ बातचीत शुरू करने में संकोच न करें। आख़िरकार, सियोल में 2016 के सम्मेलन में एक बस स्टॉप पर बात करने वाले दो लोग अफ्रीका में एक परियोजना मेले की योजना बनाने के लिए चले गए।

सदस्य नियमित रूप से सम्मलेन में हुई आकस्मिक मुलाकातों के बारे में कहानियाँ साझा करते हैं जो सार्थक परियोजनाओं की ओर ले जाती हैं - ऐसी जो इस वर्ष के सम्मलेन के विषय को पूरा करती हैं: दुनिया के साथ आशा साझा करना।

वे बैंकॉक में 2012 के सम्मेलन के दौरान एक खेल के मैदान की पेंटिंग करते हुए, ब्रेकआउट सत्रों के बाद देर तक मिलते हुए, और निश्चित रूप से, हाउस ऑफ फ्रेंडशिप बूथों का दौरा करते हुए मिले थे। सदस्यों को वैश्विक अनुदान परियोजना के विचारों को खोजने के लिए अन्य देशों के नए दोस्तों से मिलने का मौका मिलता है, लेकिन वे अपने राज्य, प्रांत या जिले के संभावित परियोजना भागीदारों से भी मिलते हैं।

एक कन्वेंशन कनेक्शन बनाने के बाद, दुनिया भर के देशों के रोटरी सदस्यों ने अनगिनत पहलों पर नए साझेदारों के साथ काम किया है, जिसमें शरणार्थियों को शेल्टरबॉक्स प्रदान करना, रोटारैक्ट मल्टीडिस्ट्रिक्ट सूचना संगठन लॉन्च करना और पोलियो को समाप्त करने के लिए धन जुटाने के लिए लाखों प्लास्टिक बोतल कैप्स को रीसाइक्लिंग करना शामिल है।

शौचालय सुविधाओं के निर्माण के लिए भारत में एक क्लब के साथ वैश्विक अनुदान के बारे में जॉर्जिया क्लब का लेख सम्मेलन के प्रभाव को दर्शाता है: यह सब 2017 में अटलांटा रो ई सम्मेलन में शुरू हुआ। इस वसंत में आपको सिंगापुर में किस विचार का बीज मिलेगा?

अधिक जानें और
convention.rotary.org
पर रजिस्टर करें।

गवर्नर्स काउंसिल

RID 2981	सेनगुट्टुवन जी
RID 2982	राघवन एस
RID 3000	आनंदता जोती आर
RID 3011	जीतेन्द्र गुप्ता
RID 3012	प्रियतोष गुप्ता
RID 3020	सुब्बाराव रावुरी
RID 3030	आशा वेणुगोपाल
RID 3040	रितु ग्रोवर
RID 3053	पवन खंडेलवाल
RID 3055	मेहुल राठौड़
RID 3056	निर्मल जैन कुणावत
RID 3060	निहिर दवे
RID 3070	विपन भसीन
RID 3080	अरुण कुमार मोंगिया
RID 3090	घनश्याम कंसल
RID 3100	अशोक कुमार गुप्ता
RID 3110	विवेक गर्ग
RID 3120	सुनील बंसल
RID 3131	मंजू फड़के
RID 3132	स्वाति हर्कल
RID 3141	अरुण भार्गवा
RID 3142	मिलिंद मार्तंड कुलकर्णी
RID 3150	शंकर रेड्डी बुर्सिरेड्डी
RID 3160	माणिक एस पवार
RID 3170	नासिर एच बोरसाडवाला
RID 3181	केशव एच आर
RID 3182	गीता बी सी
RID 3191	उदयकुमार के भास्करा
RID 3192	श्रीनिवास मूर्ति वी
RID 3201	विजयकुमार टी आर
RID 3203	डॉ सुंदरराजन एस
RID 3204	डॉ सेतु शिव शंकर
RID 3211	डॉ सुमित्रन जी
RID 3212	मुत्तैय्या पिल्लई आर
RID 3231	भरणीधरन पी
RID 3232	रवि रामन
RID 3240	नीलेश कुमार अग्रवाल
RID 3250	बगारिया एस पी
RID 3261	मनजीत सिंह अरोड़ा
RID 3262	जयश्री मोहंती
RID 3291	हीरा लाल यादव

प्रकाशक एवं मुद्रक **पी टी प्रभाकर**, 15 शिवास्वामी स्ट्रीट, मायलापोर, चेन्नई - 600004, रोटरी न्यूज़ ट्रस्ट के लिए रासी ग्राफिक्स प्राइवेट लिमिटेड, 40, पीटर्स रोड, रोयापेट्टा, चेन्नई - 600014 से मुद्रित एवं रोटरी न्यूज़ ट्रस्ट, दुगड़ टावरस, 3rd फ्लोर, 34 मार्शलस रोड, एगमोर, चेन्नई - 600008 से प्रकाशित।
संपादक: **रशीदा भगत**

योगदान का स्वागत है लेकिन संपादित किया जाएगा। प्रकाशित सामग्री का आरएनटी की अनुमति सहित, यथोचित श्रेय देते हुए प्रयोग किया जा सकता है।

Website

न्यासी मंडल

अनिरुधा रॉयचौधरी **रो ई निदेशक और अध्यक्ष, रोटरी न्यूज़ ट्रस्ट**	RID 3291
राजु सुब्रमण्यन **रो ई निदेशक**	RID 3141
डॉ भरत पांड्या **टीआरएफ ट्रस्टी उपाध्यक्ष**	RID 3141
राजेंद्र के साबू	RID 3080
कल्याण बेनर्जी	RID 3060
शेखर मेहता	RID 3291
अशोक महाजन	RID 3141
पी टी प्रभाकर	RID 3232
डॉ मनोज डी देसाई	RID 3060
सी भास्कर	RID 3000
कमल संघवी	RID 3250
डॉ महेश कोटबागी	RID 3131
ए एस वेंकटेश	RID 3232
गुलाम ए वाहनवती	RID 3141

कार्यकारी समिति के सदस्य (2023-24)

स्वाति हेर्कल **अध्यक्ष, गवर्नर्स काउंसिल**	RID 3132
हीरा लाल यादव **सचिव, गवर्नर्स काउंसिल**	RID 3291
मुत्तैय्या पिल्लई आर **कोषाध्यक्ष, गवर्नर्स काउंसिल**	RID 3212
मिलिंद कुलकर्णी **सलाहकार, गवर्नर्स काउंसिल**	RID 3142

संपादक
रशीदा भगत

उप संपादक
जयश्री पद्मनाभन

प्रशासन और विज्ञापन प्रबंधक
विश्वनाथन के

रोटरी न्यूज़ ट्रस्ट
3rd फ्लोर, दुगर टावर्स, 34 मार्शल रोड, एग्मोर
चेन्नई 600 008, भारत
फोन: 044 42145666
rotarynews@rosaonline.org
www.rotarynewsonline.org

Magazine

निदेशक का संदेश

आइए अपने क्लबों को दिलचस्प बनाएं

प्रिय रोटरी परिवार,

हमारी नई रोटरी थीम - रोटरी का जादू - के लिए आप सभी को बधाई।

जैसा कि हम इस रोटरी वर्ष के सातवें महीने में हैं, मैं यह साझा करते हुए रोमांचित हूं कि हमारे मंडल न केवल फल-फुल रहे हैं, बल्कि हमारी योजनाओं को क्रियान्वित करने में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल कर रहे हैं। मंडलों के अनेक कार्यक्रमों में भाग लेने के बाद, मैंने रोटेरियनों द्वारा किए गए अविश्वसनीय काम को देखा है। मुझे विश्वास है कि आप में से प्रत्येक *रोटरी के जादू* को बिखेरने का मार्ग प्रशस्त करते हुए दुनिया में आशा पैदा करना जारी रखेंगे।

फरवरी को शांति और संघर्ष समाधान माह के रूप में नामित किया गया है। इस महीने 23 फरवरी, 1905 को रोटरी की पहली बैठक की वर्षगांठ भी है, जिसे अब विश्व समझ और शांति दिवस के रूप में मनाया जाता है। यह प्रत्येक क्लब को रुकने, योजना बनाने एवं हमारे सेवा के चौथे आयाम को बढ़ावा देने का एक अनूठा अवसर प्रदान करता है, जो दुनिया भर में सद्भावना, शांति और समझ के लिए रोटरी की प्रतिबद्धता पर जोर देता है। हमारा संगठन स्वास्थ्य सुधार, शिक्षा और गरीबी उन्मूलन पर केंद्रित पहलों के माध्यम से इन मूल्यों को आगे बढ़ाता है। रोटरी में, विविधता और समावेशिता का स्थान सर्वोप्परी है, और यह रंग एवं लिंग से परे है। आइए हम इन सिद्धांतों को अपनाएं क्योंकि हम सभी व्यवसायों को सम्मान करते हैं और शांति को बढ़ावा देने के लिए मिलकर काम करें, पॉल हैरिस के इन शब्दों को प्रतिध्वनित करते हुए: "युद्ध की ओर जाने वाला रास्ता पक्के राजमार्ग की तरह है, लेकिन शांति का मार्ग अभी भी उजाड़ है।"

बैंगलुरु में आयोजित रोटरी जोन इंस्टिट्यूट टीम वर्क और समर्पण का साक्षी बना। सोलह महीने के अथक नियोजन और प्रयास का अंत एक भव्य आयोजन के रूप में हुआ। संस्थान की टीम ने मंडल 3191 एवं 3192 के रोटेरियनों के साथ मिलकर इस अवसर को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई - इसे पहले से कहीं अधिक बड़ा, बेहतर और उत्साही बना दिया। जबकि दुनिया भर से आपकी प्रशंसा एवं शुभकामनाओं ने टीम को उत्साहित किया, वास्तव में जो बात अलग निकलकर सामने आई वह प्रतिनिधियों के बीच असाधारण सहयोग था।

आइए सदस्य अवरोधन और विकास पर अपना ध्यान केंद्रित करने में दृढ़ रहें। अंतर्राष्ट्रीय सम्मलेन में एक समृद्ध क्लब अनुभव प्रदान करने पर ज़ोर दिया है, क्योंकि सदस्य रोटरी नहीं छोड़ते हैं; वे नीरस क्लब छोड़ देते हैं। जबकि 2.025 बिलियन डॉलर का संगठन बनने का हमारा लक्ष्य सही राह पर है, निधीयन की आवश्यकता बढ़ रही है। पोलियो का उन्मूलन एक विकट चुनौती बनी हुई है; संस्थान का समर्थन करें और सक्रिय रूप से पोलियो के लिए धन जुटाए।

मैं वास्तव में मंडलों को अवांछनीय अभियानों का सहारा लिए बिना, स्थानीय स्तर पर चुनौतियों का प्रभावी ढंग से सामना करते देख प्रोत्साहित हुआ है। हमे अपनी सामूहिक छवि को तेजी से बदलने की आवश्यकता है, और हमारा नेतृत्व स्पष्ट रूप से पूर्ण असहिष्णुता की नीति को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। हम जो अभूतपूर्व कार्य कर रहे हैं, उसे स्वीकार करते हुए, हमें आंतरिक मुद्दों एवं संघर्षों के कारण अपने सकारात्मक प्रभाव को कम करने से बचना चाहिए। आइए हम अपने रोटरी समुदाय की अखंडता और प्रतिष्ठा को बनाए रखें, और यह सुनिश्चित करें कि हमारी उपलब्धियों की चमक कलह की वजह से फीकी न पड़े। आइये रोटरी की कहानी को जुनून, समर्पण एवं जादू के स्पर्श के साथ तैयार करना जारी रखे। एक साथ मिलकर हम समझ, सद्भावना और शांति से परिपूर्ण विश्व का निर्माण कर सकते हैं।

राजु सुब्रमण्यन
रो ई निदेशक, 2023-25

फाउंडेशन ट्रस्टी अध्यक्ष का संदेश

शांति के लिए आधार कार्य

फरवरी रोटरी के लिए शांति निर्माण और संघर्ष रोकथाम का महीना है भले ही हम में से अधिकांश समझौता मेज़ पर बातचीत करने वाले राजनयिक या सक्रिय संघर्षों पर काम करने वाले शांति निर्माता न हो मगर रोटरी के विलक्षण तरीकों से हम जो करते हैं वह शांति को बढ़ावा देने और हर दिन कहीं न कहीं संघर्ष को रोकने में काम आता है।

जब आप रोटरी फाउंडेशन के किसी भी ध्यानाकर्षण क्षेत्र का समर्थन करते हैं तो आप एक तरह से शांति को बढ़ावा देते हैं। फाउंडेशन अनुदान जो मौलिक मुद्दों को संबोधित करते हैं - जैसे कि एक समुदाय में बुनियादी साक्षरता को बढ़ावा देने पर केंद्रित वैश्विक अनुदान - दुनिया की समझ को बेहतर बनाकर अधिक आर्थिक स्थिरता लाते है जिससे शांति की आधारशिला तैयार होती है।

शांति हमेशा से रोटरी में निहित रही है फिर चाहे हम किसी भी परियोजना पर काम करें। 1999 में हमने अपनी इस प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करते हुए अपने फाउंडेशन की एक दूरदर्शी पहल के रूप में रोटरी शांति केंद्रों की स्थापना की। इस महीने एक बार फिर हम उस दृष्टिकोण को अपने नवीनतम रोटरी पीस सेंटर के लिए हमारे मेजबान साझेदार, इस्तांबुल के बहसेहिर विश्वविद्यालय के साथ नवीनीकृत कर रहे है क्योंकि यह 2025 की शुरुआत में अपने छात्रों के प्रारंभिक समूह को तैयार करने के लिए अपना पहला कदम उठाता है।

कुल मिलाकर रोटरी अच्छे कारण के लिए एक वैश्विक शक्ति के रूप में विकसित हुई, इसने अनगिनत तरीकों से शांति और समझ का समर्थन किया और हमारा फाउंडेशन उस दृष्टिकोण के पीछे महान प्रेरणा शक्ति बना हुआ है। यह रोटरी की शाश्वत विरासत का हिस्सा होगा।

और हमारे काम का समर्थन करके आप यह कह सकते है कि आप उस विरासत का हिस्सा हैं। आप *rotary.org/donate* पर जाकर शांति स्थापना और संघर्ष रोकथाम को ध्यानाकर्षण क्षेत्र के रूप में चुनकर सीधे तौर पर इसका समर्थन कर सकते हैं।

बेरी रेसिन
ट्रस्टी अध्यक्ष, द रोटरी फौउंडेशन

क्या आपने रोटरी न्यूज़ प्लस पढ़ा है?

या यह आपके जंक फोल्डर में जा रही है?

हर महीने हम आपकी परियोजनाओं को प्रदर्शित करने के लिए ऑनलाइन प्रकाशन *रोटरी न्यूज़ प्लस* निकालते हैं। यह महीने के मध्य तक प्रत्येक सदस्यता लेने वाले सदस्य को भेजा जाता है जिनकी ईमेल आईडी हमारे पास है। हमारी वेबसाइट *www.rotarynewsonline.org* पर *रोटरी न्यूज़ प्लस* पढ़ें। हमें शिकायतें मिली हैं कि सभी ग्राहकों को हर महीने *रोटरी न्यूज़ प्लस* का ई-संस्करण नहीं मिल रहा है।

लेकिन, कुल 150,471 ग्राहकों में से हमारे पास केवल 99,439 सदस्यों की ईमेल आईडी हैं।

कृपया अपनी ईमेल आईडी को इस प्रारूप में rotarynews@rosaonline.org पर अपडेट करें: आपका नाम, क्लब, मंडल और ईमेल आईडी।

Rotarians!

Visiting Chennai for business?

Looking for a compact meeting hall?

Use our air-conditioned Board Room with a seating capacity of 16 persons at the office of the Rotary News Trust.

Tariff:

₹2,500 for 2 hours
₹5,000 for 4 hours
₹1,000 for every additional hour

Phone: 044 42145666
e-mail: rotarynews@rosaonline.org

रोटरी संख्या

रोटरी क्लब	:	36,769
रोटरेक्ट क्लब	:	10,784
इंटरेक्ट क्लब	:	15,138
आरसीसी	:	13,258
रोटरी सदस्य	:	1,166,174
रोटरेक्ट सदस्य	:	161,551
इंटरेक्ट सदस्य	:	348,174

17 जनवरी, 2024 तक

सदस्यता सारांश

1 जनवरी 2024 तक

रो ई मंडल	रोटरी क्लब	रोटेरियनों की संख्या	महिला रोटेरियन (%)	रोटरेक्ट क्लब	रोटरेक्ट सदस्य	इंटरेक्ट क्लब	आरसीसी
2981	140	6,007	6.13	73	503	34	254
2982	84	3,768	6.13	35	804	95	175
3000	139	5,939	11.97	120	1,816	247	216
3011	132	5,015	29.33	85	2,311	151	37
3012	162	4,056	23.77	77	1,147	99	61
3020	80	4,693	7.48	46	843	121	351
3030	99	5,624	16.66	129	2,088	521	384
3040	112	2,416	14.36	52	902	79	213
3053	72	2,875	16.73	25	404	42	131
3055	77	2,979	12.25	68	1,084	74	376
3056	80	3,690	24.12	34	459	105	201
3060	103	5,123	15.81	68	2,296	63	143
3070	119	3,237	15.63	49	601	52	63
3080	108	4,230	12.43	63	1,885	171	122
3090	124	2,656	6.10	20	366	193	166
3100	109	2,135	10.82	15	138	36	151
3110	132	3,591	11.28	17	110	48	107
3120	90	3,626	15.66	49	616	28	55
3131	141	5,616	30.50	151	3,364	260	149
3132	91	3,689	13.64	43	620	123	204
3141	114	6,202	27.27	140	5,995	169	224
3142	106	3,740	21.60	63	2,165	116	94
3150	108	4,273	13.43	156	1,881	111	130
3160	79	2,600	9.04	32	258	95	82
3170	150	6,599	15.15	123	1,887	198	180
3181	87	3,626	10.70	44	520	94	121
3182	86	3,662	10.43	47	235	106	103
3191	91	3,483	18.40	96	3,110	143	35
3192	83	3,433	21.44	83	2,297	113	40
3201	173	6,681	9.91	139	2,555	100	93
3203	95	4,797	7.28	93	1,205	180	39
3204	74	2,380	6.89	24	226	17	13
3211	159	5,082	8.34	11	178	20	134
3212	122	4,563	11.40	95	3,703	167	153
3231	95	3,350	6.81	39	437	44	417
3232	186	6,137	19.57	130	5,432	155	100
3240	102	3,509	16.87	51	900	69	229
3250	106	4,067	22.20	71	1,011	65	191
3261	97	3,269	21.90	25	270	24	45
3262	115	3,769	15.71	78	766	645	286
3291	142	3,767	25.56			73	741
India Total	**4,564**	**169,954**		**2,759**	**57,388**	**5,246**	**7,009**
3220	69	1,947	16.59	97	4,080	80	77
3271	180	2,939	19.09	194	2,190	333	28
3272	162	2,097	14.12	97	1,278	26	49
3281	333	7,539	17.62	249	1,959	144	215
3282	178	3,467	9.89	179	1,336	30	47
3292	154	5,433	18.74	185	5,468	122	134
S Asia Total	**5,640**	**193,376**	**15.61**	**3,760**	**73,699**	**5,981**	**7,559**

स्रोत: रो ई दक्षिण एशिया कार्यालय

रो ई अध्यक्ष नामित मारियो डी कैमार्गो और उनकी पत्नी डेनिस।

कोई फर्जी क्लब नहीं, कोई नकली सदस्य नहीं, कोई मिथ्या आंकड़े नहीं: आरआईपीएन

रशीदा भगत

यदि पीआरआईपी के आर रवींद्रन द्वारा संचालित सत्र का शीर्षक मफ्रैंकली स्पीकिंगफ था, तो बेंगलुरु इंस्टीट्यूट में आरआईपीएन मारियो डी कैमार्गो द्वारा दिए गए वक्तव्य के लिए 'प्लेन स्पीकिंग' बिलकुल सटीक शीर्षक था।

एक सत्र को संबोधित करते हुए, मनोनीत अध्यक्ष ने हमारे जोन के उन रोटेरियनों के लिए दंगा अधिनियम लगभग पढ़ डाला, जो आंकड़े बढ़ाने और झूठी प्रतिष्ठा हासिल करने के लिए संदिग्ध गतिविधियों में लिप्त होते हैं। अपने दृष्टिकोण के सन्दर्भ में उन्होंने उपस्थित प्रतिभागियों से कहा: ''हमारा दृष्टिकोण सदस्यता, सदस्यता और सदस्यता है, इस बारे में कोई संशय न रहे। लेकिन हम स्वस्थ, टिकाऊ सदस्यता चाहते हैं। कोई नकली क्लब नहीं, कोई फर्जी सदस्य नहीं। रोटरी इसकी मोहताज नहीं है; भारत को इसकी कतई ज़रूरत नहीं है।''

सदस्यता वृद्धि के क्षेत्र में भारतीय रोटेरियनों की प्रशंसा करते हुए वे बोले, ''आप बहुत बढ़िया काम कर रहे हैं और दुनिया के सामने उदाहरण पेश कर रहे हैं कि रोटरी की वृद्धि कैसे की जाए, लेकिन आपको ये काम टिकाऊ, निष्ठापूर्वक और ईमानदार तरीके से करना होगा। हम अनर्गल रूप से संख्याएँ बढ़ाना नहीं चाहते... हम एक अग्रणी संगठन हैं। हमें रोटरी में धन की आवश्यकता नहीं है. हम रोटरी धन की रक्षा करते हैं। तो फिर उन सदस्यों को रखने का क्या औचित्य है जिनका अस्तित्व ही नहीं है? किसलिए? राजनीति? ताक़त? कैसी ताक़त? हमारी ताक़त प्रेरणा से आती है और उसे ठोस और वास्तविक होना चाहिए... अन्यथा, यह ताक़त फोर-वे टेस्ट के पहले प्रश्न के सामने ही नहीं टिकेगी : क्या यह सच है? यदि ये सत्य नहीं है, तो इसमें मेरी या (रो ई अध्यक्ष) गॉर्डन या (आरआईपीई) स्टेफ़नी की कोई रूचि नहीं है।''

> हमारा दृष्टिकोण सदस्यता है, इस बारे में कोई संशय न रहे। लेकिन हम स्वस्थ, टिकाऊ सदस्यता चाहते हैं। कोई नकली क्लब नहीं, कोई फर्जी सदस्य नहीं। रोटरी इसकी मोहताज नहीं है; भारत को इसकी कतई ज़रूरत नहीं है।

हाल ही में, उन्होंने भारत में मंडल के विभाजन के सन्दर्भ में एक बैठक में भाग लिया था। ''और हमें दुनिया के इस हिस्से में एक मंडल के सन्दर्भ में अत्यंत कठोर निर्णय लेना पड़ा। मंडल विभाजन के बाद सदस्यता 8,950 से घटकर 7,200 हो गई, जिससे एक ही वर्ष में 1,700 रोटेरियन कम हो गए। सोचिये, हमने क्या किया? हमने विभाजन ही निरस्त कर दिया, अब वो मंडल विभक्त नहीं होगा। हमने पिछले वर्ष लिए गए अपने निर्णय को रद्द कर वापस ले लिया। यदि यह टिकाऊ नहीं है, तो फिर यह ऐसे नहीं चलेगा,'' आरआईपीएन डी कैमार्गो ने कहा।

बहुत से लोगों ने उनसे उनके दृष्टिकोण के सम्बन्ध में पूछा था। ''मैं यह नहीं कहूंगा यह मेरा दृष्टिकोण है, बल्कि यह हमारा दृष्टिकोण है। हमारा दृष्टिकोण अपने संस्थानों को मजबूत करना है और हमारे पास एक ऐसी उत्कृष्ट संपत्ति है जो किसी अन्य संस्थान के पास नहीं है - और वो हैं, आप। रोटरी में सबसे मूल्यवान संपत्ति टीआरएफ या उसका धन नहीं, बल्कि इसके सदस्य हैं। आप लोग क्लब और सामुदायिक स्तर पर, छोटे शहरों के स्तर पर जादू बिखेरते हैं... हालाँकि भारत में इतना छोटा नहीं है!''

रोटरी के सामने सबसे बड़ी चुनौती थी परिवर्तन को आत्मसात करना और संगठन तथा उसके प्रभाव को बढ़ाना था। ''तो हम यह कैसे करेंगे? कुछ मायनों में; सबसे पहले, नवप्रवर्तन... नई चीजें करना। हम काम करने वाले लोग हैं, हम केवल सोचते ही नहीं हैं, बल्कि काम भी करते हैं। इसलिए हमें न केवल रचनात्मक होना होगा, बल्कि नवोन्मेषी भी बनना होगा।''

डी कैमार्गो द्वारा दिया गया उदाहरण था, नए प्रारूप वाले क्लबों को अपनाना। आरआईपीएन का चयन करने वाली नामांकन समिति के अध्यक्ष द्वारा उनसे पूछे गए प्रश्नों में से एक था: 'रोटरी में विविधता बढ़ाने के लिए आप नए प्रारूप के क्लबों का उपयोग कैसे करेंगे?' उन्होंने इस विषय पर अत्यंत गंभीरता से विचार किया; क्या वे जानते थे कि रोटरी के सैटेलाइट क्लबों में सदस्य कितने हैं? ''सिर्फ 9,000; यह 1.2 मिलियन सदस्यों का मात्र 0.75 प्रतिशत है। हमारे पास बहुत बड़ा अवसर है लेकिन हमें दायरे से बाहर निकल कर सोचना होगा।''

उन्होंने स्मरण किया कि रो ई निदेशक (2019-20) रहते हुए अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने कैसे ''मेरे क्लब को, जो कि एक बहुत पुराना (75 वर्ष) और 105 सदस्यों वाला पारंपरिक क्लब है, एक सैटेलाइट क्लब स्थापित करने का साहस और चुनौती दी थी। वे इस के विरोध में थे क्योंकि उन्हें लगा कि सैटेलाइट क्लब दूसरे दर्जे के क्लब होते हैं और क्योंकि वे इसका विरोध कर रहे थे इसीलिये मैंने इसे चार्टर करने का मुद्दा और मजबूती से उठाया। आख़िरकार वे राजी हो गए और एक क्लब चार्टर किया, ये मेरी पत्नी का क्लब है, जिसमें 45 सदस्य

हैं। इस प्रकार मेरे क्लब की सदस्यता 105 से बढ़कर 150 हो गई!''

यह ''सिर्फ सोच को बदलना है। हमें परिवर्तन को स्वीकार करना होगा अन्यथा परिवर्तन हमें मार डालेगा। और रोटरी में बदलाव आ कर रहेगा, चाहे हम कुछ भी सोचें। हमारे आसपास के समुदाय, जिन शहरों में आप रहते हैं, वे सभी बदल रहे हैं।'' 2007 में अपनी पहली भारत यात्रा से लेकर वर्तमान में अपनी पांचवीं यात्रा तक, उन्होंने देखा है कि ''भारत तेजी से विकसित हो रहा है। क्या रोटरी उस विकास का अनुसरण कर रही है या नहीं?''

रो ई अध्यक्ष गॉर्डन मेकिनली, जिस इंस्टिट्यूट में वह स्वयं जा रहे थे, उसमें एक अध्यक्ष - मनोनीत के रूप में भाग लेने की अनुमति देने के लिए धन्यवाद देते हुए डी कैमार्गो ने कहा कि ऐसा करके, मेकिनली ने 'निरंतरता' और ''रोटरी में इसके महत्व पर एक बहुत मजबूत संदेश दिया था। बल्कि यह उससे कहीं अधिक है। मुझे अत्यंत महत्वपूर्ण रोटरी समितियों में भाग लेने और उनके साथ निकटता से जुड़ने के लिए तैयार किया जा रहा है, मुझे यह करने के लिए आज कहा जा रहा है, एक, दो साल बाद नहीं।''

उन्होंने बताया कि ''इस वर्ष मैं अभी तक पांच इंस्टिट्यूट में भाग ले चुका हूँ है और यह स्वीकार करता हूँ कि यह केवल अध्यक्ष मेकिनली के कारण ही संभव हो सका है, जो खुद से परे सोचते हैं और कहते हैं कि संगठन के हित में, जब भी आपको आमंत्रित किया जाए, आप आएं और हम एक दूसरे के साथ चलेंगे। वह निदेशकों, मंडल अध्यक्षों और

आरआईपीएन डी कैमार्गो और रो ई निदेशक राजू सुब्रमण्यन।

क्लब अध्यक्षों के लिए एक उदाहरण स्थापित कर रहे हैं। रोटरी भावना भी यही है।''

मेकिनली का दृष्टांत महत्वपूर्ण था और रोटरी पदानुक्रम में इसका अनुसरण अवश्य किया जाना चाहिए। यह निदेशकों, डीजी, डीजीई और डीजीएन के लिए एक स्पष्ट संदेश था। ''2023-24, 2024-25 और 2025-26 के गवर्नर यहां मौजूद हैं। मेरे लिए, आप एक टीम हैं, एक रोटरी टीम। यदि 2025-26 के गवर्नरों के विचार अपने पूर्ववर्तियों से भिन्न हैं, कोई बात नहीं और ये ठीक है ,स्वस्थ है। लेकिन काम तो आपको मिलकर ही करना होगा। केवल अपना काम बढ़ा चढ़ा कर दिखाने के लिए अपने पूर्ववर्तियों के कार्य नष्ट न करें! ये रोटरी नहीं है।''

उन्होंने उस वर्ष का उदाहरण दिया जब वह 1999-2000 में मंडल अध्यक्ष थे, ''और मेरे मंडल ने टीआरएफ में धन एकत्रित का रिकॉर्ड तोड़ दिया था।'' ये अलग बात है कि उस वर्ष उन्होंने स्वयं धन का एक प्रतिशत योगदान भी नहीं किया, लेकिन अपने उत्तराधिकारी के आगामी वर्ष में मेजर डोनर बनने की शर्त के साथ उस राशि को आरक्षित कर दिया... ''उन्हें टीआरएफ के मेरे आंकड़ों को परास्त करना होगा। यही भावना है और रोटरी ऐसी भावना को पहचानती है। वे यह नहीं देखते कि आपने क्या हासिल किया बल्कि यह देखते हैं कि दूसरों के द्वारा हासिल करने में आप उनकी क्या सहायता करते हैं।''

वर्ष 2025-26 में जब वह रो ई अध्यक्ष बनेंगे, डी कैमार्गो ने कहा, ''वो मेरा साल नहीं है। मैं 2025-26 का मालिक नहीं हो सकता। ग्रीक देवता क्रोनोस समय के स्वामी हैं। हम नहीं; हम सिर्फ समय के अधीन हैं, हम इसे नियंत्रित नहीं करते। मैंने सभी डीजीएन से कहा है कि हमारा मिशन अब शुरू होता है; हम 2025-26 का गौरव नहीं चाहते, यह केवल एक क्षणभंगुर, बहुत ही अल्पकालिक गौरव है। संगठन संयुक्त प्रयास का आह्वान करता है। अगर हमें 2025-26 में परिणाम दिखाने हैं तो हमें अभी से काम में जुट जाना चाहिए!''

चित्र: रशीदा भगत

हमें परिवर्तन को स्वीकार करना होगा अन्यथा परिवर्तन हमें मार डालेगा। और रोटरी में बदलाव आ कर रहेगा, चाहे हम कुछ भी सोचें। हमारे आसपास के समुदाय, जिन शहरों में आप रहते हैं, वे सभी बदल रहे हैं।

निगार शाजी:
लैंगिक रूढ़ियों को तोड़ने वाली

रशीदा भगत

रो ई अध्यक्ष गॉर्डन मेकिनली, रो ई निदेशक राजू सुब्रमण्यन, निगार शाजी, इसरो के आदित्य-एल1 परियोजना की निदेशक,और उनके भाई पीडीजी एस शेख सलीम के साथ बातचीत करते हुए।

''मेरा मानना है कि इसरो में हमने जो भी मिशन शुरू किए हैं वे सभी संभव और सफल हुए क्योंकि हमारा मंत्र है कि अपनेपन की भावना के साथ हम जो कुछ भी करते हैं उस पर गर्व करें। आत्म-प्रेरण इसरो की संस्कृति है और आदित्य मिशन के लिए भी,'' अपने गंतव्य पर पहुंच चुकी भारत की पहली सौर वैद्यशाला आदित्य-एल1 की परियोजना निदेशक निगार शाजी ने कहा। वह बेंगलुरु जोन इंस्टीट्यूट में एक सत्र को संबोधित कर रही थीं जहाँ उन्हें सूर्य के लिए आदित्य-एल 1 मिशन का नेतृत्व करने में निभाने वाली भूमिका के लिए सम्मानित किया गया।

आदित्य एल1 मिशन के सफल होने पर निगार ने कहा कि ''यह पूरी परियोजना मटीम वर्क है और रोटरी द्वारा मुझे यहाँ जो सम्मान दिया जा रहा है उसे मैं अपनी टीम को समर्पित करती हूँ। मुझे इस मिशन का प्रोजेक्ट लीडर होने पर बहुत गर्व है क्योंकि इससे आज के समय की मांग के अनुसार भारत के लिए सूर्य का अध्ययन भी संभव होगा।'' (यह संस्थान दिसंबर में संपन्न हुआ था, प्रयोगशाला को अंतरिक्ष में एक इष्टतम स्थान पर सफलतापूर्वक रखा गया है जहाँ से इसे सूर्य का निर्बाध दृश्य दिखाई देगा।) निगार रो ई मंडल 3212 के पीडीजी एस शेख सलीम की बहन हैं।

इसरो की स्थापना के पीछे के उद्देश्य को याद करते हुए इन एयरोस्पेस इंजीनियर ने कहा, ''इसरो को दूरदर्शी विक्रम साराभाई द्वारा हमारे लोगों के जीवन स्तर में सुधार लाने में अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी का उपयोग करने के लिए शुरू किया गया था। यह काफी हद तक वैसा ही है जैसा आप रोटेरियन कर रहे हैं... स्थानीय और वैश्विक स्तर पर मानवता के लिए आपकी सेवा। मुझे आश्चर्य है कि आप अरबों डॉलर खर्च करके पोलियो उन्मूलन जैसे दीर्घकालिक कार्यक्रमों को पूरा करने में कामयाब रहे। आपने अब अफ्रीकी देशों में मलेरिया उन्मूलन जैसी परियोजनाएं शुरू की हैं।''

यह कहते हुए कि उन्हें साराभाई के सपने का हिस्सा होने पर बेहद गर्व है जिसने इतना लंबा सफर तय कर लिया है, उन्होंने आगे कहा, ''ओ ईसरो द्वारा की गई इन सभी परियोजनाओं की वजह से अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में दुनिया में हमारा नाम है। अंतरिक्ष कार्यक्रम विकसित करने वाले सभी राष्ट्र आज चंद्रमा पर हमारी लैंडिंग (चंद्रयान -3 के माध्यम से) और आदित्य मिशन एवं हमारी अन्य उपलब्धियों की वजह से हमारा सम्मान करते हैं। अब ये देश सहयोग के लिए हमारे पास आ रहे हैं और यह हमारे लिए सबसे बड़ी उपलब्धि है और हमारे देश के लिए समय की मांग है जो एक विकसित देश बनने की ओर अग्रसर है,'' तालियों की गड़गड़ाहट के बीच उन्होंने कहा।

***बाएं से:** रवि शंकर, रो ई मंडल 3232 के पीडीजी जे श्रीधर, उनकी पत्नी पुनिता, निगार शाजी, रो ई मंडल 3212 के पीडीजी वीआर मुत्तु और शेख सलीम।*

चित्र: रशीदा भगत

Rotary PEOPLE OF ACTION

दक्षिण तमिलनाडु में
बाढ़ पीड़ितों को मिली रोटेरियनों की मदद

जयश्री

जहाँ चेन्नई और उसके आसपास के जिले मिचुआंग चक्रवात की तबाही से जूझ रहे थे, वहीं दूसरी ओर एक हफ्ते तक होने वाली भारी बारिश के कारण दक्षिणी तमिलनाडु के चार जिलों - तिरुनेलवेली, तूत्तुक्कुडि (तूतीकोरिन), तेनकाशी और कन्याकुमारी को भयंकर बाढ़ ने प्रभावित किया। अनेक कस्बे और गांव तबाह हुए और कई खेत उजड़ गए। इन चारों जिलों में हर छोटी नदी और सहायक नदी घातक जल धाराओं में बदल गई।

फंसे हुए निवासियों ने छतों और पेड़ की शाखाओं पर शरण ली और कई लोगों को निकालकर विभिन्न राहत केंद्रों में रखा गया। एनडीआरएफ और भारतीय नौसेना ने बचाव अभियान में तेजी लाने के लिए कदम उठाए। नौकाओं एवं दमकल वाहनों को सेवा में लगाया गया और हेलीकॉप्टरों ने फंसे हुए लोगों को भोजन के पैकेट वितरित किए।

रोटेरियन तत्काल राहत प्रदान करने के लिए एक साथ आए और रो ई मंडल 3212 के साथ समन्वय किया। डीजी मुथैया पिल्लई ने बताया कि तूत्तुक्कुडि जिले के कायलपटनम में एक ही दिन में 110 सेमी बारिश दर्ज की गई। थामिराबरानी के तट पर स्थित एक वाणिज्यिक शहर एरल में लोग भोजन और बिजली के बिना तीन दिनों तक फंसे रहे और वहाँ की सड़कें बाढ़ में बह गईं, ''जिससे वे 40-50 साल पीछे चले गए।''

बिजली गुल होने और संचार ठप होने से लोगों की परेशानी और बढ़ गई। ''रोटेरियनों ने हरकत में आकर लोगों को बचाने में मदद करने के लिए नौकाओं में बचाव दलों के साथ चौबीसों घंटे काम किया,'' पिल्लई ने कहा। उन्होंने एक दूरस्थ गांव के परिदृश्य को याद किया जहाँ करीब 70 परिवार फंसे हुए थे। गांव में कंक्रीट के कुछ घर थे जहाँ महिलाओं और बच्चों ने शरण ली जबकि पानी का स्तर 7-11 फीट तक बढ़ने पर पुरुष पेड़ की शाखाओं पर चढ़ गए थे। ''हम नाव के सहारे उन्हें बचाने पहुंचे।''

जैसे-जैसे बारिश कम हुई भोजन प्रदान करने पर ध्यान देने का समय आ गया। रोटरी क्लब उदुमलपेट, रो ई मंडल 3203 के एक सदस्य राममूर्ति

जो उदुमलपेट में एक स्कूल चलाते हैं, बाढ़ पीड़ितों को वितरित करने के लिए अपने छात्रों और उनके माता-पिता द्वारा पकाई गई 20,000 चपातियों और टमाटर की चटनी के साथ पहुंचने वाले पहले व्यक्ति थे। जल्द ही दो सामुदायिक रसोई - एक, कुछ आईएएस अधिकारियों के साथ चेन्नई के भूमि फाउंडेशन के सहयोग से तूत्तुक्कुडि के सेंट मैरी कॉलेज में और दूसरी शक्ति पीदम में, जो मंडल के रोटेरियनों की एक पहल थी - ने पांच दिनों तक हजारों लोगों को भोजन प्रदान करने में मदद की।

तूत्तुक्कुडि का एक विशाल शहर स्पिक नगर टूटे जल निकायों की वजह से 5-7 फीट पानी में डूब गया। ''स्पिक फैक्ट्री को करीब 500-600 करोड़ का नुकसान हुआ; कच्चा माल, तैयार उत्पाद और उपकरण सभी बाढ़ के पानी में डूब गए थे,'' रोटरी क्लब स्पिक नगर के अध्यक्ष वी सुंदरेसन कहते हैं, जो एक कॉर्पोरेट क्लब है जिसमें कारखाने के कर्मचारी सदस्य हैं। क्लब ने टाउनशिप के आसपास रहने वाले श्रमिक परिवारों को भोजन, बुनियादी दवाएं और अन्य आवश्यक वस्तुएं वितरित की।

यहाँ तक कि इस कॉर्पोरेट के पूर्णकालिक निदेशक रोटरी सामुदायिक रसोई के लाभार्थियों में से एक थे। जल स्तर बढ़ने के कारण उन्हें अपने परिवार और पालतू कुत्ते के साथ दो रातों के लिए एक सुरक्षित स्थान पर जाना पड़ा। पिल्लई ने उनकी बातों को याद करते हुए कहा: ''हमारे पास कुछ भी साथ ले जाने के बारे में सोचने का समय नहीं था। जल्द ही मेरी बेटियों को भूख लगने लगी और तभी मैंने रोटरी द्वारा रोटियां बांटे जाने के बारे में सुना। भगवान आप सभी का भला करे। मेरे पास इतने पैसे होने के बाद भी आज मैं असहाय हूँ।''

रोटेरियन बाढ़ प्रभावित लोगों से बातचीत करते हुए।

रोटरी क्लब तिरुनेलवेली स्टार के सदस्य, अध्यक्ष टी सतीश नारायणन के साथ, एक महिला को किराने का सामान का एक बैग देते हुए।

पेयजल और सैनिटरी पैड की बहुत आवश्यकता थी। 50,000 से अधिक नैपकिन वितरित किए गए - 30,000 डीजी द्वारा प्रायोजित थे और 25,000 पैड सैनिटरी पैड निर्माता बेला, इरोड द्वारा प्रायोजित किए गए थे।

बारिश बंद होने पर लोगों द्वारा अपने घरों को वापस लौटने के बाद अब समय था बाढ़ राहत किटें वितरित करने का। रोटरी क्लब डिंडीगुल, रो ई मंडल 3000 से 500 किराना किटों और रोटरी क्लब कराईकुडी, रो ई मंडल 3212 से कपड़े और किराने के सामान वाली 300 किटों की पहली माल आपूर्ति की गई। रो ई मंडल 3201 के डीजी विजयकुमार ने डीजीई चेल्ला राघवेंद्र के साथ कोयंबटूर के 50 रोटरी क्लबों द्वारा एक साथ लाई गई 2,300 बाढ़ राहत किटों को चार ट्रकों में भरकर भेजा। ₹1,700 की लागत वाली प्रत्येक किट में 37 वस्तुएं थीं जिनमें पुरुषों, महिलाओं और बच्चों के लिए कपड़े, कंबल, मोमबत्तियां, राशन और बुनियादी स्वच्छता सामग्री शामिल थी।

इन मंडलों के रोटेरियनों द्वारा लोगों के घरों तक राहत किटें पहुंचाई गईं। ''कई जगहों पर हमें घुटनों तक भरे पानी से गुजरते हुए अपने सिर पर किटों को रखकर ले जाना पड़ा, रोटरी क्लब पर्ल सिटी तूत्तुक्कुडि के अध्यक्ष मोहम्मद इब्राहिम कहते हैं।

डीजी ने लोगों को राहत सामग्री वितरित करने के लिए तीन क्षेत्रों का दौरा किया। कई घर बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए थे और उपकरण मरम्मत से परे थे। बच्चों को भूख से रोते हुए देखना और बूढ़े एवं विकलांग लोगों को खुद को सुरक्षित रखने के लिए संघर्ष करते देखना दिल दहला देने वाला था।''

रोटरी क्लब उदुमलपेट, उदुमलपेट तेजस, सलेम साउथ, सत्यमंगलम, बेंगलुरु उलसूर, बैंगलोर एंगेज इंडिया, वेल्लोर और 3231 और 3232 के रोटरी क्लबों ने राहत सामग्री से भरे ट्रक भेजे। ''हमारी बाढ़ राहत सहायता का कुल मौद्रिक मूल्य ₹2 करोड़ है। अब हमारे पास ये किटें बहुत अधिक मात्रा में उपलब्ध है,'' डीजी मुस्कराते हुए कहते है। इससे पहले जब आपदा सामने थी तो पिल्लई ने रो ई निदेशक अनिरुद्धा रॉय चौधरी से संपर्क किया, ''जिन्होंने हर मंडल को एक परिपत्र भेजा ताकि हमारे लोगों को दोबारा अपने पैरों पर खड़ा करने में मदद की जा सके।''

कई रोटरी क्लबों ने रो ई मंडल 3212 के मंडल कोषों में धन हस्तांतरित किया। रो ई मंडल 3000 के पीडीजी पी गोपालकृष्णन ने करूर में रोटरी क्लबों द्वारा एकत्रित किए गए ₹1.5 लाख जमा किए। रोटरी क्लब शिवकाशी, विरुधुनगर और शिवकाशी स्पार्कलर ने शुरूआत में भोजन तैयार करके उसे वितरित करने के लिए धन देकर मदद की। रो ई मंडल 3203 के डीजी सुंदरराजन ने ₹2 लाख का दान दिया जिसका उपयोग एक नेत्रहीन व्यक्ति के लिए बाढ़ से क्षतिग्रस्त घर के पुनर्निर्माण हेतु किया गया।

''जलप्रलय शुरू होने के साथ ही मंडलों 3201, 3203, 3204, 3231 और 3232 के मेरे साथी गवर्नरों ने फोन किया। उन सभी का यह कहना था: चिंता न करें, हमसे जो हो सकेगा हम करेंगे,'' उन्होंने कहा।

सबसे बुरा वक्त बीतने के बाद अब हमारा ध्यान पुनर्वास पर केंद्रित है। ''हम लोगों को उनकी जीवन रेखा वापस लौटाना चाहते हैं और उन्हें उनकी आजीविका दोबारा शुरू करने में मदद करना चाहते हैं,'' उन्होंने

नीचे से दक्षिणावर्त: रोटरी क्लब पर्लसिटी तूत्तुक्कुडि द्वारा नेत्रहीनों को बाढ़ राहत सामग्री वितरित की गई; डीजी पिल्लई ने मोबाइल भोजनालय चलाने वाले पोलियो प्रभावित व्यक्ति रमन को राहत सामग्री सौंपी। दाईं ओर रोटरी क्लब तिरुनेलवेली स्टार के अध्यक्ष सतीश नारायणन दिखाई दे रहे हैं; ट्रांसजेंडरों को राहत किट वितरित करने के लिए आयोजित एक कार्यक्रम में रोटरी क्लब पर्लसिटी तूत्तुक्कुडि के अध्यक्ष मोहम्मद इब्राहिम (दाएं), पूर्व सहायक गवर्नर सागयाराज और बालामुरुगन; रो ई मंडल 3212 के डीजी मुत्तैया पिल्लई (बीच में) और पीडीजी वीआर मुत्तु कोयंबटूर में रोटरी क्लबों द्वारा जिले में भेजे गए बाढ़ राहत किटों का एक कंटेनर प्राप्त करते हुए। रो ई मंडल 3201 के डीजीएन चेला राघवेंद्र चित्र में दाईं ओर दिखाई दे रहा है।

कहा। ''एरल शहर जो क्रिसमस की पूर्व संध्या पर हमेशा खरीदारों से भरा होता था अब वीरान और उदास दिखता है। क्रिसमस से ठीक एक सप्ताह पहले कपड़े, पटाखे और किराने की सभी दुकानें बह गई,'' सुंदरेसन ने कहा।

पिल्लई ने पोलियो प्रभावित एक युवक से हुई मुलाकात को याद किया जो एक ठेले पर भोजनालय चलाता था। ''बाढ़ के बाद उसके पास कुछ नहीं बचा। इसलिए हमने उसे एक स्टोव, बर्तन, टेबल और कुर्सियां दी और उसकी ठेला गाड़ी की मरम्मत करवाई और उसे एक हफ्ते का राशन उपलब्ध करवाया इन सबकी लागत ₹20,000 आई। वह अगले दिन अपना व्यवसाय शुरू करके खुश था और डोसा, पूड़ी और गरमा गर्म इडली बनाने में व्यस्त हो गया।'' रोटरी क्लब तिसायनविलाई एलीट के अध्यक्ष अजीस ने बताया कि कैसे क्लब ने एक छह माह के बच्चे वाली एक विधवा को उसकी छोटी दुकान के पुनर्निर्माण के लिए ₹10,000 देकर उसकी मदद की और मकान मालिक को 12,000 वार्षिक किराया भी दिया जिसने हमारी सेवा से प्रेरित होकर मासिक किराए को ₹1,300 से घटाकर ₹1,000 प्रति माह कर दिया।''

अब रोटेरियनों को घरों की मरम्मत के लिए अनुरोध प्राप्त हो रहे हैं। ''बाढ़ ने खेतों में मिट्टी के बड़े भंडार छोड़ दिए जिन्हें साफ करने में महीनों लगेंगे। पशुधन बाढ़ में बह गए। करीब 200 परिवारों ने बकरियों की मांग की है। अपने नमक के भंडार के लिए प्रसिद्ध तूत्तुक्कुडि क्षेत्र को नदी के किनारे स्थित ईंट भट्टों के साथ ही भारी नुकसान हुआ,'' पिल्लई ने कहा।

पुनर्वास कार्य के लिए सीएसआर सहायता प्राप्त करने और केरल और उत्तर-पूर्व की तरह ₹2.5 लाख के बजट के भीतर कम लागत वाले आश्रय स्थलों का निर्माण करने पर चर्चा चल रही है। इन लोगों से मिलने पर हम उनकी अपेक्षाओं और उम्मीद को देख अभिभूत हुए क्योंकि उनको लगता हैं कि रोटरी उनकी दुर्दशा को दूर कर सकती है,'' पिल्लई ने कहा।■

सर्वेक्षण कहता है
90% से अधिक रोटेरियन जीजी से संतुष्ट हैं

रशीदा भगत

हाल ही में रोटरी फाउंडेशन द्वारा किए गए वैश्विक अनुदान (जीजी) के मूल्यांकन में यह पता लगाने के लिए कि क्या रोटेरियन इसकी अनुदान प्रक्रिया से संतुष्ट हैं, ''हमने यह पाया कि वैश्विक अनुदान शुरू होने के बाद से पिछले 10 वर्षों में, *50 प्रतिशत क्लबों ने किसी न किसी प्रकार से जीजी में भाग लिया है।* उन्होंने या तो पैसा दिया है, मेज़बान रहे हैं, या कुछ प्रायोजित किया है। यह एक महत्वपूर्ण बात है,'' बेंगलुरु जोन इंस्टीट्यूट में टीआरएफ के उपाध्यक्ष भरत पंड्या ने रोटरी की कार्य योजना (रोटरी एक्शन प्लान) को आगे बढ़ाने में टीआरएफ के प्रभाव के बारे में एक सवाल का जवाब देते हुए टिप्पणी की।

वे पीआरआईडी सी बास्कर द्वारा संचालित पैनल चर्चा 'द रोटरी फाउंडेशन: टुडे एंड टुमॉरो' में भाग ले रहे थे।

उस सर्वेक्षण में यह भी निकल के आया कि ''90 प्रतिशत से अधिक रोटेरियन जीजी से संतुष्ट हैं और 92 प्रतिशत ने कहा कि जीजी उनके रोटरी अनुभव का एक बहुत महत्वपूर्ण भाग है, और 95 प्रतिशत रोटेरियन जीजी के लिए आवेदन करने में रुचि रखते हैं। इसलिए भागीदारी में प्रतिभागियों की वृद्धि मायने रखता है,'' उन्होंने बास्कर के एक प्रश्न के उत्तर में ये कहा, टीआरएफ कार्यक्रम में रोटरी एक्शन प्लान के मुख्य घटक प्रगति में किस प्रकार सहायक होते हैं और इसे आगे बढ़ाते हैं।

रोटरी एक्शन प्लान की चार प्राथमिकताएं थीं, पंड्या ने कहा: ''हमारे प्रभाव क्षेत्र में बढ़ोतरी, हमारी पहुंच का अधिकाधिक विस्तार, प्रतिभागियों की भागीदारी में वृद्धि और परिस्थिति के अनुसार ढलने यानि हमारी अनुकूलन क्षमता को बढ़ाना। हमारी अनुकूलन क्षमता का एक बहुत बढ़िया उदाहरण है, रोटरी के सातवें फोकस क्षेत्र के रूप में पर्यावरण को सम्मिलित करना। इसलिए टीआरएफ और हमारी कार्य योजना समकालीन हैं।''

यह प्रमाणित करने के लिए कि ''टीआरएफ कार्यक्रम इन सभी चार प्राथमिकताओं के अनुरूप चल रहे हैं, आइए एक नज़र हमारे बड़े पैमाने के कार्यक्रम पर डालते हैं।'' ऐसे पहले कार्यक्रम के अंतर्गत टीआरएफ ने जाम्बिया को मलेरिया से लड़ने के लिए 2 मिलियन डॉलर का अनुदान दिया, ''मलेरिया कई अफ्रीकी देशों में मृत्यु के प्रमुख कारक में से एक है, विशेषकर जाम्बिया के बच्चों और गर्भवती महिलाओं की मृत्यु के सम्बन्ध में।'' इसे बिल और मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन और वर्ल्ड विज़न इंटरनेशनल दोनों ने 2 मिलियन डॉलर प्रत्येक के अतिरिक्त योगदान से मैच किया।

***बाएं से:** पीआरआईडी कमल संघवी, टीआरएफ ट्रस्टी अज़ीज़ मेमन, पीआरआईडी अशोक महाजन, टीआरएफ ट्रस्टी लैरी लंसफोर्ड, टीआरएफ के उपाध्यक्ष भरत पांड्या और पीआरआईडी सी भास्कर।*

''प्रारम्भिक परिणामों से ज्ञात हुआ कि जिन प्रांतों में यह अनुदान कार्यक्रम क्रियान्वित किया गया, वहां मलेरिया से होने वाली मृत्यु दर काफी कम हुई है, इसलिए हम अपना प्रभाव क्षेत्र बढ़ा रहे हैं।''

इस प्रभाव को और सुदृढ़ किया जा रहा है और इसके पश्चात किये जाने वाले विकास कार्यों द्वारा इसके विस्तार को और बढ़ाया जा रहा है। ''गेट्स फाउंडेशन इसके निष्पादन से इतना खुश है कि वे अतिरिक्त 13 मिलियन डॉलर और देने के लिए आगे आए हैं और वर्ल्ड विजन ने इसमें 7 मिलियन डॉलर और जोड़े हैं। टीआरएफ ट्रस्टियों ने कहा कि हम भी अतिरिक्त 10 मिलियन डॉलर देंगे; इस प्रकार, मूलतः 2 मिलियन डॉलर का कार्यक्रम, आप कह सकते हैं, 30 मिलियन डॉलर के कार्यक्रम तक पहुंच गया है, इन चार देशों - ज़ाम्बिया, नाइजीरिया, कांगो और मोज़ाम्बिक में, मुख्यतः तीन बीमारियों के लिए... मलेरिया, निमोनिया और डायरिया, विशेष रूप से बच्चों में। दुनिया के उस भाग में ये रोग सबसे घातक हत्यारे हैं।''

> सर्वेक्षण में शामिल 90 प्रतिशत से अधिक रोटेरियन जीजी से संतुष्ट हैं। 92 प्रतिशत ने कहा कि जीजी उनके रोटरी अनुभव का एक बहुत महत्वपूर्ण हिस्सा है; 95 प्रतिशत जीजी के लिए आवेदन करने में रुचि रखते हैं।
>
> **भरत पांड्या**
> टीआरएफ उपाध्यक्ष

पांड्या ने कहा, टीआरएफ के इस विशाल कार्यक्रम ने किस प्रकार असर डाला और प्रभाव क्षेत्र बढ़ाया, दूर दूर तक पहुंचा, रोटेरियनों को शामिल किया और अफ्रीका में एक विशाल चुनौती का सामना करने के लिए स्वयं को उसके अनुरूप ढाला है, यह इस बात का सर्वश्रेष्ठ उदाहरण है।

शुरुआत में, बास्कर ने कहा कि भारत और दुनिया दोनों परिवर्तित हो रहे हैं और रोटरी और रोटेरियन को इस परिवर्तित समय के साथ बढ़ना होगा। ''जब आर्च क्लम्फ ने टीआरएफ की स्थापना की, तो उन्होंने सोचा भी नहीं होगा कि यह संस्थान विश्व की अग्रणी दान संस्थाओं में से एक बन जाएगा। पॉल हैरिस ने कहा था कि दुनिया बदल रही है और हमें भी इसके साथ बदलने के लिए तैयार रहना चाहिए, रोटरी की कहानी लिखी जानी चाहिए और बार - बार लिखी जानी चाहिए।''

टीआरएफ ने रोटरी विश्व का एक महत्वपूर्ण और अभिन्न अंग बनने के लिए एक लम्बी यात्रा की है। ''हमारी सदस्यता में भले ही उल्लेखनीय वृद्धि नहीं हुई हो, लेकिन टीआरएफ योगदान प्रति वर्ष बढ़ रहा है, जो 350 मिलियन डॉलर से अधिक के वार्षिक योगदान तक पहुँच गया है। हमें खुशी है कि भारत ने भी यहां अच्छा प्रदर्शन किया है और पिछले तीन वर्षों में टीआरएफ में भारतीय योगदान महत्वपूर्ण रहा है।''

इसके बाद बास्कर ने पूर्व टीआरएफ ट्रस्टी और पीआरआईडी अशोक महाजन से पोलियो फंड में भारतीय रोटेरियनों की योगदान में होने वाली थकान और काफी हद तक अनिच्छा के बारे में एक प्रश्न पूछा कि पोलियो उन्मूलन में योगदान बढ़ाने के लिए हमारे क्षेत्रों में भारतीय रोटरी क्लबों को प्रेरित करने और फिर से प्रोत्साहित करने का क्या उपाय है।

''पोलियो मेरे दिल के बहुत करीब है, और पोलियो के विरुद्ध चार दशकों की लड़ाई के बाद थकान महसूस होना स्वाभाविक है, महाजन ने कहा, मेरा मानना है कि रोटेरियन को पोलियो उन्मूलन के साथ सक्रिय रूप से पुनः जोड़ने के लिए जानकारी, प्रेरणा और प्रोत्साहन की आवश्यकता है। उनकी थकान का एक कारण था कि भारत में पोलियो का

रशीदा भगत

क्या तुर्की के बाद अगला शांति केंद्र भारत होगा?

टीआरएफ पैनल चर्चा में, मॉडरेटर पीआरआईडी सी भास्कर ने टीआरएफ के ट्रस्टी लैरी लंसफोर्ड से इस्तांबुल, तुर्की में अगला शांति केंद्र स्थापित करने के टीआरएफ के फैसले पर कुछ प्रकाश डालने के लिए कहा, बावजूद इसके कि ओटो और फ्रैन वाल्टर फाउंडेशन ने मध्य पूर्व में एक शांति केंद्र शुरू करने के लिए टीआरएफ को 15.5 मिलियन डॉलर का उपहार दिया था। उन्होंने जानना चाहा कि ऐसा करने के पीछे ट्रस्टियों का तर्क क्या था?

लंसफ़ोर्ड का जवाब था कि पूरे विश्व में 'मध्य पूर्व' की अलग-अलग परिभाषाएँ हो सकती हैं। मुझे याद है कि इस चयन प्रक्रिया में, हमने इस पर निर्णय लेने के लिए कुछ फ़िल्टर या कारकों का प्रयोग किया था, और उनमें से एक थी रोटरी की आंतरिक क्षेत्रीय परिभाषा और तुर्की उस परिभाषा में खरा उतरता है।

तुर्की, या किसी भी देश का चयन करने के लिए एक महत्वपूर्ण मानदंड कुशलक्षेम और सुरक्षा था और क्या विश्वविद्यालय में छात्रों के लिए यह सुरक्षित है क्योंकि वे उस समाज के इर्द गिर्द घूमते हैं जहां केंद्र स्थित होगा। और अंग्रेजी न केवल पाठ्यक्रम के लिए चुनी गई भाषा है बल्कि इसका उपयोग वहां के निवासीयों और भोजन कक्षों में भी किया जाता है। एक अन्य मानदंड यह भी है कि क्या क्षेत्र में रोटरी और रोटरेक्ट की उपस्थिति मजबूत है और वह एक फिल्टर है, क्योंकि यह परिवारों की मेहमाननवाजी करने की क्षमता देता है। तुर्की में रोटेरियन इन सभी मानदंडों पर खरे उतरे।

इसके अन्यत्र भी, लंसफोर्ड बोले, ट्रस्टी ऐसे विश्वविद्यालयों की भी तलाश में रहते हैं जिनकी उपस्थिति शांति और संघर्ष समाधान के क्षेत्र में पहले से ही है। ''और अंत में, सबसे महत्वपूर्ण है उस देश में आसानी से प्रवेश, लिंग, क्षेत्र की परवाह किए बिना समान पहुंच और वीजा की सहज प्राप्ति से संबंधित है। टीआरएफ टास्कफोर्स ने इन मानदंडों पर इस का आकलन किया और तुर्की ने इन आवश्यकताओं को परिपूर्ण किया।''

अंत में, वो बोले, चयनित विश्वविद्यालय दानदाता के मानदंडों पर भी पूरा उतरता है; यह टीआरएफ को अब तक प्राप्त हुआ दूसरा सबसे महत्वपूर्ण उपहार है इसलिए दानदाताओं की भावनाएं और इच्छाएं भी महत्त्व रखती हैं। लंसफोर्ड ने कहा, ''दुनिया के आपके हिस्से में'' बनने वाले अगले शांति केंद्र का चयन करते समय इसी तरह के मानदंड लागू किए जाने की संभावना है।

टीआरएफ द्वारा एशिया में स्थापित किए जाने वाले अगले शांति केंद्र पर प्रकाश डालते हुए, ट्रस्टी पंड्या ने कहा, मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता हो रही है कि भारत इसके प्रबल दावेदारों में से एक है, और पुणे के सिम्बायोसिस ने इस तरह के एक शांति केंद्र में अपनी रुचि व्यक्त की है। दो अन्य विश्वविद्यालय भी उत्सुक हैं, एक बेंगलुरु में और दूसरा ओडिशा में और अगर हम सभी मिलकर काम करते हैं, तो मैं आशान्वित हूं कि संभवतः अगला रोटरी शांति केंद्र भारत में ही खुलेगा!

टीआरएफ उपाध्यक्ष पांड्या (दाएं) और ट्रस्टी लंसफोर्ड।

अंतिम प्रकरण जनवरी 2011 में दर्ज किया गया था, परन्तु विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा हमें 2014 में पोलियो मुक्त घोषित किया गया था। भारत को पोलियो मुक्त हुए लगभग 13 साल हो गए हैं, इसलिए हमारे क्षेत्र के अधिकांश रोटेरियनों को लगता है कि हमारा काम ख़त्म हो गया है। लेकिन उन्हें बताया जाना चाहिए कि टीआरएफ ने इस उद्देश्य के लिए **2.5 बिलियन डॉलर** खर्च किए हैं... और अकेले भारत में ही इसने पोलियो उन्मूलन प्रयासों के लिए **275 मिलियन डॉलर** खर्च किए हैं। उन्हें मालूम होना चाहिए कि इसके लिए बड़े पैमाने पर सहयोग भारत के बाहर से मिला है और अगर पोलियो कहीं भी मौजूद है, इसका मतलब पोलियो हर जगह है। अगर कल तक हम वायरस के निर्यातक थे, तो आने वाले कल में हम इस वायरस के आयातक भी बन सकते हैं जो हमारे पड़ोस (पाकिस्तान और अफगानिस्तान) में छिपा है।''

हमें इस बात को बार-बार दोहराना होगा कि इस युद्ध को जीतने का मतलब दुनिया को इस बीमारी से छुटकारा दिलाना है। जहां तक पोलियो फंड में भारतीय रोटेरियन के योगदान का सवाल है, ''याद रखें कि मां भी बच्चे को तब तक दूध नहीं पिलाती जब तक वह रोता नहीं है। जब तक हम मांगेंगे नहीं, वो देंगे नहीं। हम सभी जानते हैं कि आदित्य बिड़ला फाउंडेशन हमें पोलियो के लिए हर साल 1 मिलियन डॉलर देता है, लेकिन यह अपने आप नहीं आता; हमें उनसे अनुरोध करना पड़ता है।''

और इस प्रकार, हमारे वरिष्ठ नेताओं द्वारा रोटेरियनों को पोलियो के लिए निरंतर योगदान देने

पुणे के सिम्बायोसिस ने एक शांति केंद्र में अपनी रुचि व्यक्त की है। दो अन्य विश्वविद्यालय भी उत्सुक हैं, एक बेंगलुरु में और दूसरा ओडिशा में और अगर हम सभी मिलकर काम करते हैं, तो मैं आशान्वित हूं कि संभवतः अगला रोटरी शांति केंद्र भारत में ही खुलेगा!

भरत पांड्या
टीआरएफ उपाध्यक्ष

बाएं से: पीआरआईडी संघवी, टीआरएफ ट्रस्टी मेमन, पीआरआईडी महाजन और भास्कर, ट्रस्टी लंसफोर्ड और टीआरएफ उपाध्यक्ष पांड्या।

के लिए प्रेरित करना होगा और उन्हें यह याद दिलाना होगा कि जब तक पूरी दुनिया इससे निजात नहीं पा लेती, तब तक पोलियो रो इ की प्राथमिक सूची में सर्वोच्च बनी रहेगी।

पाकिस्तान और अफगानिस्तान की स्थिति पर ताज़ा जानकारी देते हुए, जहां पोलियो के आखिरी मामले अभी भी मौजूद हैं, टीआरएफ ट्रस्टी अजीज मेमन ने कहा कि ''रोटेरियनों द्वारा दशकों की कड़ी मेहनत, धन और अन्य संसाधनों के बाद तुलनात्मक रूप से इस समय हम बहुत करीब हैं। क्योंकि वायरस बहुत छोटे से भौगोलिक क्षेत्र में ही सीमित है। पाकिस्तान में, चुनौती खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के सात जिलों में निहित है जहां सुरक्षा और पोलियो कार्यकर्ताओं की हत्या एक बड़ा मसला है।''

इसी प्रकार, अफगानिस्तान के 34 प्रांतों में से एक, वायरस पूर्वी प्रांत में ही है। लेकिन साथ ही कुछ चुनौतियाँ भी हैं; पहली रोग प्रतिरोधक क्षमता। ''हम 5 साल से कम उम्र के बच्चों को लक्षित कर रहे हैं, लेकिन पिछले जो दो मामले सामने आए वे 11 साल के दो बच्चों में वाइल्डपोलियो वायरस के थे। इसके अलावा, अफगानिस्तान के साथ हमारी 2,400 किलोमीटर लंबी सीमा खुली है, और यहां तक कि जो वयस्क संक्रमित नहीं हैं, वे भी वायरस के वाहक हो सकते हैं क्योंकि वे दोनों तरफ से अक्सर सीमा पर आवाजाही करते हैं।''

> **मानकीकरण की आवश्यकता पर सहमति जताते हुए, टीआरएफ ट्रस्टियों को क्षेत्रीयकरण की अनुमति भी दी जानी चाहिए और इसका लाभ अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने के लिए इन अनुदानों को और सरल व सुविधाजनक किया जाना चाहिए।**
>
> **कमल संघवी**
> PRID, रोटरी फाउंडेशन (भारत) के अध्यक्ष

दूसरी बड़ी चुनौती अफगानिस्तान में यह थी कि तालिबान में दक्षिणी क्षेत्र पर शासन करने वाला समूह घर-घर जा कर टीकाकरण की इजाजत नहीं देता है। ''घर-घर टीकाकरण ही वह प्रमुख कारक है जिसके माध्यम से हमने सम्पूर्ण विश्व से पोलियो का सफाया किया है, लेकिन यहां के धार्मिक नेताओं, उलेमाओं ने इस प्रकार के टीकाकरण की अनुमति अभी तक नहीं दी है। इसलिए, बच्चों को मस्जिद या सामुदायिक हॉल में लाना होता है। जिसके फलस्वरूप 300,000 बच्चे अभी भी छूट गए हैं और ये बच्चे असुरक्षित हैं।''

लेकिन यहां कुछ प्रगति जरूर हुई है; पिछले सप्ताह यूनिसेफ के क्षेत्रीय निदेशक ने अफगानिस्तान में उप प्रधान मंत्री से मिल कर घरेलू टीकाकरण शुरू करने का अनुरोध किया था जो उन्होंने मान लिया है। ''इन सभी कारकों के चलते, मेरा विश्वास है कि हम पोलियो मुक्त विश्व के बहुत नज़दीक हैं। उच्च कोटि की छानबीन की बदौलत, हम संवेदनशील क्षेत्रों में घूमने वाले परिवारों की पहचान कर सकते हैं। हमें आशा है कि इस बार हम अवश्य सफल होंगे।''

जीजी पर उठे एक सवाल के जवाब में, रोटरी फाउंडेशन (भारत) के अध्यक्ष और पीआरआईडी कमल सांघवी ने टीआरएफ ट्रस्टियों से अनुदान आवेदनों के अनुमोदन में विभिन्न मापदंडों का आकलन ''क्षेत्रीय परिप्रेक्ष्य में संसाधित करने का अनुरोध किया। रोटरी फाउंडेशन भारत के अध्यक्ष के रूप में, मुझे ऐसे सुझाव और सवाल मिलते रहते हैं कि जब रोटरी क्षेत्रीयकरण की ओर बढ़ रही है और दृढ़ता से वकालत करती है तो जीजी को मंजूरी देने में शामिल प्रक्रिया में क्षेत्रीय मुद्दों को क्यों नहीं लिया जाता। जैसे अमेरिका या यूरोप में जो प्रासंगिक है वह भारत के लिए प्रासंगिक नहीं हो सकता है और ऐसे ही इसके उलट भी।''

एक उदाहरण देते हुए वो बोले कि जब भारतीय रोटेरियन 20 स्कूलों में स्मार्ट बोर्ड जैसी ई-लर्निंग सुविधाएं प्रदान करने के लिए जीजी के लिए आवेदन करते हैं, तो अनुदान अधिकारी उन्हें 20 की अपेक्षा केवल एक स्कूल लेने के लिए कहते हैं। मैं ट्रस्टियों से कहना चाहूंगा कि अमेरिका या यूरोप में, स्कूल इस

तरह के सूक्ष्म प्रबंधन की गारंटी देने और सिर्फ एक स्कूल पर ध्यान केंद्रित करने हेतु वे स्कूल एक निश्चित स्तर प्राप्त कर चुके हैं। लेकिन जब भारत या अफ्रीका या दक्षिण अमेरिका जैसे देशों में स्कूलों की बात करें तो ऐसी परियोजनाओं की आवश्यकता व्यापक स्तर पर है। हम स्कूलों में छात्रों या अस्पतालों में मरीजों को अधिकतम लाभ पहुंचाने के लिए जीजी के माध्यम से टीआरएफ फंड का उपयोग करना चाहते हैं। इन जैसे देशों में, हमें 300 या 500 बच्चों के लिए नहीं बल्कि बहुत भारी संख्या में बच्चों को शैक्षिक सुविधाएं उपलब्ध करवाने करने की आवश्यकता है।

टीआरएफ के बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज़ से सांघवी ने अपील की कि वे इन देशों के लिए वे एक अलग दृष्टिकोण रखें। उदाहरणार्थ, अनुदान का 20 प्रतिशत उपयोग भारत में किया जाता है। मेरा आकलन है कि 80 प्रतिशत जीजी का उपयोग विकासशील देशों में किया जाता है। ''मानकीकरण की आवश्यकता पर सहमति जताते हुए, टीआरएफ ट्रस्टियों को क्षेत्रीयकरण की अनुमति भी दी जानी चाहिए और इसका लाभ अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने के लिए इन अनुदानों को और सरल व सुविधाजनक किया जाना चाहिए।''

टीआरएफ ने 2.5 बिलियन डॉलर खर्च किए हैं... और अकेले भारत में इसने पोलियो उन्मूलन प्रयासों के लिए 275 मिलियन डॉलर खर्च किए हैं।

रोटरी परियोजनाओं के लिए सीएसआर फंड उपलब्ध करवाने के बारे में सांघवी का कहना था कि भारत में अभी तक रोटेरियन जो सीएसआर धनराशि जुटाने में सफल रहे थे, वह राशि बहुत कम थी और ज्यादातर धन रोटेरियन के स्वामित्व वाली या उनके नेतृत्व वाली कंपनियों से ही आया था। लेकिन भारत में सीएसआर धन का भंडार बहुत बड़ा है, और हमें इससे बाहर जा कर बड़े कॉरपोरेट्स को सम्मिलित करने की आवश्यकता है, जैसे रो इ /टीआरएफ ने गेट्स फाउंडेशन के साथ किया है। हमें ऐसे साझेदारों की नितांत आवश्यकता है।फ भारत में और इसके बाहर भी बहुत सारे विशाल फाउंडेशन और निगम हैं जिनको जोड़ने की जरूरत है।फ़

उन्होंने कहा कि आरएफआई ऐसा करने के लिए विभिन्न प्रणालियों का निरंतर आकलन कर रहा है, विशेष रूप से किस प्रकार बड़े कॉरपोरेट्स के लिए मानकीकृत प्रस्तुतियां दी जाएं, विशेषकर, कि उन्हें क्या उत्साहित करता है और हम उन्हें सीएसआर अनुदान के लिए रोटरी को उनका पसंदीदा भागीदार बनने के लिए कैसे राजी कर सकते हैं।

पांड्या ने एक सकारात्मक खबर दी कि किस प्रकार ''हमारी सदस्यता में वृद्धि के साथ, विगत तीन वर्षों में हमारे क्षेत्रों में रोटेरियन द्वारा टीआरएफ को दिए जाने वाले प्रति व्यक्ति योगदान में भी निरंतर वृद्धि हो रही है और यह बदलाव अद्भुत है।''

जहां वर्तमान में चिंता का विषय था कि वार्षिक निधि में योगदान कम हो रहा है, उन्हें यह बताते हुए खुशी हो रही थी कि यह प्रवृत्ति अब उलट गई है और हमारे क्षेत्रों में वार्षिक निधि संकलन में भी वृद्धि हुई है। ''अधिक से अधिक मंडल अब फाउंडेशन योगदान में कई सीढ़ियां चढ़ रहे हैं, गत वर्ष भारत के नौ मंडलों ने टीआरएफ में 1 मिलियन डॉलर से अधिक का योगदान दिया था।''

चित्र: रशीदा भगत

अंग दान पर एक RAG

टीम रोटरी न्यूज़

रक्त, ऊतक और अंग दान (बीओडी) पर रोटरी एक्शन ग्रुप का एक नया अध्याय रोटरी क्लब दिल्ली मंथन के चार्टर अध्यक्ष और रो ई मंडल 3011 अध्यक्ष, अंग दान, राजेश मित्तल के साथ इसके देश समन्वयक के रूप में बनाया गया था।

समूह के मिशन का अवलोकन देते हुए, मित्तल ने कहा, नया आरएजी एक एकीकृत मंच के माध्यम से ''बीओडी जागरूकता से संबंधित संसाधनों को केंद्रीकृत और सुव्यवस्थित करेगा। हमारा लक्ष्य है कि भारत में अंगों के अभाव में किसी की मौत न हो।'' समूह गतिविधियों और परियोजनाओं, ज्ञान भंडारों के माध्यम से संसाधनों को समेकित करेगा और विधायी निकायों में विशेषज्ञों और चैंपियनों की मदद लेगा। आरएजी-बीओडी परियोजनाओं और पहलों के माध्यम से अंग दान पर जागरूकता पैदा करने के लिए क्लब और जिला-स्तरीय गतिविधियों को प्रोत्साहित करेगा।

हेमाली अजमेरा द्वारा संकलित अंग दान पर रोटेरियनों के लिए एक गाइडबुक प्रतिनिधियों को दिए गए रोटरी जोन इंस्टीट्यूट किट में शामिल थी और एक वेबसाइट *https://oneindiaonelaw.org/* अंग दान के कानूनी पहलुओं पर जानकारी प्रदान करती है।■

ADVT.

BECOME A DOCTOR IN USA

XAVIER UNIVERSITY ARUBA'S 6 YEAR PROGRAMME TO TRANSFORM YOUR AMERICAN DREAM INTO A REALITY

DOCTOR OF MEDICINE

First 2 years
Start @
KLE, Campus
Karnataka, India

Next 2 years
Continue @
Xavier's Campus
Aruba, Caribbean
island - Netherland

Next 2 years
Complete @
Xavier's affiliated
Teaching Hospitals
USA / Canada

DOCTOR OF VETERINARY MEDICINE

First 2 years
Start @
KLE, Campus
Karnataka, India

Next 3 years
Continue @
Xavier's Campus
Aruba, Caribbean
island- Netherland

Final year
Complete @
Xavier's affiliated
Teaching Hospitals
USA / Canada

Limited Seats

The session starts in May/September 2024

To apply, Visit: **application.xusom.com**

Contact: Uday @+91 91 0083 0083 +91 98 8528 2712

email: infoindia@xusom.com

XAVIER STUDENTS ARE ELIGIBLE FOR **H1/J1 Visa** PROGRAMME

रोटरेक्ट रोटरी का वर्तमान है

जयश्री

बहुत से लोग रोटरेक्ट को रोटरी के भविष्य के रूप में वर्णित करते हैं। लेकिन मेरा मानना है कि रोटरेक्ट रोटरी का आज है। रोटरेक्ट रोटरी मेज पर शानदार कौशल ला सकता है और यह रोटेरियनों के कौशल के पूरक हैं,'' रो ई अध्यक्ष गॉर्डन मेकिनली ने बेंगलुरु में रोटरी जोन इंस्टिट्यूट के रोटरेक्ट सेमिनार में डीआरआर और डीआरआरईयों को संबोधित करते हुए कहा। वह स्कॉटलैंड के रोटरेक्ट क्लब साउथ क्वींसफेरी के पूर्व सदस्य हैं।

2019 विधान परिषद में *Elevate Rotaract* वाले ऐतिहासिक निर्णय को याद करते हुए रो ई अध्यक्ष ने कहा कि यह रोटरी और रोटरेक्ट के बीच एक नया रिश्ता लेकर आया है। ''हम अभी भी नीतियों में सुधार लाने के साथ ही इस साझेदारी को मूल्यवान बनाने के तरीके तलाश रहे हैं।''

सहयोगात्मक कार्यशैली में दृढ़ विश्वास रखने के नाते उन्होंने कहा, ''हम में से प्रत्येक के पास अद्वितीय ताकत और प्रतिभा है। केवल एक साथ काम करके हम महान चीजें हासिल कर सकते हैं और एक बड़ा बदलाव ला सकते हैं। रोटरी के विकास में रोटरेक्ट की महान भूमिका है। अंततः भले आप रोटरेक्ट या रोटरी क्लब से संबंधित हों हम सभी का एक सामान्य लक्ष्य है - दुनिया को बदलना और इसे हमारी पीढ़ी और आने वाली पीढ़ियों के लिए अधिक शांतिपूर्ण स्थान बनाना। मुझे इस दुनिया को हम सभी के लिए एक बेहतर जगह बनाने के अपने सपने को पूरा करने में आपकी मदद की आवश्यकता है और मुझे यकीन है कि यह आप में से हर एक का भी सपना होगा।''।

संस्थान के संयोजक रो ई निदेशक राजू सुब्रमण्यन ने अध्यक्षों के विचारों की पुष्टि करते हुए कहा, ''रोटरेक्ट और रोटरी में कोई अंतर नहीं है। हम एक संगठन हैं।'' रोटरेक्ट की घटती सदस्यता पर विचार करते हुए उन्होंने मंडल के नेताओं से आग्रह किया कि वे रोटरेक्ट के विकास में आने वाली चुनौतियों को उनके साथ साझा करें। ''मैं चाहता हूं कि आप में से प्रत्येक अपना दिल और दिमाग इसमें लगाए कि कैसे रोटरेक्ट हमारे रोटरी जगत के लिए जीवंत और आकर्षक बन सकता है। आपको इस प्रतिष्ठित संगठन से जुड़े होने में क्या लाभ प्राप्त हो रहा है उसे चिन्हित करें,'' उन्होंने कहा।

रोटरेकटरों के लिए संस्थान का पंजीकरण शुल्क और आवास बिल सभी माफ कर दिए गए हैं। ''आप हमारा हिस्सा हैं। हम आपको रोटरी में होने वाले विश्व स्तरीय अनुभव की एक झलक दिखाना चाहते हैं और आप यहाँ से जो सबक लेकर जाएंगे वो अमूल्य है,'' सुब्रमण्यन ने कहा।

रो ई निदेशक राजू सुब्रमण्यन, टीआरएफ के उपाध्यक्ष भरत पांड्या और रोटरेक्ट के अध्यक्ष अभिनंदन शेट्टी रोटरी जोन संस्थान में रोटरेक्ट मंडल नेताओं के साथ। मेज़बान मंडल डीआरआर अरुण तेजा दाईं ओर चित्र में शामिल हैं।

टीआरएफ के उपाध्यक्ष भरत पांड्या ने संस्थान अनुदान और प्रोग्राम्स ऑफ स्केल के बारे में बताया। *Elevate Rotaract* नीति के अंतर्गत रोटरेक्ट क्लब अब वैश्विक अनुदान परियोजनाओं पर रोटरी क्लबों के साथ काम कर सकते हैं और एक रोटरी क्लब के माध्यम से मंडल अनुदान से धन प्राप्त कर सकते हैं। ''जवाबदेही और नेतृत्व बहुत महत्वपूर्ण हैं। आपको खर्च किए गए हर एक पैसे का हिसाब देना होगा।''

जुलाई 2022 से रो ई को प्रति व्यक्ति बकाया के रूप में संस्थान-आधारित रोटरेक्ट क्लब 5 डॉलर और समुदाय-आधारित क्लब 8 डॉलर का भुगतान करते हैं। रोटरेक्ट बकाया का भुगतान करने के प्रतिरोध के कारण सदस्यता में गिरावट से निपटने के लिए संस्थान अध्यक्ष के पी नागेश ने सुझाव दिया कि मूल रोटरी क्लब संस्थान-आधारित क्लबों के लिए 50 प्रतिशत बकाया का भुगतान कर सकता है, 25 प्रतिशत कॉलेज/विश्वविद्यालय द्वारा वहन किया जा सकता है और रोटरेकटर 25 प्रतिशत का भुगतान कर सकता है जो सिर्फ 1 डॉलर या 80 है।

रो ई अध्यक्ष गॉर्डन मेकिनली रोटरेक्टरस के साथ बातचीत करते हुए। संस्था अध्यक्ष के पी नागेश भी चित्र में शामिल हैं।

''समुदाय-आधारित रोटरेक्ट क्लबों के रोटरेकटर इस लागत को वहन कर सकते हैं क्योंकि वे आश्वस्त करियर में हैं,'' उन्होंने कहा।

रोटरेक्ट सत्रों का संचालन रो ई मंडल 3141 के पीडीआरआर राजिथ मेनन ने किया और इसका नेतृत्व रोटरेक्ट अध्यक्ष पीडीजी अभिनंदन शेट्टी ने किया।■

रोटरी ने बीमा कंपनी के साथ समझौता किया

टीम रोटरी न्यूज़

बाएं से: रो ई निदेशक गण अनिरुद्धा रॉयचौधरी और राजू सुब्रमण्यन, बीमा ब्रोकिंग कंपनी आरएफएल के प्रतिनिधि अनुराग श्रीवास्तव, के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने के बाद।

रोटरी इंडिया और बीमा ब्रोकिंग कंपनी आरएफएल के बीच बेंगलुरु के ज़ोन इंस्टीट्यूट में एक एम ओ यू पर हस्ताक्षर किए गए ताकि रोटेरियन या उनके संदर्भों द्वारा हर बार बीमा पॉलिसी खरीदने पर धन के प्रवाह को सुविधाजनक बनाया जा सके, चाहे वह सामान्य, स्वास्थ्य या मोटर कवर के लिए हो।

आमतौर पर दलालों को मिलने वाला प्रोत्साहन अब रोटरी क्लब या उसके ट्रस्ट को मिलेगा। आरएफएल के साथ साझेदारी से धन का निरंतर प्रवाह सुनिश्चित होगा क्योंकि रोटेरियन और उनके संदर्भ बीमा कंपनी के साथ जुड़े रहेंगे। रो ई निदेशक राजू सुब्रमण्यन और अनिरुद्धा रॉयचौधरी ने रो ई अध्यक्ष गॉर्डन मेकिनली की उपस्थिति में आरएफएल प्रतिनिधि अनुराग श्रीवास्तव के साथ समझौते पर हस्ताक्षर किए। इस एम ओ यू के माध्यम से क्लबों को जो धनराशि मिलेगी, उसका उपयोग सेवा परियोजनाओं और सामुदायिक पहलों के लिए किया जा सकता है।

साथ ही, रोटरी क्लबों से क्लब और आरएफएल के बीच संचार की सुविधा के लिए एक व्यक्ति, अधिमानतः एक बोर्ड निदेशक को नियुक्त करने का आग्रह किया गया। ■

रो ई अध्यक्ष का चंडीगढ़ दौरा

रशीदा भगत

777 लोगों की जान बचाने के लिए धन्यवाद, रो ई अध्यक्ष गॉर्डन मेकिनली ने मोहाली में फोर्टिस अस्पताल का दौरा करने के बाद रोटरी क्लब चंडीगढ़, रो ई मंडल 3080 के सदस्यों से कहा, क्योंकि यह अस्पताल *रोटरी हार्टलाइन* परियोजना के अंतर्गत 1991 से क्लब के साथ जुड़ा हुआ है जिसके तहत यहाँ नि:शुल्क हृदय सर्जरियाँ की जाती है। अब तक इस परियोजना ने हृदय की समस्याओं से पीड़ित 777 बच्चों की हृदय सर्जरियाँ करके उनकी जान बचाई है। ''मैं कहूंगा कि आपने न सिर्फ 777 जिंदगियाँ बचाई है, बल्कि आपने वास्तव में 777 बच्चों को नया जीवन दिया है जो एक सराहनीय उपलब्धि है,'' उन्होंने कहा।

अपनी पत्नी हेतर, पीआरआईपी राजेंद्र साबू, रो ई मंडल 3080 के डीजी अरुण मोंगिया, क्लब अध्यक्ष अनिल चड्ढा, सामुदायिक सेवा निदेशक टीना विर्क और हार्टलाइन प्रोजेक्ट के अध्यक्ष ए पी सिंह के साथ रो ई अध्यक्ष ने मोहाली जिले की 8 वर्षीय अनु से मुलाकात की जिसकी सफल हृदय सर्जरी इस अस्पताल में डॉ टी एस महंत ने एक दिन पहले ही की थी। उन्होंने जिम्बाब्वे की 16 वर्षीय डाफने से भी मुलाकात की जो अपनी दूसरी सुधारात्मक सर्जरी के लिए अपनी मां के साथ एक दिन पहले ही पहुँची थी। इससे पहले 2016 में नौ साल की उम्र में उसका ऑपरेशन किया गया था तब उसे बताया गया था कि उसे बाद में सुधारात्मक सर्जरी की आवश्यकता होगी जो अब की गई।

मेकिनली ने डॉ महंत और उनकी हृदय रोग विशेषज्ञ टीम से भी मुलाकात की और इतने सारे

रो ई अध्यक्ष गॉर्डन मेकिनली और हेतर ने मोहाली के फोर्टिस अस्पताल में जिम्बाब्वे की एक मरीज डैफने से मुलाकात की। चित्र में रोटरी क्लब चंडीगढ़ के अध्यक्ष अनिल चड्ढा, डीजी अरुण मोंगिया और पीआरआईपी राजेंद्र साबू भी शामिल हैं।

बच्चों की जान बचाने में उनकी उत्कृष्ट सेवा के लिए उन्हें धन्यवाद दिया और साथ ही रोटरी क्लब चंडीगढ़ की ओर से फोर्टिस अस्पताल को एक प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया जिसमें हार्टलाइन प्रोजेक्ट के लिए अस्पताल के समर्थन को स्वीकार किया गया। टीना विर्क ने परियोजना का संक्षिप्त विवरण दिया। बाद में रो ई ने उन छह बच्चों और उनके माता-पिता से भी मुलाकात की जिनका पहले इस परियोजना के अंतर्गत ऑपरेशन किया गया था। हेथर ने बच्चों को गिफ्ट हैंपर्स वितरित किए।

पीआरआईपी साबू और उनकी पत्नी उषा द्वारा आयोजित एक भोज और एक अन्य टीआरएफ रात्रिभोज में रोटरी फाउंडेशन को 93,000 डॉलर दान किए गए। ''टीआरएफ के प्रति इन लोगों की सामूहिक प्रतिबद्धता को देखकर खुशी हुई। इसके अलावा रात्रिभोज के दौरान रोटरी क्लब यमुनानगर

अध्यक्ष मेकिनली और हेतर क्लब के व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र का दौरा करते हुए। चित्र में पीडीजी प्रवीण गोयल, चड्ढा, डीजी मोंगिया, व्यावसायिक सेवाओं के निदेशक सरताज लांबा और बसु गोयल भी शामिल हैं।

के पीडीजी सुभाष गर्ग को पंजाब में पहले मानव दूध बैंक का प्रायोजन करने के लिए सम्मानित किया गया जिसका उद्घाटन अध्यक्ष मेकिनली ने एक दिन पहले मोहाली के AIIMS में किया था,'' रोटरी क्लब चंडीगढ़ के अध्यक्ष अनिल चड्ढा ने कहा।

रो ई और हेतर ने रोटरी विद्या सदन का भी दौरा किया और इस स्कूल के 100 विद्यार्थियों से मुलाकात की। रोटेरियन मेजर बी एम सिंह द्वारा 1987 में स्थापित यह संस्थान वंचित बच्चों को शिक्षा प्रदान करता है। यहाँ उपलब्ध सुविधाओं में शिशु सदन, नि:शुल्क सेवा, अंग्रेजी, गणित, हिंदी और अन्य विषयों के साथ प्राथमिक कक्षाएं चलाना शामिल है। छह स्टेशनों के साथ एक कंप्यूटर कक्ष भी शामिल किया गया है।

चड्ढा ने आगे कहा कि ''हमारे स्कूल में 200 से अधिक विद्यार्थियों का नामांकन है जिन्हें यह सीखने का एक सहायक माहौल प्रदान करता है और स्वतंत्रता दिवस एवं गणतंत्र दिवस समारोह जैसे विशेष अवसरों पर हमारे क्लब के कई रोटेरियन स्कूल आते हैं ताकि हम छात्रवृत्ति के माध्यम से वित्तीय सहायता प्रदान करने के साथ ही उनके साथ समय बिता सकें जो वाकई में वास्तविक सामुदायिक सेवा के लिए रोटरी की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।''

उन्होंने आगे कहा कि अध्यक्षीय यात्रा के दौरान छात्रों ने हस्तनिर्मित कार्ड प्रस्तुत किए और अध्यक्ष इस उद्धरण से बहुत प्रभावित हुए, 'शिक्षा सुनहरे दरवाजे की कुंजी है,' जिसे वह एक बच्चे से हस्तलिखित नोट के रूप में अपने साथ ले गए।

अध्यक्ष मेकिनली की चंडीगढ़ और महोली की यात्रा का मुख्य आकर्षण रोटरी क्लब चंडीगढ़ द्वारा बी आर अम्बेडकर स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, मोहाली में स्थापित पहले मानव दूध बैंक (विशाल लैक्टेशन मैनेजमेंट सेंटर) का उद्घाटन था। उनके साथ पीआरआईपी साबू, संस्थान के प्रधान निदेशक, डॉ भावनीत भारती भी मौजूद थे।

रो ई अध्यक्ष ने रोटरी क्लब चंडीगढ़ के सदस्यों को इस ऐतिहासिक पहल के लिए बधाई दी ''जो मातृ और शिशु स्वास्थ्य सेवा को आगे बढ़ाने और इस क्षेत्र में नवजात शिशुओं और अन्य शिशुओं की देखभाल सुनिश्चित करने के लिए रोटरी की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।'' चड्ढा ने कहा कि यह बैंक समुदाय के साथ सक्रिय जुड़ाव रखते हुए माताओं की सहायता करेगा और बच्चे के इष्टतम पोषण के लिए माँ

के दूध के महत्व के बारे में जागरूकता फैलाने के साथ ही मानव दूध दान के महत्व के बारे में भी जागरूकता फैलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

डॉ भावनीत ने अत्याधुनिक सुविधा के बारे में जानकारी प्रदान की और आश्वासन दिया कि दूध के भंडारण और वितरण में सुरक्षा एवं गुणवत्ता के उच्चतम मानकों की गारंटी के लिए उन्नत तकनीक और उचित प्रोटोकॉल का पालन किया जाएगा। यह सुविधा जरूरतमंद बच्चों के लिए माँ के दूध को एकत्रित करेगी, उसकी जांच करेगी और फिर उसे संसाधित करके जरूरतमन्द शिशुओं को वितरित करेगी। इस सुविधा में एक समय में 500 यूनिट रक्त संग्रहीत किया जा सकता है जो समय से पहले जन्में या विशिष्ट चिकित्सा स्थितियों वाले बच्चों के जीवन को बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा जो अपनी मां का दूध ग्रहण नहीं कर पाते।

''निदेशक ने रो ई अध्यक्ष को यह भी बताया कि इस केंद्र को स्तनपान के जटिल मुद्दों के प्रबंधन में विशेषज्ञता रखने वाले लैक्टैशन परामर्शदाताओं द्वारा संचालित किया जाएगा। यह अन्य दुग्ध बैंकों की स्थापना के लिए शिक्षण, प्रशिक्षण और प्रदर्शन स्थल के रूप में कार्य करने के साथ ही शिशुओं की उत्तरजीविता में सुधार लाने के लिए स्तनपान को समर्थन और बढ़ावा देने के लिए एक समर्पित केन्द्र के रूप में भी कार्य करेगा। सुरक्षित मानव दूध की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए पंजाब सरकार द्वारा ₹1.1 करोड़ की कुल लागत से इस अस्पताल को आवश्यक नवीनतम उपकरण प्रदान किए गए,'' चड्ढा ने कहा।

उन्होंने कहा कि दुग्ध बैंक की स्थापना करने के लिए क्लब के सदस्यों ने ₹5 लाख से अधिक का दान दिया और रोटेरियन सुभाष गर्ग की कंपनी रुचिरा पेपर्स ने सीएसआर योगदान के रूप में ₹31 लाख का दान दिया।

1955 में स्थापित, 161 सदस्यों वाले रोटरी क्लब चंडीगढ़ द्वारा की जाने वाली विभिन्न परियोजनाओं को देखने की रो ई अध्यक्ष की यात्रा के दौरान पीआरआईपी साबू को इस क्लब को ''उच्चतम मानकों तक ले जाने और हमें महत्वपूर्ण परियोजनाएं करने का मार्गदर्शन देने में मुख्य और निर्णायक भूमिका निभाने के लिए दिल

ऊपर बाईं ओर से दक्षिणावर्त दिशा में: अध्यक्ष मेकिनली और हेतर रोटरी विद्या सदन में बच्चों के साथ; मानव दूध बैंक में; रोटरी शांति स्मारक पर बसु और पीडीजी प्रवीण गोयल, पीआरआईपी साबू और चड्ढा के साथ अध्यक्ष मेकिनली और हेतर; छात्र अध्यक्ष मेकिनली और हेतर को अपनी पेंटिंग प्रस्तुत करते हुए। (बाएं से) कुलबीर डोगरा, गुरविंदर सागू, चड्ढा, चारू और डीजी मोंगिया भी चित्र में शामिल हैं; अध्यक्ष मेकिनली और हेतर स्कूल के कंप्यूटर स्टेशन पर। पीडीजी मधुकर मल्होत्रा, पीआरआईपी साबू, डीजी मोंगिया और चड्ढा भी चित्र में शामिल हैं।

से आभार,'' क्लब के सदस्य और पीडीजी प्रवीण गोयल ने कहा जिन्होंने रो ई अध्यक्ष के इस शहर की यात्रा के आयोजन में अग्रणी भूमिका निभाई।

रो ई अध्यक्ष और हेतर को रोटरी हाउस में स्थापित व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र पर भी ले जाया गया जहाँ व्यावसायिक सेवाओं के निदेशक सरताज लांबा ने उनका स्वागत किया।

यहाँ पर दी जाने वाली सेवाओं में कंप्यूटर प्रौद्योगिकी, सिलाई और कढ़ाई, सौंदर्य देखभाल और बागवानी के पाठ्यक्रम शामिल हैं। उनके साथ पीआरआईपी साबू, डीजी अरुण और चारू मोंगिया, पीडीजी गोयल और बासु गोयल, पीडीजी मधुकर मल्होत्रा और क्लब के सदस्य मौजूद थे।

इस दौरे की शुरुआत सौंदर्य देखभाल की कक्षाओं से हुई जहाँ विद्यार्थियों ने हेथर रो ई के दोनों हाथों पर मेहंदी लगाई और उन्हें चूड़ियों एवं बिंदी से सजाया। ''यहाँ सिखाए जा रहे नेल आर्ट डिजाइनों ने इन दोनों आगंतुकों का मन मोह लिया। उन्होंने कंप्यूटर कक्षाओं का भी दौरा किया जहाँ अध्यक्ष ने टैली शिक्षण के लिए एक नए बैच की शुरुआत की। सिलाई कक्षाएं आकर्षक साबित हुईं क्योंकि अध्यक्ष ने एक मशीन पर बैठेकर पेडल मशीनों की पेचीदगियों को समझने का प्रयास किया। व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करके अपने स्वयं के उद्यम स्थापित करने वाली महिलाओं की सफलता की कहानियां साझा की गईं। पिछले 33 वर्षों में लगभग 10,000 प्रशिक्षुओं ने इन व्यावसायिक पाठ्यक्रमों का लाभ उठाया है,'' पीडीजी मधुकर मल्होत्रा ने कहा। पास होकर निकली 10 महिलाओं के एक बैच को क्लब के सदस्य बीबी गोयल द्वारा प्रायोजित सिंगर सिलाई मशीनें प्रदान की गई।

अध्यक्ष मेकिनली को रोटरी ब्लड बैंक भी ले जाया गया जहाँ इसके इतिहास और इसकी स्थापना में पीआरआईपी साबू द्वारा निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में उन्हें बताया गया।

एक बैठक में डीजी अरुण मोंगिया ने रो ई मंडल 3080 द्वारा की जा रही प्रमुख सामुदायिक कल्याण पहलों पर चर्चा की। अध्यक्ष दौरे में पीडीजी मधुकर मल्होत्रा ने आयोजन समिति के अध्यक्ष के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।■

रोटरी क्लब मेपल ग्रोव, मिनेसोटा, अमेरिका के पूर्व अध्यक्ष राज खानकारी का स्वागत करते ग्रामीण।

ठाणे के रोटेरियनों ने 33 गांवों तक पानी पहुँचाया

रशीदा भगत

रोटरी क्लब थाना वेस्ट (रो ई मंडल 3142) और मेपल ग्रोव, मिनेसोटा, यूएस (रो ई मंडल 5950) के बीच लंबे समय से चली आ रही दीर्घकालीन साझेदारी के कारण ठाणे, मुंबई से लगभग 125 किलोमीटर दूर जवाहर, मोखाडा और विक्रमगढ़ तालुकों के 33 गांवों के एक समूह के पास अपने खेतों की सिंचाई और घरेलू उपयोग दोनों के लिए पानी उपलब्ध है।

रोटरी के विभिन्न ध्यानाकर्षण क्षेत्र जैसे जल, स्वास्थ्य, स्वच्छता और शिक्षा पर केंद्रित इस परियोजना का विवरण देते हुए क्लब के पूर्व अध्यक्ष श्रीराम शेषन ने कहा कि क्लब के सदस्य खुश है कि चार वर्षों के उनके निरंतर प्रयासों से 33 गांवों के लोगों तक पानी पहुंच पाया।

''हमने आदिवासी आबादी वाले गांवों को चुना क्योंकि वे पानी की अनेक समस्याओं का सामना कर रहे थे क्योंकि उनकी कुछ ज़रूरतों को पहले से ही प्रगति प्रतिष्ठान द्वारा संबोधित किया जा रहा था जो इस क्षेत्र में 50 वर्षों से काम कर रहा है, इसलिए यह स्थानीय जरूरतों को समझता है।''

वह बताते हैं कि इस क्षेत्र के 100 गांवों में मानसून की अच्छी बारिश होती है लेकिन पहाड़ी इलाका होने के कारण सारा पानी बह जाता है और हर साल मार्च तक कुएं और नाले सूख जाते हैं। किसानों के पास छोटी ज़मीन है और गर्मियों के महीनों में पानी की कमी उनकी खेती को सीमित कर देती है जिससे वे सिर्फ एक खरीफ फसल जिसमें चावल और कुछ मोटे अनाज शामिल है, ही उगा पाते है।

जब उनके खेतों की सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध नहीं होता तो किसान अपने पूरे परिवार के साथ पास के शहरी क्षेत्रों में काम ढूँढने के लिए चले जाते हैं। ''इससे उनके बच्चों की शिक्षा प्रभावित होती है जिससे अस्थिर पारिवारिक स्थिति उत्पन्न होती है।''

यहाँ तक कि जब मानसून के दौरान या उसके तुरंत बाद जिन कुओं में पानी उपलब्ध होता है वो कुएं बहुत दूर होते हैं और अपने दैनिक घरेलू कार्यों और व्यक्तिगत उपयोग हेतु पानी लाने के लिए महिलाओं को पहाड़ी इलाके में 1-2 किमी की दूरी तय करनी पड़ती थी। इसलिए रोटरी क्लब थाना वेस्ट, ठाणे के कुछ अन्य क्लब और रोटरी क्लब मेपल ग्रोव इन ग्रामीणों के दुख को कम करने के लिए एक साथ आए।

प्रत्येक गांव में एक जिला परिषद स्कूल है और कुछ गांवों में एक आश्रम शाला, एक दिवा विद्यालय भी है, जो गैर सरकारी संगठनों की मदद से चलाया जाता है। जिला स्कूलों में 8वीं तक की कक्षाएं हैं और उसके बाद विद्यार्थियों को पास के गांवों में हाई स्कूल ढूंढना पड़ता है। उनके द्वारा दी गई सबसे बढ़िया खबर यह थी

कि कई छात्र न केवल पास के गांव में स्थित एक हाई स्कूल में जाते हैं बल्कि उनमें से कई स्नातक भी होते हैं। सौभाग्य से प्रगति प्रतिष्ठान की विशेषता शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और जल है, वह आगे कहते है।

इन दोनों मंडलों के बीच साझेदारी तब शुरू हुई जब 2019 में राज खनकारी रोटरी क्लब मेपल ग्रोव के निर्वाचित अध्यक्ष थे और एक अंतर्राष्ट्रीय परियोजना करना चाहते थे। ''हमारी बहनों के द्वारा मुझे रोटरी क्लब थाना वेस्ट के श्रीरंग देशपांडे से मिलवाया गया जो एक दूसरे की करीबी मित्र हैं।'' चूंकि अपरिचित भौगोलिक स्थलों पर संपर्कों की कमी के कारण रोटरी परियोजनाओं को निष्पादित करने के लिए एक अच्छा अंतर्राष्ट्रीय साझेदार ढूंढना हमेशा एक बड़ी चुनौती होती है इसलिए ''हमने एक सहकार्यता शुरू की जो पिछले चार वर्षों में छह वैश्विक अनुदान और एक छोटे से अंतर्राष्ट्रीय मंडल अनुदान के माध्यम से मजबूत हुई।''

रोटरी क्लब थाना वेस्ट के अध्यक्ष श्रीरंग देशपांडे ने निष्पादित परियोजनाओं का विवरण देते हुए कहा कि रोटेरियनों ने दो प्रकार के रोधक बांधों पर ध्यान केंद्रित किया। पहले छोटे रोधक बांध हैं जो धाराओं और छोटी नदियों पर बनाए गए ताकि पानी को बहने से रोककर उसकी साल भर की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सकें।

दूसरा प्रकार उप-सतही रोधक बांध का है जो छोटी जोत वाले किसानों द्वारा उपयोग किए जाने वाले कुओं की जल भरपाई करता है। ये अधोभूमि धाराओं के माध्यम से जल प्राप्त करते हैं जो गर्मियों में सूख जाती हैं। उनके एक साझेदार, वसुंधरा फाउंडेशन के न्यासी उमेश मुंडले ने अपनी विशेषज्ञता की बदौलत जमीन की सतह के नीचे मौजूद चट्टानी परतों के नीचे एक कंक्रीट की दीवार बनाने का सुझाव दिया जिससे भूमिगत जल धाराओं द्वारा लाए गए पानी के प्रवाह को रोका जा सकें।

इन पहलों ने पूरे वर्ष पानी की उपलब्धता सुनिश्चित की और किसानों को अतिरिक्त फसलें और/या सब्जियों और फलों जैसी नकदी फसलें उत्पादित करने में सक्षम बनाया। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि गर्मियों के महीनों में छोटे-मोटे काम करने के लिए आस-पास के शहरों में उनके प्रवास को रोका गया और इस परियोजना ने ग्रामीणों की समग्र सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सुधार किया है, वह आगे कहते हैं।

रोधक बांध और उप रोधक बांध की अवधारणा में एक छोटा सा अंतर यह है कि जहाँ एक रोधक बांध किसी जल निकाय में पानी संजोय रखता है वहीं उप रोधक बांध बारिश के पानी को बहने से रोकता है जिससे भूजल भराव होता है और सिंचाई के लिए किसानों द्वारा उपयोग किए जाने वाले आस-पास

हमने एक सहकार्यता शुरू की जो पिछले चार वर्षों में छह वैश्विक अनुदान और एक छोटे से अंतर्राष्ट्रीय मंडल अनुदान के माध्यम से मजबूत हुई।

राज खानकारी
पूर्व अध्यक्ष, रोटरी क्लब मेपल ग्रोव

के कुओं का जल स्तर बढ़ता है। इस पहल से अब गर्मियों के मुश्किल दिनों के दौरान उनकी पानी की जरूरतों को पूरा किया जा रहा है।

शेषन कहते हैं, ''इसका अतिरिक्त लाभ यह है कि पलायन रुकने के साथ ही बच्चे बिना किसी व्यवधान के अपनी स्कूली शिक्षा जारी रख सकते हैं। जिस दिन हमारी इस लेख के लिए यह बातचीत हुई उन्होंने मुझे पानी की नवीनतम स्थिति पर अपडेट किया। पिछले हफ्ते हमने जल संरक्षण परियोजनाओं में से एक को पूरा किया और जल स्तर की निगरानी की, केवल यह पता लगाने के लिए कि मात्र एक दिन... केवल 24 घंटे... में पास के एक कुएं का जल स्तर 11 इंच बढ़ गया था!''

लंबी दूरी से पानी लाने की इतनी मेहनत मशक्कत से महिलाओं को बचाने के लिए रोटेरियनों ने उनके घरों के दरवाजे तक पानी पहुँचा दिया। ''सौर ऊर्जा से चलने वाले पंप प्रदान किए गए ताकि पानी को गांव के करीब लाकर बड़ी टंकियों में संग्रहीत किया जा सके। इसके बाद इस पानी को फिल्टर किया जाता है और गांव के घरों में स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के लिए अनेक बिंदुओं पर वितरित किया जाता है,'' देशपांडे कहते हैं।

यह पहल महिलाओं और किशोरियों के लिए एक महान वरदान साबित हुई है; ''महिलाएं को अब खेतों में मदद करने या परिवार की आय में मदद करने का समय मिल जाता हैं। लड़कियां अब नियमित रूप से स्कूल जाती हैं और अपनी पढ़ाई पर ध्यान दे पाती हैं। इसके अलावा स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता के कारण ग्रामीणों के सामान्य स्वास्थ्य में काफी सुधार हुआ है,'' वह आगे कहते है।

अब अधिक पानी उपलब्ध होने के साथ ये छोटे किसान सब्जियों और फूलों की विविध किस्में

रोटरी क्लब ठाणे वेस्ट के सदस्य प्रसाद बोर्डे, हर्षद मेंगले और केदार विद्वांस मोखदा में पूर्ण हो चुके चेक डैम पर ओइकोस जल प्रबंधन के प्रतिनिधियों के साथ।

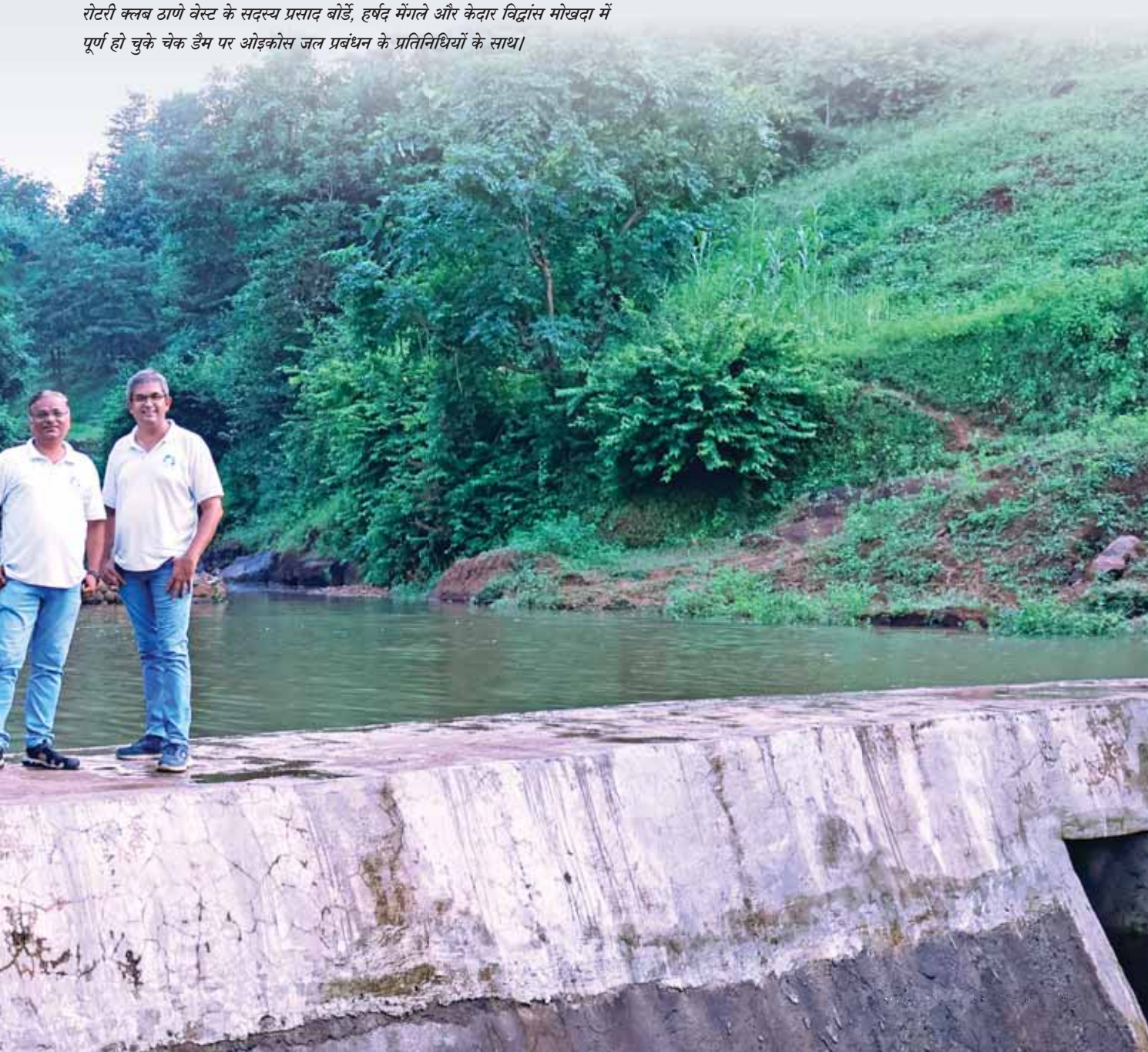

उगाने की योजना बना रहे हैं। और उनकी उपज को लगभग 200 किमी दूर मुंबई के बड़े थोक बाजार से जोड़ने की भी योजना है। शेषन बताते हैं कि एनजीओ प्रगति प्रतिष्ठान क्लबों की परियोजनाओं की प्रगति की निगरानी कर रहा है (ठाणे के तीन अन्य क्लब - रोटरी क्लब ठाणे लेकसिटी, ठाणे डाउनटाउन और ठाणे भी इस जल परियोजना में साझेदारी कर रहे हैं) और यह सुनिश्चित करते है कि छोटे-मोटे रखरखाव कार्य जैसे सौर पंपों, नलों या पाइपलाइन की मरम्मत समय पर की जाए। प्रत्येक गांव में इस रखरखाव के लिए एक निर्दिष्ट खाता है जिसमें ग्रामीणों द्वारा स्वयं धन एकत्रित किया जा रहा हैं और ग्राम पंचायतें भी इसमें शामिल हैं।

इस परियोजना में रोटरी के साथ साझेदारी करने वाले अन्य स्वैच्छिक संगठनों में ब्लॉसम चैरिटेबल ट्रस्ट, शबरी सेवा संघ और ग्रामसेवा प्रतिष्ठान शामिल हैं।

पिछले चार वर्षों के दौरान अमेरिकी मंडल और ठाणे के कुछ क्लबों के साथ इस साझेदारी के तहत दो रोधक बांध, 15 उप सतही बांध और जल वितरण प्रणालियों का निर्माण किया गया। इस कार्य से 33 गांवों के 2,099 परिवारों के 11,700 लोग लाभान्वित हुए हैं।

शेषन बताते हैं कि इस परियोजना के लिए अब तक चार अनुदान किए गए हैं; और 2019 से यह राशि बढ़ रही है... शुरुआत में 30,000 डॉलर से 2020-21 (जब वह क्लब अध्यक्ष थे) में 79,000 डॉलर और 82,500 डॉलर के दो अनुदान, 2021-22 में 92,000 डॉलर, 2022-23 में 99,250 डॉलर और अगला अनुदान जो अंतिम रूप देने के करीब है 122,000 डॉलर का होगा।

पानी पर ध्यान केंद्रण के साथ अगले अनुदान के लिए हम सामुदायिक और आर्थिक विकास को शामिल करने के लिए इस परियोजना के दायरे का विस्तार कर रहे हैं। वे कहते हैं कि इन परियोजनाओं में पानी उपलब्ध कराने के अलावा, साक्षरता और शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल एवं स्वच्छता और आजीविका बढ़ाने को भी शामिल किया गया है।

इसके बाद अनेक किसानों द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले छोटे प्लास्टिक पंपों को 5-7.5

ऊपर: श्रीराम शेषन, खानकारी, प्रगति प्रतिष्ठान के सीईओ वीरेंद्र चंपानेकर और क्लब के अध्यक्ष श्रीरंग देशपांडे एक गांव में एक उप सतह बांध का उद्घाटन करने के बाद ग्रामीणों के साथ।

एचपी क्षमता के सौर ऊर्जा संचालित पंपों के साथ बदलने की योजना है क्योंकि ये पर्यावरण के अनुकूल नहीं हैं। ये लगभग 25 खेतों को दिए जाएंगे और इन खेतों में ड्रिप सिंचाई का उपयोग किया जाएगा।

अक्टूबर 2023 में खनकरी दो गांवों में दो रोधक बांधों का उद्घाटन करने के लिए भारत आए जहाँ ग्रामीणों की दहलीज़ पर पानी उपलब्ध कराया गया जिससे महिलाओं को बड़ी राहत मिली। उन्होंने पिछले वर्षों में पूरे किए गए तीन उप सतही बांधों का भी दौरा किया। उन्होंने जवाहर तालुक के चेरिचापड़ा गांव और विक्रमगढ़ तालुक के कुंभीपाड़ा और निमानीपाड़ा में तीन दरवाजे-तक-जल प्रणाली का उद्घाटन किया।

खंकरी कहते हैं कि उनकी भारत यात्रा के एक हिस्से में कुछ आदिवासी गांवों का दौरा करना और ग्रामीणों से मिलकर यह पुष्टि करना शामिल था कि उन्हें हमारी परियोजनाओं से लाभ मिल रहा है। हमने एक आगामी परियोजना के लिए एक स्थल का भी दौरा किया। चार साल पहले उन्होंने रामवाड़ी गांव की अनेक महिलाओं से मुलाकात की जिसमें महिला सरपंच भी शामिल थीं, ताकि यह पुष्टि की जा सके कि उनके द्वार पर भी जल वितरण प्रणाली की आवश्यकता है।

''हम इस बार भी उसी महिला सरपंच से मिले। जब मैंने उनसे पूछा कि क्या वो इस परियोजना से खुश हैं, तो उनके चेहरे की खुशी देखने लायक थी। मैंने उनसे यह भी पूछा कि क्या अब वे लड़कियां स्कूल जा रही हैं जो अपने परिवारों के लिए पानी लाने में अपना बहुत समय बिताती थीं। उनका जवाब एक जोरदार हाँ में था और इससे मुझे बहुत खुशी मिली। इस तरह की बातचीत हम रोटेरियनों को अधिक ऊर्जा देती है और हम अधिक काम करने के लिए प्रोत्साहित होते है,'' उन्होंने *रोटरी न्यूज़* को बताया।

वह कहते हैं कि धन जुटाना चुनौतीपूर्ण रहा लेकिन अंतिम परिणाम संतोषजनक है। और अब तकनीक के माध्यम से दानकर्ता अपने योगदान से प्राप्त उपलब्धियों की दृश्य छवियों को देख सकते है जिससे उनका विश्वास मजबूत हो रहा है।

''लेकिन निश्चित रूप से एक वास्तविक यात्रा हमेशा अधिक विश्वसनीय होती है। मेरे मंडल के क्लब और सदस्य पिछले चार वर्षों में बहुत खुले और उदार रहे हैं और उनमें से कुछ ने पिछले साल मेरे साथ परियोजना स्थलों का दौरा किया। उनके साक्षात अनुभव ने इस उद्देश्य में काफी मदद की।''

वह वास्तव में खुश हैं कि मेजबान देश में विश्वसनीय और भरोसेमंद साझेदारों के लिए उनकी

पीडीजी कैलाश जेठानी (बीच में) और खानकारी (दाएं), रोटेरियनों के साथ, एक गांव में।

मोखाड़ा में ग्रामीणों से बातचीत करते खांकारी।

बोर्डे, देशपांडे, खानकारी, शेषन, विद्वांस और मेंगले मोखाडा में एक जल वितरण परियोजना का दौरा करते हुए।

खोज, हमेशा से अंतर्राष्ट्रीय साझेदारों के लिए एक चुनौती सफल हुई। ''मैं मंडल 3142 के क्लबों और उसके सदस्यों को खोजने में वास्तव में भाग्यशाली रहा हूं; श्रीराम शेषन जैसे वास्तव में समर्पित सदस्य। रोटरी क्लब थाना वेस्ट के माध्यम से हमने ठाणे, ठाणे अपटाउन, ठाणे डाउनटाउन और ठाणे प्रीमियम के रोटरी क्लबों के साथ भी संबंध स्थापित किए हैं।'' महामारी के दौरान भी उन्होंने एक वैश्विक अनुदान किया था जहाँ भूमिकाएं बदल गई थी - रो ई मंडल 3142 अंतर्राष्ट्रीय साझेदार था और रोटरी क्लब मेपल ग्रोव मेजबान क्लब था। इस वैश्विक अनुदान के अंतर्गत अमेरिका के मिनेसोटा में 400 से अधिक स्वास्थ्य क्लीनिकों को पीपीई दिए गए थे।

वह कहते हैं कि अब वह कुछ भारतीय रोटेरियनों को अपना व्यक्तिगत दोस्त मानते हैं। ''मुझे आश्चर्य है कि क्या रोटरी की स्थापना करते समय पॉल हैरिस के दिमाग में यही था! हमने मंडल 3142 के अन्य क्लबों के सहयोग से चार अतिरिक्त वैश्विक अनुदानों को सफलतापूर्वक पूरा किया है।''

एन कृष्णमूर्ति द्वारा रूपरेखा

रोटरी नेतृत्व में
साझेदारों का समर्थन

जयश्री

मंडल गवर्नरों के रूप में सेवारत रोटेरियनों के साझेदारों के रूप में आपके द्वारा की गई प्रतिबद्धता के लिए धन्यवाद। यह एक अद्भुत यात्रा है जिसे आप सभी शुरू कर रहे हैं। कभी-कभी यह एक थकाऊ लेकिन अंततः एक संतोषप्रद यात्रा होगी, रो ई अध्यक्ष गॉर्डन मेकिनली ने रोटरी जोन इंस्टीट्यूट में नवनिर्वाचित मंडल नेताओं के जीवनसाथियों से कहा।

उन्होंने कहा, हेतर लगभग ''40 वर्षों से मेरी अद्भुत साझेदार रही है जब से मैं रोटरी से जुड़ा हूँ और पिछले 18 महीनों के दौरान तो वो और भी विशेष रूप से उत्कृष्ट रही है जब से मैं अध्यक्ष-निर्वाचित और बाद में रो ई अध्यक्ष बना। यह उसके लिए हमेशा से आसान नहीं रहा और यह मुझे पता है। मैं उसके समर्थन की सराहना करता हूँ और इसके लिए बहुत आभारी हूँ।'' 9 फरवरी को मेकिनली के रोटरी में 40 साल पूरे हो जाएंगे। एक प्रथा अनुसार रो ई अध्यक्ष रोटरी में सेवा के मील के पत्थर को पूरा करने वाले रोटेरियनों को एक बधाई संदेश भेजते है। ''यह पहली बार होगा जब मैं खुद के लिए एक पत्र तैयार करूंगा और मुझे इसे अपने मेलबॉक्स में प्राप्त करके खुशी होगी,'' उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा।

एक सहायक साझेदार की भूमिका को स्वीकार करते हुए उन्होंने कहा, ''यह उनके साथ रहने, उन्हें प्रोत्साहित करने और उन्हें उचित सलाह देने के बारे में है ताकि वे अच्छे नेतृत्वकर्ता के रूप में चमक सकें।''

डीजीई और डीजीएन के जीवनसाथियों के लिए साझेदार-सत्र की अध्यक्षता विद्या सुब्रमण्यन ने की और रूपा हरियानी एवं सुजाता माधव चंद्रन ने संचालन किया। हेतर मेकिनली, माधवी पांड्या, वनाथी रवींद्रन और विनीता वेंकटेश ने सत्रों का नेतृत्व करने के साथ ही मजेदार खेलों और साझा अनुभवों के माध्यम से अपने संबंध मजबूत किए।

अपनी पत्नी विद्या को बधाई देते हुए संस्थान के संयोजक रो ई निदेशक राजू सुब्रमण्यन ने कहा, ''मैंने जो भी रिपोर्ट सुनी हैं, आपने अच्छा किया है और मुझे पता है कि आप हमेशा करेंगी।'' अपने काम के प्रति जुनूनी होने और उसका आनंद लेने पर जोर देते हुए उन्होंने उस वर्ष को याद किया जब विद्या उनके गृह क्लब की अध्यक्ष थी। ''मुझे विद्या ने एक महत्वपूर्ण पदाधिकारी बनने का आदेश दिया था और मैंने कर्तव्यपरायणता से हाँ कहा। हम जो कुछ भी करते हैं, उसे हमें पूरे जुनून के साथ करना चाहिए। तभी हम सफल हो सकते हैं। ऐसा कोई संगठन नहीं है जो हमारी सेवा और हमारे द्वारा स्पर्श किए जाने वाले जीवन के साथ हमारी बराबरी कर सके। हम एक अंतर्राष्ट्रीय संगठन का हिस्सा हैं और आप में से प्रत्येक अपने जीवनसाथी का समर्थन करने में एक बड़ी भूमिका निभाते हैं,'' उन्होंने कहा।

अंतर्राष्ट्रीय सभा में भाग लेने की आवश्यकता पर जोर देते हुए रो ई निदेशक ने कहा, ''भाषा कभी भी एक मुद्दा नहीं होना चाहिए। बोलने में शर्म महसूस न करें। हर किसी के पास एक अद्वितीय प्रतिभा है। आपका भाग न लेना आपके अंदर की प्रतिभा को बाहर आने से रोकेगा।''

यह देखते हुए कि साझेदारों का कार्यक्रम हर साल प्रगति कर रहा है, ''संस्थान के सह-संयोजक रो ई निदेशक अनिरुद्ध रॉयचौधरी ने कहा, यह उन साझेदारों के महत्व को दर्शाता है जो हर रोटेरियन के पंखों के नीचे की हवा हैं जिससे उन्हें उड़ने में मदद मिलती है। वे टीम को ऊर्जावान बनाते हैं।''

शिप्रा रायचौधरी ने जीवनसाथियों को कुछ महत्वपूर्ण सलाह दी। ''आपके मंडल की सेवा परियोजनाओं में आपकी साझेदारी अन्य रोटेरियनों को परियोजनाओं के लिए सेवाभाव और स्वयंसेवा की भावना के साथ शामिल होने के लिए प्रेरित करेगी। प्रथम महिला के रूप में अपनी भूमिका का आनंद लें; यदि आप जो करते हैं उससे आपको प्यार होगा तो यह एक काम नहीं लगेगा। दूसरे लोग क्या कहते हैं उसे सुनें। यह आपके संबंध निर्माण को मूल्यवान बना देगा। प्रतिक्रिया को प्रोत्साहित करें क्योंकि यह आपके साथी के नेतृत्व कौशल को बेहतर बनाने में मदद करता है।''

जब रॉयचौधरी डीजी थे तब प्रथम महिला के रूप में अपने अनुभवों को साझा करते हुए उन्होंने कहा, कि उन्होंने एक पारिवारिक कैलेंडर तैयार किया ताकि वे जन्मदिन, वर्षगाँठ आदि जैसे पारिवारिक अवसरों को न भूलें। उन्होंने याद किया कि कैसे वह उनके लिए समय निकालती थी, पारिवारिक कार्यक्रमों और उनके बच्चों के स्कूल के कार्यक्रमों में भाग लेती थी। वह रोटरी कार्यक्रमों में भी सक्रिय रूप से भाग लेती थी। ''इस तरह मैंने रोटरी के बारे में और अधिक जाना और मैं जहाँ भी जाती थी गर्व के साथ इसके अच्छे काम के बारे में बात करती थी। कभी-कभी मंडल के कुछ कार्यक्रमों में अपने विचार भी साझा करती थी,'' उन्होंने कहा।■

विद्या सुब्रमण्यन (दाएं बैठीं) और मिशेल (बाएं बैठीं), रो ई निदेशक जेरेमी हर्स्ट की पत्नी; रोटरी नेताओं की पत्नियों के साथ। दाईं ओर इवेंट मॉडरेटर रूपा हरियाणी भी चित्र में शामिल हैं।

Rotary PEOPLE OF ACTION

एक रोटरी मिठाई मिशन

राजेंद्र साबू

पिछले चार वर्षों से लगातार, भारतीय जवानों के लिए दिवाली की मिठाइयाँ भेजने के लिए रोटेरियन धन जुटा रहे है। विशेषकर, 2020 में महामारी की चुनौतियों के बीच, गुरु पूरब पर 2,000 किलो मिठाई भेजी गईं थी ।

कभी-कभी अचानक हुई मुलाकातें किसी बड़ी शुरुआत की वजह बन सकती हैं। यह मुलाकात ऐसी ही थी और रोटरी क्लब ऑफ चंडीगढ़, रो ई मंडल 3080 के प्रतिष्ठित उत्सव मिठाई मिशन का सूत्रपात हुआ। मेरी धर्म पत्नी उषा 2016 में दिल्ली-चंडीगढ़ शताब्दी एक्सप्रेस से राष्ट्रीय राजधानी जा रही थी जहाँ उनकी मुलाकात इस आकर्षक युवा सेना अधिकारी से हुई। जिसके चेहरे पर बड़ी सी मुस्कान खिली हुई थी, इस मिलनसार युवक की उषा से बातचीत होने लगी। उत्सुकतावश उन्होंने सेना के जवानों की तकलीफों और चुनौतियों के बारे में जानने की इच्छा जाहिर की।

उस अधिकारी ने रोजमर्रा की तकलीफों, कदम कदम पर पड़ने वाले संभावित खतरों और राष्ट्र की सुरक्षा के लिए जवानों और उनके परिवारों द्वारा किए गए बड़े बलिदानों के बारे में बताया किया। उन्हीं से उषा को सैन्य जीवन की अनियमितताओं और विसंगतियों के बारे में जानकारी मिली। उन्हें पता चला कि सियाचिन जैसी ऊंची चोटियों पर तैनात एक जवान को अपनी व्यक्तिगत जरूरतों के लिए केवल एक या दो बाल्टी पानी ही मिलता है, जो केरोसीन से बर्फ को पिघलाकर मिलता है। इसके अलावा, उन्हें अधिकांशतः निर्जलित किया हुआ डिब्बाबंद भोजन मिलता है जो हमारे ताज़ा और स्वादिष्ट दैनिक भोजन से बिलकुल अलग होता है।

पंजाब के राज्यपाल और चंडीगढ़ यूटी के प्रशासक बनवारीलाल पुरोहित (दाएं) के साथ बातचीत करते पीआरआईपी राजेंद्र साबू और उषा।

पीडीजी कमल बेदी (बैठी) के साथ उषा साबू। जगमोहन गर्ग, कमल शर्मा, पीडीजी जितेंद्र ढींगरा और रितु, ए पी सिंह, नीरू मल्होत्रा, पीडीजी गण प्रवीण गोयल और योगिंदर दीवान और हरजीत सिंह भी चित्र में शामिल हैं।

बस इसी मुलाकात से उषा के मन में मिठाई मिशन का बीज अंकुरित हो गया। क्योंकि दिवाली नजदीक आ रही थी, अपनी कृतज्ञता और आभार जताने के लिए, हमने सैनिकों को ममिठाईफ के डिब्बे भेजने का निर्णय किया।

सबसे पहले, रोटरी क्लब ऑफ चंडीगढ़ ने दिवाली पर लेह/सियाचिन जैसे क्षेत्रों में तैनात भारतीय सैनिकों के लिए ध्यानपूर्वक चयनित मिठाइयों के 4,500 डिब्बे भेजे, जहां साहसी जवान चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों का सामना करते हैं। एक प्रसिद्ध दुकान से खरीदी गई, खराब न होने वाली मिठाइयों के डिब्बों को रोटरी हाउस से सेना के ट्रकों पर भेजा गया था। 2,000 बक्सों की पहली खेप हवाई मार्ग से भेजी गई, इस मिशन को सांसद किरण खेर ने हरी झंडी दिखाई थी।

हर डिब्बे में एक हृदयस्पर्शी संदेश लिखा था, *आप हैं तो हम हैं,* कृतज्ञता और एकता के प्रतीक में। सैनिकों से हमें जो प्रतिक्रिया मिली वह उतनी ही मार्मिक और हृदयस्पर्शी थी: ''हम आपके लिए हैं,'' उन्होंने जवाब दिया।

तब से, यह सहानुभूतिशील प्रयास काफी आगे बढ़ गया है और इस की वजह से रोटरी क्लब ऑफ चंडीगढ़ को जून 2017 में सर्वश्रेष्ठ प्रोजेक्ट का पुरस्कार मिला था। उषा का नजरिया बिलकुल सीधा, सरल है लेकिन दिल के करीब है - उन लोगों के प्रति अपना आभार जताना जो हमारी सुरक्षा में अपना सर्वस्व न्यौछावर कर देते हैं। जैसे-जैसे दिवाली नजदीक आती है, केवल त्योहार मनाने पर ही ध्यान नहीं रहता बल्कि उन सैनिकों की प्रशंसा और आभार व्यक्त करने पर भी रहता है, जो ये त्यौहार अपने परिवारों से दूर बिताते हैं।

जून 2017 में, रोटरी क्लब चंडीगढ़ को दिवाली स्वीट्स प्रोजेक्ट के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रोजेक्ट का पुरस्कार मिला था। उषा ने प्रकाश डाला, ''वे हमारे लिए अपनी जान कुर्बान कर देते हैं; हमें कम से कम दिवाली पर तो उनका आभार व्यक्त करना चाहिए।''

2017 में इस प्रशंसनीय प्रयास ने राष्ट्र का ध्यान अपनी तरफ खींचा था जब प्रसिद्ध अभिनेता अमिताभ बच्चन ने अपने कार्यक्रम *कौन बनेगा करोड़पति* में अपने परिवारों से हज़ारों मील दूर बैठे सैनिकों के साथ दिवाली का त्यौहार मनाने के लिए रोटेरियनों को धन्यवाद दिया था।

2018 में, मंडल 3080 से, चंडीगढ़, पंजाब, हरियाणा, हिमाचल, यूपी और उत्तराखंड के सैनिकों के लिए 5,000 डिब्बे भेजे गए थे। 3,000 डिब्बों को तत्कालीन राज्यपाल वीपी सिंह बदनौर ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया था। हमारे रोटरी क्लब ने इस खेप में 1,700 से अधिक डिब्बे उपलब्ध करवा के महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

निरंतर चार वर्षों से, रोटेरियनों ने भारतीय जवानों के लिए दिवाली पर मिठाइयाँ भेजने के लिए धन जुटाया है। विशेष रूप से, 2020 में महामारी की चुनौतियों के बीच गुरुपर्व के दौरान 2,000 किलोग्राम मिठाइयाँ भेजी गईं।

2021 में चंडीगढ़ से बाहर के रोटेरियनों की भी जबरदस्त भागीदारी देखी गई, जिन्होंने मिठाइयों के 6,000 डिब्बे भेजे थे। पंजाब के राज्यपाल बनवारीलाल पुरोहित ने पंजाब के राजभवन से ट्रकों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

आगे, हमारा क्लब समुद्र में किए गए बलिदानों को मान्यता देते हुए, कोच्चि, विशाखापत्तनम और पोरबंदर में नौसैनिक अड्डों तक अपने दयालु प्रयास बढ़ाने की योजना बना रहा है। रोटेरियन, चाहे वे किसी भी धर्म के हों, विभिन्न त्योहारों के दौरान हमारे सशस्त्र बलों का सहयोग करने के लिए हमेशा एकजुट हो के तैयार रहते हैं।

ये गतिविधियाँ शाश्वत मूल्यों और अटूट अखंडता का प्रतीक हैं, जो सशस्त्र बलों और उनके परिवारों के लिए हमारी गहरी प्रशंसा की अभिव्यक्ति हैं।

लेखक रोटरी इंटरनेशनल के पूर्व अध्यक्ष हैं।

- यह लेख पहली बार
द इंडियन एक्सप्रेस में छापा गया था।

रोक पाना मुश्किल हैं

डायना शोबर्ग

निर्वाचित अध्यक्ष स्टेफ़नी अर्चिक की नज़र में
'रोटरी एक्शन प्लान' सुनहरे भविष्य की कुंजी है

चन रोटरी सेंटर में अक्टूबर का महीना उतार पर है, शरद ऋतु के वो दिन जब गर्मी का एहसास होता है, शिकागो-क्षेत्र के मौसम में अचानक होने वाले परिवर्तन से ठीक पहले उष्णता का अंतिम झोंका। एक हफ्ते से भी कम समय में, हेलोवीन पर, हर तरफ लगभग एक इंच मोटी बर्फ की परत बिछ जाएगी। सौभाग्य से, रोटरी अध्यक्ष-मनोनीत स्टेफ़नी अर्चिक परिवर्तन से घबराने वालों में से नहीं हैं। इसके बजाय, वह इसे स्वीकार कर आत्मसात कर लेती हैं। रोटरी मुख्यालय में उनके कार्यालय में रखी बुकशेल्फ़ पर रखी क्लब निर्देशिकाओं और बैनरों, स्मारक प्लेटों और पट्टिकाओं के बीच, एक लकड़ी की तख्ती रखी है जिस पर लिखा है, ''पतझड़ इस बात का प्रमाण है कि परिवर्तन सुंदर होता है।''

अर्चिक कहती हैं, ''इसी वजह से मुझे तितलियाँ पसंद हैं। वे छोटे कोकून में पनपती हैं लेकिन बाहर से वैसी नहीं दिखती, फिर अचानक से कोकून फूट कर एक सुंदर प्राणी में परिवर्तित हो जाते हैं।''

अर्चिक, जो इस दिन अपनी काली जैकेट पर एक्शन प्लान का एक पिन लगाए हुए हैं, रोटरी क्लबों के लिए एक मार्गदर्शक के रूप में रोटरी योजना की समर्थक कुछ इसी तरह के रूपांतरण की आशा कर रही है। ''मैं क्लबों को उनकी संस्कृति बदलने के उन तरीकों को खोजने में सहायता करना चाहती हूं ताकि वे अनिवार्य या अप्रतिरोधात्मक बन जाएं।फ़फ़ वे कहती हैं, यदि आप हमारी वैश्विक सदस्य संख्या पर नज़र डालें तो पाएंगे कि हर साल लगभग 150,000 लोग रोटरी सदस्य तो बनते हैं लेकिन 160,000 लोग छोड़ कर भी चले जाते हैं। इससे यह साबित होता है कि कुछ सदस्यों को अपने क्लब के अनुभव में कोई महत्त्व या औचत्य नहीं दिख रहा है। वास्तव में वे रोटरी नहीं छोड़ रहे हैं; वे एक रोटरी क्लब को त्याग रहे हैं। हमें क्लबों द्वारा जांच पड़ताल करवाने की आवश्यकता है कि ऐसा क्यों हो रहा है।''

रोटरी क्लब मैकमरे, पेंसिल्वेनिया की सदस्य, अर्चिक 1991 में रोटरी में सम्मिलित हुईं और शीघ्र ही टीआरएफ के कार्य के प्रति आकर्षित हो गईं। एक नए सदस्य के रूप में, उन्होंने पोलियो उन्मूलन के लिए रोटरी द्वारा किये गए काम के बारे में सुना और इसमें रूचि लेने लगीं। वह अपने क्लब और फिर अपने मण्डल की फाउंडेशन अध्यक्ष बनीं। बाद में, जोन स्तर पर, उन्होंने आरआरएफसी के रूप में फंड वृद्धि पर ध्यान केंद्रित किया, और 2012-14 में वह रोटरी फाउंडेशन की ट्रस्टी रह चुकी हैं। वह कहती हैं, ''रोटरी क्लब बहुत सारे महान कार्य करते हैं और अधिकांशतः इसका कारण है कि उन्होंने वो यह कार्य फाउंडेशन के माध्यम से करते हैं।''

अर्चिक ने रोटरी पत्रिका की वरिष्ठ स्टाफ लेखिका डायना शोबर्ग के साथ हुई चर्चा में अपने अतीत और रोटरी के भविष्य के बारे में अपने विचार रखे।

आप रोटरी अध्यक्ष के रूप में कार्य करने वाली दूसरी महिला होंगी। क्या हमें यह भेद अब भी करना चाहिए?

मेरे ख़याल से, नहीं। यह उस समय विशेष पर सर्वश्रेष्ठ नेता होने के सम्बन्ध में है। हालाँकि, मैं यह भी मानती हूँ कि लोग, विशेषकर महिलाएँ, रोटरी अध्यक्ष के पद की ओर प्रशंसा से देखेंगी और वहां किसी महिला को बैठा देख कहेंगे, ''अरे, अगर यह बन सकती है तो शायद मैं भी बन सकती हूँ।''

मैं भी उन कुछ रोटरी अध्यक्षों में से एक हूँ जो इस पद पर रहते हुए

रो ई निर्वाचित अध्यक्ष स्टेफनी अर्चिक।

सिंगल हैं। कई लोग मेरे पास आते हैं और कहते हैं, ''मैं भी अकेला हूं, और यह बहुत बढ़िया बात है कि आप इस पद पर हैं।'' मेरे लिए, जीवनसाथी का होना इस भूमिका के लिए अपेक्षित योग्यता का मापदंड नहीं है। लेकिन फिर भी, लोगों के लिए इस पद पर किसी ऐसे व्यक्ति को देखना बहुत महत्त्व रखता है जो उनके जैसा ही दिखता है या जिसकी परिस्थिति उन जैसी ही है।

यह भी एक तरह से विविधता के तत्व की तरह है। क्या आपको लगता है कि पिछले कुछ वर्षों में रोटरी में विविधता के प्रति दृष्टिकोण में परिवर्तन आया है?

विविधता हमेशा से हमारे बुनियादी मूल्यों में एक रही है। लेकिन मुझे लगता है कि विविधता को मापने का हमारा तरीका बदल गया है। 40 साल पहले, जब हम पूर्ण-पुरुष संस्था हुआ करते थे, तब की तुलना में आज ये कहीं अधिक प्रासंगिक है। उदाहरण के लिए, अब हम लोगों से कहते हैं कि अपने समाज को देखें और यह देखें कि क्या उनका रोटरी क्लब उस समाज को प्रतिबिंबित करता है। इसका मतलब हर तरह की चीज से हैं। यह उम्र हो सकती है; यह लिंग हो सकता है; यह धर्म या राजनीतिक संबद्धता हो सकती है। इसमें एक अलग दृष्टिकोण, यह तथ्य कि लोग अलग विचारधारा के हैं जैसी चीजें शामिल की जा सकती हैं। यदि आपका क्लब समाज का दर्पण है, तो भविष्य पर आपका नियंत्रण है। और यदि ऐसा नहीं है, तो आपके पास ऐसा करने का अच्छा अवसर है।

रोटरी में महिला सदस्य बनने की अनुमति मिलने के कुछ समय बाद ही 1991 में आप रोटरी की सदस्य बन गईं। आप इसमें क्यों शामिल हुई और क्यों बनी रहीं?

खैर, हाल ही में मेरा तलाक हुआ है। और जब आप विवाहित होते हैं, तो आप बहुत से काम साथ में करते हैं। डिनर के लिए आप साथ में बाहर जाते हैं, एक साथ छुट्टियों पर जाते हैं, इत्यादि। अचानक से मेरे पास वो नहीं रहा। रोटरी के संस्थापक पॉल हैरिस की तरह, मैं भी नए लोगों से मिलने के तरीके ढूंढ रही थी। मेरे कार्यालय में एक महिला आई और उसने मुझसे रोटरी क्लब की बैठक में चलने के लिए पूछा। मैं रोटरी के बारे में अनभिज्ञ थी लेकिन जब उसने सेवा और अंतर्राष्ट्रीयता के बारे में बात की, मेरी रूचि बढ़ गई। तो मैं वहां गई और इसमें शामिल भी हो गई।

मूलत: मेरे लिए, यह मेलजोल बढ़ाने के सम्बन्ध में था। मैं नए - नए लोगों से मिलना चाहती थी और मैंने यही किया; मैं हर तरह के लोगों से मिली और सेवा कार्यों में तुरंत शामिल हो गई। चौथी बैठक तक, मैं क्लब का न्यूज़लेटर बना रही थी, इसलिए मैं पहले से ही क्लब सेवा कर रही थी। वह क्लब रोटरी यूथ एक्सचेंज और ग्रुप स्टडी एक्सचेंज और रोटरी फाउंडेशन अनुदान में सक्रिय था। यह सब मेरे लिए आश्चर्यजनक था। इसलिए अधिकांश लोगों की तरह, जिसने मुझे रोटरी से जोड़े रखा, वो सेवा थी।

आप रोटरी की अध्यक्ष क्यों बनना चाहती थी - और क्या है जो आपको इस समय संगठन के लिए उपयुक्त नेता बनाती है?

रोटरी का अध्यक्ष बनना वास्तव में मेरा उद्देश्य, या मेरे रडार की स्क्रीन पर कभी नहीं रहा। विगत 30 वर्षों से से भी अधिक समय तक सदस्य रहते हुए, विभिन्न तरीकों से मैंने रोटरी की सेवा की है। एक विशेष अवसर जिसने मेरी सोच को आकार दिया वह रणनीतिक योजना समिति (स्ट्रेटेजिक प्लानिंग कमिटी) की अध्यक्षता करना था। हम संगठन की ताकत और कमजोरियों को देखने के साथ रोटरी और गैर-रोटरी दुनिया के लोगों तक पहुंचे और उनके विचारों से जाना कि हम एक समृद्ध भविष्य की ओर किस प्रकार बढ़ सकते हैं।

रोटरी की मीटिंग का स्वरुप कई दशकों से एक जैसा है। हम महीने में चार बार मिलते थे; हमने घंटी बजाई; सदस्यों की उपस्थिति दर्ज की। दुनिया बदल गई, लेकिन हम नहीं बदले। हमें आगे बढ़ने की ज़रूरत थी! आज हमारे पास ई-क्लब और पासपोर्ट क्लब और सैटेलाइट क्लब और कॉर्पोरेट क्लब हैं, लोगों के लिए रोटरी में प्रवेश करने और सेवा करने के अलग-अलग कई अवसर उपलब्ध हैं।

मैंने उन सब पर विचार करना शुरू किया और मुझे एहसास हुआ कि हम एक समृद्ध भविष्य की ओर अग्रसर होने के लिए तैयार हैं। वास्तव में

मेरा मानना है कि यदि रोटरी मंडल और क्लब एक्शन प्लान का उपयोग करते हैं, तो हम निश्चय ही प्रगति कर सकते हैं। यह एक ऐसा भविष्य है जहां सेवा और फ़ेलोशिप में कई और रोटरी सदस्य शामिल होंगे।

इसी बात ने मुझे अपना नाम आगे भेजने के लिए प्रेरित किया। सच

में, मेरा मानना है कि यदि रोटरी मंडल और क्लब एक्शन प्लान का उपयोग करते हैं, तो हम निश्चय ही प्रगति कर सकते हैं। यह एक ऐसा भविष्य है जहां सेवा और फ़ेलोशिप में कई और रोटरी सदस्य शामिल होंगे।

अध्यक्ष के रूप में आप अपने पूर्व व्यावसायिक जीवन के किन गुणों और कौशल को वरीयता देंगी?

मेरी पृष्ठभूमि में तीन अलग-अलग क्षेत्र है। कॉलेज में और उसके बाद कुछ वर्षों तक मैंने एक बैंड के साथ गाया। मुझे मंच पर आने और लोगों को प्रेरित करने, उन्हें नृत्य कराने और उनके मनोरंजन का अनुभव था। यह सरल लग सकता है, लेकिन इसने मेरे भीतर कौशल विकसित किया है। मेरा दूसरा करियर उच्च शिक्षा में था। मैंने कॉलेज और विश्वविद्यालय में काम किया। उस वक्त, अधिकांश समय, मैं छात्रों को करियर और नौकरियां ढूंढने में मदद कर रही थी । यह संतुष्टिदायक और आंखें खोलने वाला दोनों था। मेरा तीसरा करियर मेरी परामर्श और व्यवसाय विकास फर्म में एक स्व-रोज़गार व्यक्ति थी । मैंने थोड़ा सा प्रशिक्षण लिया और बहुत सारा व्यापार किया। मुझे नहीं लगता कि मेरा ऐसा कोई कौशल है जिसे हम छोड़ सकते हैं। सम्मिलित रूप से वे सभी आपके व्यक्तित्व का हिस्सा बन जाते हैं।

आपके बैंड का नाम क्या था?

हार्मोनियर्स।

जब आप किसी कार्यक्रम में मंच पर पहुंचेंगी तो क्या कोई हार्मोनियर्स संगीत बज रहा होगा?

नहीं, मुझे नहीं लगता। मुझे आशा है कि वे रॉबर्ट पामर की ''सिंपली इरेज़िस्टेबल'' बजायेंगे।

आपने पहले उस वाक्यांश का उपयोग किया था: सिंपली इरेज़िस्टेबल क्या इसका कोई महत्व है?

यही चाहती हूं कि रोटरी ऐसी संस्था बने जिसमें शामिल होने के लिए अपने आप को रोक पाना मुश्किल हो, सिंपली इरेज़िस्टेबल। मैं आशान्वित हूँ कि रोटरी और रोटरैक्ट क्लब समाज के उन सदस्यों के लिए अप्रतिरोध्य होंगे जिनके पास सेवा और मित्रता का जज़्बा है, वो इसे नज़र अंदाज़ नहीं कर सकते। एक्शन प्लान का उपयोग यह आकलन करने के लिए करेंगे कि वे कहां खड़े हैं और पता लगाएंगे कि उन्हें कहां पहुंचना है। आशा है, इसके फलस्वरूप ऐसे क्लब बनेंगे जो अधिक आकर्षक होंगे और अधिक लोगों को अपने साथ जोड़े रखेंगे।

हर क्लब पृथक है। ऐसी पाककला की कोई किताब नहीं है जिसे हम क्लबों को दे सकें और कहें, ''यह करो और तुम ठीक रहोगे।'' प्रत्येक क्लब अपनी संस्कृति विकसित करता है। हर देश में रोटरी

मेरी थीम *द मैजिक ऑफ़ रोटरी* (रोटरी का जादू) है। लोग इसके आगे अपनी इच्छानुसार क्रिया का कोई भी शब्द जोड़ सकते हैं। जैसे रोटरी के जादू पर यकीन करें। रोटरी का जादू फैलाएं, रोटरी के जादू के साथ आगे बढ़ें।

अलग-अलग तरीके से की जाती है। एक मंडल में ही आप कई रोटरी क्लब देखेंगे जो एक दूसरे से भिन्न हैं, बिकुल अलग हैं। हमें आवश्यकता है प्रत्येक क्लब द्वारा एक पल ठहर के, मूल्यांकन करने की और एक्शन प्लान की चार प्राथमिकताओं पर ध्यान देने की। फिर उन्हें स्वयं से पूछना चाहिए, ऐसा क्या है जिसे हम थोड़ा अलग ढंग से कर सकते हैं या क्या हम पहले से ही इस या उस श्रेणी में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर रहे हैं? यदि आप पहले से ही अप्रतिरोध्य हैं, तो वैसे ही बने रहें। लेकिन हमें लोगों को अपने मौजूदा क्लबों की ओर आकर्षित करना होगा और नए क्लब शुरू करने होंगे। भविष्य में रोटरी के विकास का यही तरीका है।

आपका थीम क्या है और आपने इसका विचार कैसे आया ?

यह तो *द मैजिक ऑफ़ रोटरी* (रोटरी का जादू) है। लोग इसके आगे अपनी इच्छानुसार क्रिया का कोई भी शब्द जोड़ सकते हैं। जैसे रोटरी के जादू पर यकीन करें। रोटरी का जादू फैलाएं, रोटरी के जादू के साथ आगे बढ़ें। रोटरी के जादू का उत्सव मनाएं। ऐसे कई तरह के शब्द हैं जिनका हम उपयोग कर सकते हैं।

यह मेरी डोमिनिकन गणराज्य की यात्रा के दौरान मिला। हम एक घर में पानी का फिल्टर लगाने में सहायता कर रहे थे, जहां एक दादी, एक मां और तीन छोटे लड़के रहते थे। हमने पानी के फिल्टर को संकलित किया और फिर उसमें धूलयुक्त पानी डाला ताकि परिवार देख सके कि साफ पानी कैसे निकलता है। महिलाओं ने फ़िल्टर का उपयोग करना सीख लिया, हम निकलने के लिए तैयार ही थे जब उन बच्चों में से एक ने मेरी आस्तीन खींची और बोला, ''मुझे फिर से वो जादू दिखाओ।'' बस ये मेरे दिमाग में उतर गया और मैंने सोचा: यह जादू है। हम उनके जीवन में परिवर्तन लाने में सहायता कर रहे हैं।

अध्यक्ष के रूप में आपकी प्राथमिकताएँ क्या होंगी और आपने उनका चयन कैसे किया ?

सदस्यता में वृद्धि के लिए एक्शन प्लान को आगे बढ़ाना मेरी वरीयता सूची में सबसे पहले है। मुझे यह संगठन बहुत पसंद है, बिल्कुल रोटरी के हर सदस्य की तरह, जिनसे मैं मिलती हूँ। मैं चाहती हूं कि रोटरी का भविष्य उज्ज्वल हो।

मेरी दूसरी प्राथमिकता, ङ्गसकारात्मक शांतिफ के माध्यम से विभाजित दुनिया का उपचार करना है। इसमें शामिल होने के कई तरीके हैं। यदि हर कोई फोर-वे टेस्ट को केवल पढ़ने की अपेक्षा उसे जियेगा तो हमारे पास एक अधिक शांतिमय दुनिया होगी। मुझे उम्मीद है कि क्लब फोर-वे टेस्ट के इर्द-गिर्द ही रहेंगे और इसका उपयोग रचनात्मक तरीकों से करेंगे। और एक है शांति स्तंभ परियोजना : क्लब अपने स्थानीय पार्क, टाउन स्क्वायर, या कॉलेज परिसर में शांति स्तंभ स्थापित कर सकते हैं। स्तंभ पर शांति का संदेश समाज के लिए एक स्पष्ट संकेत है कि रोटरी एक शांति स्थापना संगठन है। इसके अतिरिक्त, रोटरी के पास एक 'पॉजिटिव पीस अकादमी' है, एक ऑनलाइन गतिविधि। कोई भी रोटरी सदस्य या गैर-रोटरी सदस्य कभी भी किसी भी समय इसमें भाग ले सकता है। और हमारे 'रोटरी पीस सेंटर' जीवन बदलने में शक्तिशाली सक्रिय कारक हैं। हम मध्य पूर्व में, इस्तांबुल में एक नया शांति केंद्र (पीस सेण्टरफ) खोलने जा रहे हैं। फरवरी 2025 में, उस स्थान पर हम एक शांति सम्मेलन आयोजित करेंगे।

मेरी अंतिम प्राथमिकता होगी निरंतरता। इसके दो मतलब हैं: नेतृत्व के पद पर रहते हुए हम सभी अपने पूर्ववर्तियों के साथ और जो हमारे बाद इन पदों पर आएंगे उनके साथ मिल कर काम कर रहे हैं। इसका मतलब उन चीजों पर ध्यान देना भी है जिनकी वजह से क्लब एकजुट हैं और उन्होंने अपनी जड़ें जमा रखी हैं। सिर्फ एक अध्यक्ष के कार्यालय पूरा होने पर पद छोड़ने का मतलब यह बिलकुल नहीं है कि आपको एक सफल कार्यक्रम को रोक देना चाहिए। यदि क्लेम रेनॉफ़ या जेम्स बोमर के अध्यक्ष पद पर नहीं रहने के बाद रोटरी ने पोलियो उन्मूलन के अपने प्रयासों को त्याग दिया होता तो क्या होता?

आपके पसंदीदा मंत्रों में से एक है ''हाँ के दूसरी तरफ ज़िन्दगी ज्यादा मजेदार है।'' क्या आप उस बारे में प्रकाश डालेंगी?

आमतौर पर मैं लोगों से यही कहती हूं: हां कहो, और फिर देखो। अरे, क्या आप न्यूज़लेटर संपादक बनना चाहते हैं? हाँ। अरे, क्या आप अध्यक्ष बनना चाहते हैं? हाँ। क्या आप यह करना चाहते हैं? हाँ। मैं ना का प्रयोग तभी करती हूँ जब यह समस्या शब्द के बाद जोड़ना होता है। कोई समस्या नहीं। ज़िंदगी आपको बहुत सारे मौके देती है । बस उन को हाँ कहो। आपको अपने आप पता लग जाएगा कि आगे क्या करना है।

चित्र: लुसी हेवेट
©Rotary

The **ROTARY ACTION PLAN**

Is your club looking for new ways to connect with your community?
The Action Plan can help.

Learn about expanding your club's reach:
rotary.org/actionplan

रोटरी का जादू
रोटरी थीम 2024-25

एटेल्का लेहोक्ज़की

रोटरी अंतर्राष्ट्रीय की निर्वाचित अध्यक्ष स्टेफनी अर्चिक ने घोषणा की कि 2024-25 की अध्यक्षीय थीम *रोटरी का जादू* है और उन्होंने सदस्यों से लोगों के जीवन को बचाने के लिए संगठन की शक्ति को पहचानकर उसे आगे ले जाने का आह्वान किया।

अर्चिक ने 8 जनवरी को रोटरी अंतर्राष्ट्रीय सभा में नवनिर्वाचित मंडल गवर्नरों से कहा, ''मुझे गलत न समझें - मगर हम एक डंडा घुमाकर या कुछ मजाकिया शब्द बोलकर न ही पोलियो को खत्म कर सकते है और ना ही दुनिया में शांति ला सकते हैं। यह आप पर निर्भर है। आप हर परियोजना के पूरा होने, दान किए गए प्रत्येक डॉलर और हर नए सदस्य के साथ एक जादू कर सकते हैं।''

अमेरिका के पेन्सिलवेनिया स्थित रोटरी क्लब मैकमुरे की एक सदस्य अर्चिक ने कहा कि जब वह डोमिनिकन गणराज्य में पानी के फिल्टर लगाने में मदद कर रही थीं तो उन्होंने रोटरी का जादू देखा। दो लड़के देख रहे थे कि कैसे गंदा पानी फिल्टर में जाता है और दूसरी ओर से साफ पानी बाहर आता है।

''उनमें से एक लड़के ने मेरी आस्तीन पकड़कर कहा, 'मुझे फिर से जादू दिखाओ।' बेशक पानी का फिल्टर जादू नहीं था। हमने उन फिल्टरों को लाने-ले जाने, उन्हें स्थापित करने और उनके रखरखाव हेतु उस क्षेत्र के सामुदायिक नेताओं के साथ काम करने के लिए कड़ी मेहनत की। लेकिन उन लड़कों को लगता था कि साफ पानी तक आसान पहुंच उनके जीवन को बदल देगी। बेशक मेरा जीवन इस एहसास से बदल गया कि मैंने इसमें एक छोटी सी भूमिका निभाई।''

शांति को प्राथमिकता

अर्चिक ने सदस्यों से रोटरी की कार्य योजना का समर्थन करने, निरंतरता और परिवर्तन के बीच संतुलन स्थापित करने और शांति के लिए काम करने का आग्रह किया। वह 2025 में एक विभाजित दुनिया में उपचार विषय के साथ एक अध्यक्षीय शांति सम्मेलन की मेजबानी करने की योजना बना रही है।

अर्चिक ने कहा कि रोटरी का शांति केंद्रों के अपने तंत्र के माध्यम से शांति को बढ़ावा देने का अपना एक लंबा इतिहास है। दुनिया भर के शीर्ष विश्वविद्यालयों में स्थित इन केंद्रों ने लगभग 1,800 शांति निर्माताओं को प्रशिक्षित किया है जो अब 140 से अधिक देशों में कार्यरत हैं। इस्तांबुल, तुर्की के बहसेहिर विश्वविद्यालय में स्थित नवीनतम केंद्र, 2025 की शुरुआत में अपने पहले वर्ग के अध्येताओं का स्वागत करेगा।

रोटरी शांति निर्माता पहल 20 साल पहले शुरू हुई थी ताकि दुनिया भर के समुदायों से शांति और विकास पेशेवरों को संघर्षों को समाप्त करने और उसे

रो ई निर्वाचित अध्यक्ष स्टेफ़नी अर्चिक, ऑरलैंडो, फ्लोरिडा में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय असेंबली में 2024-25 रोटरी थीम की घोषणा करती हुइ।

रोकने हेतु प्रभावी उत्प्रेरक बनाया जा सके, अर्चिक ने कहा। यह सम्मेलन रोटरी के शांति प्रयासों पर ध्यान केंद्रित करेगा और एक साथ सीखने के अवसर प्रदान करेगा।

''शांति स्थापना पर जोर देने के साथ ही अर्चिक ने पोलियो उन्मूलन के लिए रोटरी की प्रतिबद्धता को दोहराया। उन्होंने नवनिर्वाचित गवर्नरों से आग्रह किया कि वे अपने मंडलों में पोलियो प्लस सोसाइटियों से जुड़े या उनकी शुरूआत करें और इस बीमारी को समाप्त करने में मदद करने के लिए उनसे जो हो सके वे सब कुछ करें।''

निर्वाचित अधिकारियों और अन्य सरकारी नेताओं से संपर्क करें। उन्हें याद दिलाएं कि पोलियो अभी भी एक खतरा है। उन्हें पोलियो उन्मूलन का समर्थन करने के लिए प्रेरित करें, उन्होंने कहा। ''पोलियो हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसे हमारी पूर्ण प्रतिबद्धता की आवश्यकता है लेकिन अभी बहुत महत्वपूर्ण काम करना बाकी है।''

निरंतरता और परिवर्तन का संतुलन

अर्चिक ने निरंतरता और परिवर्तन को संतुलित करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया क्योंकि ये दोनों रोटरी की कार्य योजना में जान डालते हैं।

''योजना हमारे सर्वोत्तम विचारों पर आधारित होने के बारे में है न कि उन्हें छोड़ने के बारे में, उन्होंने कहा। हम एक कठिन संतुलन कार्य का सामना करते हैं। हमें खुद को बदलना चाहिए और हम जो हैं उसके प्रति ईमानदार रहना चाहिए।''

उन्होंने गवर्नरों से कहा कि ''क्लब के अनुभव को सदस्यों के लिए अनूठा बनाने हेतु जो कुछ भी आवश्यक है, वह करें।''

इसका अर्थ यह हो सकता है कि ''आपके मंडल में चीजों को करने के ढंग को बदलना,'' उन्होंने कहा। ''यदि आपका मंडल 50 वर्षों से चीजों को एक ही ढंग से कर रहा है तो शायद यह पुनर्मूल्यांकन करने का समय है। यदि आपके मंडल का कोई क्लब सक्रिय नहीं है या सदस्यों को खो रहा है तो शायद यह एक नया क्लब शुरू करने का समय है जो समुदाय के साथ बेहतर तरीके से फिट बैठ सके। सिर्फ इसलिए कि एक क्लब या मंडल कुछ समय से नहीं बदला है तो इसका मतलब यह नहीं है कि कोई भी बदलाव नहीं चाहता।''

उन्होंने कहा कि सकारात्मक बदलाव लाने का एक तरीका क्लबों के भीतर विविधता, समानता और समावेश के सिद्धांतों को अपनाना है।

''मुझे उम्मीद है कि आप भावी कार्यकारी लोगों का अपनी बाहें फैलाकर स्वागत करने में मेरा साथ देंगे, भले ही कुछ मामलों में, खासकर तब जब वे आपके स्थानीय क्लब के विशिष्ट सदस्य की तरह नहीं दिखते हो या उनकी तरह कार्य न करते हो,'' उन्होंने कहा। ''डीईआई के साथ एक सामान्य उद्देश्य हेतु एकजुट होना आसान है। यह उस वक्त है जब हम प्रतिबद्ध और केंद्रित हैं कि हम सबसे प्रभावी और प्रासंगिक हैं।''

©Rotary.org

रो ई दक्षिण एशिया कार्यालय से

क्लब या क्लब के सदस्यों की ओर से ऑनलाइन दान करें

अध्यक्ष, फाउंडेशन अध्यक्ष, सदस्यता अध्यक्ष, कार्यकारी सचिव/निदेशक, सचिव और कोषाध्यक्ष सहित क्लब के अधिकारी क्रेडिट/डेबिट कार्ड या नेट बैंकिंग का उपयोग करके अपने माय रोटरी खाते के माध्यम से क्लब के सदस्यों की ओर से ऑनलाइन योगदान कर सकते हैं। योगदान का श्रेय व्यक्तिगत सदस्यों को दिया जाता है लेकिन 80जी रसीद प्रेषक के रूप में क्लब के नेता के नाम पर जारी की जाती है। अधिक जानकारी के लिए देखें: *http://www.highroadsolution.com/file_uploader2/files/give_online_on_behalf_of_club_or_club_members_sao.pdf*

प्रमुख दाता मान्यता

केवल व्यक्तिगत या अपने जीवनसाथी के योगदान के माध्यम से 10,000 डॉलर के संयुक्त दान तक पहुंचने वाले व्यक्तियों या जोड़ों को टीआरएफ द्वारा प्रमुख दाता के रूप में मान्यता दी जाती है। यह मान्यता मिलान योगदान, क्लब या मंडल की भागीदारी या मान्यता बिंदुओं के माध्यम से प्राप्त नहीं किया जा सकता। प्रमुख दाताओं को प्राप्त किए गए प्रत्येक नए मान्यता स्तर के लिए एक क्रिस्टल पीस और पिन प्राप्त हो सकते है। मान्यता स्तर प्राप्त उपलब्धियों का गुणगान करते है।

स्तर 1: 10,000 डॉलर से लेकर 24,999 डॉलर; स्तर 2: 25,000 डॉलर से 49,999 डॉलर; स्तर 3: 50,000 डॉलर से 99,999 डॉलर; और स्तर 4: 100,000 डॉलर से 249,999 डॉलर।

प्रमुख दाता मान्यता प्राप्त करने के लिए दाताओं को रो ई दक्षिण एशिया कार्यालय की दाता सेवा टीम को उत्कीर्णन निर्देशों के साथ भरा हुआ मेजर डोनर फॉर्म जमा करना होगा। इसकी प्रक्रिया इवांसटन में होती है और इसमें 5-6 सप्ताह लगते हैं। अतिरिक्त जानकारी के लिए मधु ममगाईं (*Madhu.Mamgain@rotary.org*) और मंजू जोशी (*Manju.Joshi@rotary.org*) से संपर्क करें।

फॉर्म को डाउनलोड करने के लिए यहाँ जाएं: *http://www.highroadsolution.com/file_uploader2/files/new_major_donor_recognition_form.docx*

स्रोत: रो ई दक्षिण एशिया कार्यालय

Rotary PEOPLE OF ACTION

रोटरी क्लब भरूच लाया बुजुर्गों और विकलांगों के लिए खुशी

रशीदा भगत

दिसंबर में एक अनोखी और खुशनुमा रविवार की सुबह रोटरी क्लब भरूच, रो ई मंडल 3060 और आर के अस्पताल ने गुजरात शहर के कई संगठनों के साथ साझेदारी में 300 लोगों के एक समूह के लिए एक वॉकथॉन का आयोजन किया। इस अभियान का शीर्षक था *चलो साथ कदम बढ़ाए।*

इस कार्यक्रम के उद्देश्य के बारे में पूछे जाने पर क्लब की अध्यक्ष रिज़वाना ताकिन जमींदार ने कहा, ''मानसिक स्वास्थ्य इस वर्ष रो ई अध्यक्ष गॉर्डन मेकिनली का पसंदीदा ध्यानाकर्षण क्षेत्र है। सच कहूं तो मैं एक बहुत ही जमीनी स्तर की व्यक्ति हूँ जिसने कई वर्षों तक विभिन्न प्रकार की चुनौतियों का सामना करने वाले विभिन्न क्षेत्रों के लोगों के साथ काम किया है। इसलिए जब मैं इस साल अपने क्लब की अध्यक्ष बनी तो मैंने इस तरह का एक कार्यक्रम करने का फैसला किया जो लोगों को व्यस्त करके उनमें सकारात्मकता, समावेश, सहानुभूति और मानसिक कल्याण जगाए।''

साथ ही क्लब अध्यक्ष के रूप में, ''मेरा सपना शारीरिक और मानसिक रूप से विकलांग लोगों के साथ और उनके लिए काम करना था, जिन्हें मैं मविशेष लोगफ कहना पसंद करती हूँ। मैं ट्रांसजेंडरों के साथ भी काम करती हूँ हालांकि यह आयोजन शारीरिक रूप से विकलांग व्यक्तियों और बुजुर्ग लोगों के लिए अधिक था।''

स्वास्थ्य और फिटनेस, शिक्षा और शारीरिक रूप से विकलांगों के क्षेत्र में अनेक संगठनों के साथ क्लब की साझेदारी के कारण यह आयोजन एक शानदार सफलता थी। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ऑफ भरूच, मनसा सेंटर, कलरव स्कूल, एनएबी, सेवा यज्ञ समिति, ह्यूमन वेलकेयर फाउंडेशन, भरूच साइक्लिस्ट्स, जीजे16 पेडलर्स, भरूच एमटीबी राइडर्स, अंकलेश्वर रनर्स एंड वुमन रनर्स, भरूच रनिंग क्लब और रोटरी क्लब भरूच फेमिना सभी ने इसमें भाग लिया और एक साथी के साथ विशेष लोगों को लाने में मदद की जो या तो नेत्रहीन व्यक्ति का हाथ पकड़ सकें या व्हीलचेयर को धक्का दे सकें।

कुल मिलाकर 300 व्यक्तियों में रोटेरियनों, साझेदार रूपी स्वयंसेवकों और बुजुर्गों के कुछ परिवारों के साथी शामिल थे, जिन्होंने 1 किमी वॉकथॉन में भाग लिया जहाँ व्हीलचेयर पर बैठे लोगों को भी

वॉकथॉन में प्रतिभागी साथी के साथ हाथ में हाथ डालकर चले।

एक घंटे तक चलने वाले इस कार्यक्रम के बाद पदक मिले।

''सबसे अच्छी बात यह थी कि फिटनेस के प्रति जागरूक कुछ युवा अपने दादा-दादी को लाकर बहुत खुश थे। उन्होंने कहा कि हम रोजाना टहलते हैं या जॉगिंग करते हैं लेकिन उन्हें बाहर जाकर दूसरों के साथ का आनंद लेने का अवसर नहीं मिलता। इसलिए यह उनके लिए एकदम सही मौका है। उनमें से कुछ अपने दादा-दादी को व्हीलचेयर पर लेकर आए थे, जिन्हें उन्होंने धक्का दिया,'' रिजवाना ने कहा।

कई प्रतिभागियों की स्वास्थ्य स्थिति और उम्र को ध्यान में रखते हुए रोटेरियनों ने सोच-समझकर रास्ते भर पानी के साथ कई हाइड्रेशन पॉइंट स्थापित किए थे और एक एम्बुलेंस सुविधा भी उपलब्ध थी, लेकिन सौभाग्य से इसकी आवश्यकता नहीं पड़ी।

इतनी अधिक भागीदारी हासिल करना कितना आसान या मुश्किल था, इस पर उन्होंने कहा कि

क्लब अध्यक्ष के रूप में उनके वर्ष के शुरू होने से पहले ही उनके पास अपने क्लब के सदस्यों के लिए एक पूर्ण योजनाकार तैयार था, जिसमें तारीखें, कार्यक्रम और स्थान सूचीबद्ध थे। इसलिए उनके पास लोगों को जुटाने का समय था। ''भरूच में इस तरह की यह पहली रैली थी, जिसका उद्देश्य एक विशेष वॉकथॉन जैसी खेल गतिविधि के माध्यम से सभी नागरिकों के बीच सहानुभूति और समानता उत्पन्न करना था।'' प्रतिभागियों में नेत्रहीन, बेघर वयस्क, 70 वर्ष से अधिक उम्र के बुजुर्ग नागरिक, मानसिक रूप से विकलांग बच्चे और व्हीलचेयर पर शारीरिक रूप से अक्षम व्यक्तियों सहित कृत्रिम अंगों वाले नागरिक भी शामिल थे।

कार्यक्रम के अंत में प्रत्येक प्रतिभागी को एक पदक दिया गया। ''उन्हें फिनिशर मेडल प्राप्त करते हुए देखना शानदार था क्योंकि हमने प्रतिभागियों और उनके साथियों, जो गैर सरकारी संगठनों या रोटरी या उनके परिवारों से थे और उनके साथ कदम से कदम मिलाकर चलते हुए इस वॉकथॉन को पूरा करने में उनका समर्थन कर रहे थे, के चेहरों को खुशी से चमकता हुआ देखा।''

प्रतिक्रिया में चेहरों पर खुशी थी लेकिन सबके दिल में एक आम सवाल यह था: ''आप फिर से इस तरह का कार्यक्रम कब आयोजित करेंगे और हमें यह अवसर फिर से कब प्राप्त होगा?''

क्या उनका क्लब फिर से ऐसा करेगा? रिजवाना कहती हैं, ''खैर, मेरे पास इस तरह के एक और कार्यक्रम

शारीरिक रूप से अक्षम लोगों को भाग लेने में मदद करने के लिए 'साथी' व्हीलचेयर को धक्का देते हुए।

रोटरी क्लब भरूच की अध्यक्ष रिज़वाना टॉकिन जमींदार।

की कोई योजना नहीं है लेकिन मुझे पूरी उम्मीद है कि हर साल हमारा क्लब इस कार्यक्रम को दोहराएगा।''

इस वॉकथॉन को आर के अस्पताल के न्यासी और दोनों रोटेरियनों, पंकज हरियानी और चिराग ताम्बेदिया एवं मेनोपॉज सोसाइटी की अध्यक्ष डॉ भावना सेठ ने हरी झंडी दिखाई। शारीरिक और मानसिक रूप से विकलांग लोगों के लाभ के लिए मौजूद विभिन्न सरकारी योजनाओं के बारे में सभी प्रतिभागियों को समझाया गया। उन्हें जलपान परोसा गया।

विकलांगों के लिए RYLA

रिज़वाना ने आगे कहा कि सितंबर में उन्होंने भरूच और वडोदरा के दो स्कूलों के लिए विशेष रूप से सुनने और बोलने में अक्षम युवाओं के लिए एक RYLA का आयोजन किया था। ''75 प्रतिभागियों वाले इस RYLA को अनुवादकों के साथ सांकेतिक भाषा में आयोजित किया गया। प्रेरक वक्ताओं ने उन्हें संबोधित किया और यह मजेदार गतिविधियों जैसे आकर्षक खेल, आइस ब्रेकर और अन्य समूह गतिविधियों के साथ संयुक्त रूप से एक अध्ययन अनुभव था, सब कुछ उनकी सांकेतिक भाषा में।''

इन युवाओं से जुड़े मुद्दों के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा, ''उनके पास बहुत सारी चिंताएं हैं और उन्हें इतनी सारी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है और उनके मन में उन अवसरों के बारे में सवाल हैं जो उन्हें अपनी शिक्षा पूरी करने के बाद प्राप्त होंगे।''

इन युवाओं ने आयोजकों और उन्हें संबोधित करने वाले वक्ताओं को जो एकमात्र संदेश दिया, वह यह था: कृपया हमारे लिए अवसर, सुविधाएं, उपयुक्त बुनियादी ढांचें और एक सक्षम वातावरण तैयार करने की वकालत करें ताकि हम एक सभ्य जीवन जी सकें। साथ ही, हमारे लिए रोजगार के अवसर पैदा करें। हमारे पास भी कौशल है; बस हमें अपनी कला दिखाने का अवसर दें।■

Rotary PEOPLE OF ACTION

महिला उद्यमियों के सपनों को पंख देना

किरण ज़ेहरा

रोटरी क्लब बैंगलोर येलाहांका, रो ई मंडल 3192 और रोटरी एक्शन ग्रुप फॉर कम्युनिटी एंड इकोनॉमिक डेवलपमेंट (आरएजीसीईडी) ने बेंगलुरु में एक महिला उद्यमिता महोत्सव का आयोजन किया। आरएजीसीईडी इंडिया चैप्टर के अध्यक्ष राकेश बाबूजी ने कहा कि इस आयोजन का मिशन नवाचार के महत्व का प्रदर्शन और वंचित पृष्ठभूमि की महिलाओं को आत्मविश्वास के साथ अपना व्यवसाय शुरू करने के लिए प्रेरित करना था।

यह एक्शन ग्रुप शिक्षा, माइक्रोक्रेडिट, मेंटरिंग और नेटवर्किंग के माध्यम से स्थानीय उद्यमियों की क्षमताओं को बढ़ाने के लिए समर्पित है। इसका ध्यान समुदाय के नेताओं और संगठनों को सशक्त बनाने, आर्थिक विकास को बढ़ावा देने और काम के साथ-साथ स्थायी आजीविका प्राप्त करने के अवसर पैदा करने पर है।

आरएसीजीईडी का इंडिया चैप्टर स्थानीय रोटरी क्लबों के साथ काम कर रहा है। इस मुहिम से समुदाय में कुशल और महत्वाकांक्षी महिलाओं की एक महत्वपूर्ण संख्या का पता चला जो छोटे पैमाने पर विनिर्माण इकाइयों को स्थापित करने की इच्छुक थीं जिससे मुख्य रूप से शहरी बाजार के लिए मूल्य वर्धित उत्पादों का उत्पादन हो सकें। इस पहल ने कुशल और अर्ध-कुशल महिलाओं की पहचान की जिन्हें बुनियादी ढांचे, उपकरण, प्रशिक्षण, बीज निधि और विपणन सहायता के संदर्भ में समर्थन की आवश्यकता थी ताकि कपड़ा सहायक उपकरण, सौर उपकरण, सीप मशरूम और टेराकोटा आभूषण जैसे क्षेत्रों में सात सूक्ष्म उद्यम शुरू किए जा सकें।

एक स्टॉल पर एक उद्यमी के साथ बातचीत करते रोटेरियन।

बाबूजी ने कहा, जहाँ उद्यमिता महोत्सव महिला उद्यमियों को समर्थन देने और उन्हें सशक्त बनाने के लिए हमारी प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है वहीं हम भविष्य में और अधिक नवीन परियोजनाओं को शुरू करने के लिए विभिन्न क्लबों के सहयोग की उम्मीद करते हैं। इस कार्यक्रम में संवादात्मक कार्यशालाओं ने व्यवसाय शुरू करने, उसे बढ़ाने, निधियन प्राप्त करने और प्रौद्योगिकी, व्यावहारिक उपकरणों और रणनीतियों का लाभ उठाने, 150 से अधिक महिला उद्यमियों को उद्यमशीलता परिदृश्य को समझने के लिए ''नए कौशल और आत्मविश्वास के साथ सशक्त बनाने के बारे में अंतर्दृष्टि प्रदान की।''

उद्योग नेताओं की पैनल चर्चाओं में महिलाओं की उद्यमशीलता से संबंधित महत्वपूर्ण विषयों, चुनौतियों, अवसरों की खोज और एक सहायक पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने के महत्व पर चर्चा की गई। इस कार्यक्रम ने नेटवर्किंग के अवसरों की सुविधा प्रदान की, समान विचारधारा वाले व्यक्तियों को एक दूसरे से जोड़ने और परस्पर सीखने, विकास और सहयोग के लिए एक सहायक तंत्र का निर्माण करने के लिए एक मंच प्रदान किया, उन्होंने कहा।

इस कार्यक्रम ने उन महिला उद्यमियों की उपलब्धियों का भी जश्न मनाया, जिन्होंने अपने संबंधित क्षेत्रों में महत्वपूर्ण प्रभाव डाला। ''उनकी कहानियां हमारे जैसी महिलाओं के लिए प्रेरणा है जो अब अपनी उद्यमशीलता की यात्रा शुरू कर रही हैं। मैं अपने व्यवसाय को अगले स्तर तक ले जाने के लिए स्वयं को प्रेरित और मूल्यवान दृष्टिकोण से भरपूर महसूस करते हुए इस कार्यक्रम से लौट रही हूँ। इस कार्यक्रम ने उद्यमशीलता की यात्रा में महिलाओं का समर्थन करने वाली महिलाओं की शक्ति को प्रदर्शित किया,'' एक प्रतिभागी रूपा ने कहा।

एक अन्य प्रतिभागी सुरभी ने इस कार्यक्रम को, एक गेम-चेंजर कहा ''जिसने मुझे अपने व्यावसायिक विचार को वास्तविकता में बदलने के लिए आवश्यक ज्ञान, संसाधन और संपर्क प्रदान किए। मैं अब अपना व्यवसाय शुरू करने के लिए इंतजार नहीं कर सकती।''■

रे क्लिंगिनस्मिथ, उच्चतम क्षमता वाले एक रोटरी नेता

के आर रवींद्रन

पहली बार जब मैंने रे क्लिंगिनस्मिथ को सक्रिय देखा तो वह 1998 के नई दिल्ली विधान परिषद के अध्यक्ष थे जहाँ मैं एक प्रतिनिधि था। परिषद के विचार-विमर्श का संचालन करने की उनकी अपनी स्थिर और अनूठी शैली थी, उनका एक हाथ मंच पर बेफिक्री से झुका रहता था, जो मेरे जैसे नौसिखिए के लिए काफी आकर्षक था। तब मुझे इस बात का एहसास नहीं था कि भविष्य में एक दिन, यह व्यक्ति जिसे मैं दूर से निहार रहा था और मैं, एक साथ सेवाकार्य करेंगे... रे एक न्यासी अध्यक्ष के रूप में और मैं एक रो ई अध्यक्ष के रूप में। उन्होंने 2010-11 तक रो ई अध्यक्ष के रूप में कार्य किया।

वर्षों बाद उनके बोर्ड में उनके कोषाध्यक्ष के रूप में बैठे हुए मुझे एहसास हुआ कि रोटरी क्लब किर्क्सविले के दीर्घकालिक सदस्य, रे मेरे द्वारा मिले गए सबसे बुद्धिमान लोगों में से एक थे। और रे की अध्यक्षता में बोर्ड की मेज पर बैठना वास्तव में नेतृत्व का एक आकर्षक अध्ययन और सीखने का बढ़िया अनुभव था। वह पहले और एकमात्र अध्यक्ष थे जिन्होंने अपने उपाध्यक्ष और कोषाध्यक्ष को अपने स्वयं के बोर्ड के सदस्यों के माध्यम से मतपत्र द्वारा चुना था!

पीआरआईपी के आर रवींद्रन पीआरआईपी रे क्लिंगिनस्मिथ के साथ।

पहली बात जो आपको समझ आई वह यह थी कि वह कभी जल्दी में नहीं होते थे। बोर्ड के पेपर अक्सर 500 पृष्ठों से अधिक होते थे। मैंने तब यह सीखा कि उचित तैयारी और योजना के साथ सबसे लंबे एजेंडे को भी संभाला जा सकता है और रे को हर पृष्ठ की जानकारी थी।

मैंने सीखा कि एक बैठक कैसे संचालित की जानी चाहिए, जहाँ प्रत्येक प्रतिभागी को अपने विचार रखने और योगदान करने का अवसर मिले; यह कि मौके की गंभीरता को अच्छे हास्य से कम किया जा सकता है और यह कि औपचारिक और गंभीर होने के लिए आपको थ्री-पीस सूट पहनने की आवश्यकता नहीं है! उन्हें अध्यक्षता करते और हमें शिक्षित करते देखना मेरे लिए सीखने का एक बढ़िया अनुभव था; नेतृत्व और मार्गदर्शन करते हुए भी उनमें धैर्य और सहिष्णुता देखी जा सकती थी।

उन्होंने सिद्धांत और प्रणाली को उपयोगिता एवं व्यक्तित्व से ऊपर रखा। उनके पास अजीब स्थिति का सामना करने और आपको सीधे आपके मुँह पर बोलने की ताकत थी।

मैंने देखा कि उन्होंने ऐसे बदलाव किए जिनके बारे में दूसरे केवल सोच सकते थे। बोर्ड द्वारा किए गए कई बदलाव संगठन के संचालन के लिए महत्वपूर्ण थे और अगर उनकी कोई गलती थी तो वो यह थी कि उन्होंने उनमें से कई बदलाव किए या उन्हें करने की कोशिश की।

लेकिन मैंने यह भी सीखा और आपको प्रत्यक्ष रूप से बता सकता हूँ कि अध्यक्ष के रूप में उनसे असहमत होना अपराध नहीं था और अगर यह

सहमति से किया गया है तो इस तरह की असहमति को मेज पर पीछे छोड़ते हुए शाम को फेलोशिप के समय तक भुला दिया जा सकता है।

उनके साथ भारत और तत्कालीन संघर्ष क्षेत्र श्रीलंका (ऐसा करने वाले पहले अंतर्राष्ट्रीय नेता) की यात्रा करते हुए मैंने देखा कि उन्हें दुनियाभर के रोटेरियनों से मिलने में वास्तव में रुचि थी और मैंने उन्हें उड़ान से पहले फ्लाइट का इंतजार करते वक्त और हर संभव क्षण में अथक परिश्रम के साथ कार्य करते देखा। वह अपने कमरे में लौटकर देर रात तक अपने कंप्यूटर पर काम करते और सुबह 4.30 बजे तक फिर उठ जाते और दोबारा अपने कंप्यूटर पर काम करने लगते। इस वजह से वह हर समय रोटरी जगत में होने वाली हर चीज से अवगत रहते। इवान्स्टन में रो ई मुख्यालय में भी कुछ अलग नहीं था। वह हमेशा हम सभी से पहले जाते और सबसे आखिरी में निकलते।

उनके पास एक और प्रतिभा थी जिससे मुझे ईर्ष्या भी थी। एक बार जब वह विमान में चढ़ जाते तो कंप्यूटर को दूर रखकर विमान के उड़ान भरने से पहले ही सो जाते थे और भोजन सेवा के समय भी सोते ही रहते और बस लैंडिंग से कुछ मिनट पहले जागते थे और एक दम तरोताजगी के साथ अपने अगले अध्यक्षीय दिवस के लिए तैयार नज़र आते!

मैं उनकी एक बार देखकर याद रखने की क्षमता, उनकी हाज़िरजवाबी और रोटरी के बारे में उनके विश्वकोश जितने ज्ञान से बहुत प्रभावित था। उदाहरण के लिए, यदि आप उनसे पूछें तो वह आपको बता सकते थे कि 1922 में रोटरी के अध्यक्ष कौन थे और 1941 में उपाध्यक्ष कौन थे! वह आपको बता सकते थे कि प्रक्रिया संहिता में कोई विशेष संशोधन कब किया गया था और ऐसा करने के लिए किसने प्रस्ताव पेश किया था। वह आपको बता सकते थे कि 1965 के रोटरी सम्मेलन के अध्यक्ष कौन थे और यह किस शहर में आयोजित किया गया था और भी बहुत कुछ!

रे को किसी तरह का अभिमान नहीं था, वह अपने तरीके से विनम्र थे; दृढ़ और प्रेरक होने के साथ ही अपने तर्कों में मृदुभाषी; अपनी धारणाओं और कम से कम मंडल पर विश्वास रखने वाले, दूसरों के विचारों के प्रति सहिष्णु और अत्यंत सज्जन व्यक्ति। वह मेरे जैसे नए लोगों और नौसिखियों के प्रति दयालु और उनका उत्साह वर्धन करने वाले और सभी के प्रिय थे।

वह मितव्ययी भी थे। जब वह बोर्ड को रात्रिभोज के लिए आमंत्रित करते थे तो आप पिज्जा हट या मैकडॉनल्ड्स से तृप्त हो सकते थे! वह इकोनॉमी क्लास में यात्रा करते थे जब हम में से कुछ शर्मिंदगी के साथ आगे के केबिन में यात्रा करते थे!

उनके निधन के समय रे 62 वर्षों तक रोटेरियन रहे थे। वह रो ई बोर्ड में सेवा देने वाले पहले राजदूत छात्रवृत्ति पाने वाले पूर्व छात्र भी थे।

हम सभी की तरह रे में भी कुछ दोष थे (किसमें नहीं होते?) लेकिन अंततः मैं यह कहूँगा कि वह एक असाधारण व्यक्ति और उच्चतम क्षमता वाले रोटरी नेता थे।

रे का जीवन पूर्ण था। भगवान उनकी आत्मा को शांति दें।

लेखक रो ई के पूर्व अध्यक्ष हैं।

तीरंदाज अदिति और देवताले को मिला अर्जुन पुरस्कार

टीम रोटरी न्यूज़

हांग्जो एशियाई खेलों में भारत को गौरवान्वित करने वाले तीरंदाज अदिति गोपीचंद स्वामी (17) और ओजस देवताले (21) को केंद्र सरकार ने अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया। जब उन्हें बेंगलुरु के रोटरी ज़ोन इंस्टीट्यूट में सम्मानित किया गया तो उन्हें अर्जुन पुरस्कार के लिए नामांकित किया गया था। (अधिक जानकारी के लिए, वैश्विक खेलों में अब भारत मायने रखता है (रोटरी न्यूज़, जनवरी 2024) पढ़ें।

जबकि अदिति दुनिया की सबसे कम उम्र की सीनियर तीरंदाजी चैंपियन हैं, और देवतले, विश्व तीरंदाजी चैंपियनशिप (बर्लिन, 2023) में स्वर्ण जीतने वाले पहले भारतीय पुरुष हैं, दुनिया में नौवें स्थान पर हैं। दोनों तीरंदाज महाराष्ट्र के सतारा में प्रवीण सावंत द्वारा संचालित दृष्टि तीरंदाजी अकादमी के उत्पाद हैं।■

अर्जुना पुरस्कार के साथ ओजस देवताले और अदिति स्वामी।

रोटरी अस्पताल सिरसी में विशिष्ट स्वास्थ्य देखभाल प्रदान करता है

रशीदा भगत

1985 में रोटरी क्लब सिरसी, रो ई मंडल 3170 ने अपनी रजत जयंती के उपलक्ष्य में, एक छोटा सा धर्मार्थ अस्पताल स्थापित किया था। आज यह 65-बेड वाले बड़े मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल का रूप ले चुका यह अस्पताल कर्नाटक के तीन राजस्व जिलों - उत्तर कन्नड़, हावेरी और शिमोगा के निवासियों को चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध करवा रहा है।

सिरसी शहर के भीतर प्रमुख स्थान पर निर्मित, ये अस्पताल विश्व सेवा समिति द्वारा चलाया जाता है जोकि रोटरी क्लब सिरसी द्वारा संचालित एक रोटरी धर्मार्थ ट्रस्ट है, जिसमें टीआरएफ से मिलने वाली मैचिंग ग्रांट के साथ साइट सेवर्स, इंग्लैंड, रॉयल कॉमनवेल्थ सोसाइटी फॉर द ब्लाइंड, इंग्लैंड (आरसीएसबी), क्रिस्टोफेल ब्लाइंडन मिशन (सीबीएम), जर्मनी और अन्य कई परोपकारी संस्थाओं से दान प्राप्त होता है। योग्य और कुशल डॉक्टरों से युक्त यह बहुमंजिला अस्पताल विभिन्न विशिष्टताओं में उपचार प्रदान करता है और जिसमें उच्च तकनीक युक्त पांच ऑपरेशन थिएटर और अन्य आधुनिक चिकित्सा उपकरण उपलब्ध हैं।

यह उच्च कोटि की स्वास्थ्य सेवाऐं प्रदान करने वाले एक प्रभावशाली भवन से कहीं अधिक है, जो हाल ही में मिले धन्यवाद पत्र से साबित होता है, इसे क्लब के अध्यक्ष श्रीधर हेगड़े और अस्पताल का प्रबंधन करने वाले पूर्व अध्यक्ष नितिन कासरकोड को टाटा स्टील के एक वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी ने धन्यवाद करते हुए लिखा है, ''इस शहर में आपके अस्पताल में मेरी माँ को मिली उत्कृष्ट सेवाओं के लिए मैं अत्यंत आभारी हूँ। अस्पताल में नर्सिंग स्टाफ की सेवा की गुणवत्ता के साथ-साथ डॉ राजेश शेट ने जिस समर्पण भाव के साथ सेवा की वह प्रशंसनीय थी। हालाँकि दुर्भाग्य से मेरी माँ का 2 जनवरी, 2024 को निधन हो गया, उन्होंने अपने आखिरी कुछ दिन अस्पताल और फिर घर पर आराम से बिताए। यह ऐसी चीज़ है जिसके लिए मैं हमेशा आपका आभारी रहूँगा।'' टीवी श्रीनिवास शेनॉय लिखते हैं, आपके रोटरी क्लब द्वारा किए जा रहे भलाई के कार्यों के लिए मेरा सम्मान और आदर कई गुना बढ़ गया है।

हेगड़े बताते हैं, ''इस अस्पताल के संस्थापक और वास्तुकार रो ई मंडल से 3170 पीडीजी सुबराओ कासरकोड और एक अन्य दिग्गज पीडीजी सदानंद नीलेकणि हैं, जिनके नाम पर आईसीयू और ट्रॉमा केयर सेंटर रखा गया है। उनके समर्पित प्रयास ने इस स्वास्थ्य परिसर को प्रतिष्ठा के उस स्तर पर पहुंचाया है, जो हाल ही में मिले कृतज्ञता पत्र से परिलक्षित होता है।''

इस अस्पताल को मुंबई के एक वरिष्ठ वकील मारुति एन भटकल से भी बहुत सहयोग मिला है, ''जो जिब्राल्टर की चट्टान की तरह हमारे पीछे डटे रहे और उन्होंने हमारे आईसीयू को अत्याधुनिक स्तर पर अपग्रेड करने, आपातकालीन चिकित्सा सुविधाओं को तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है,'' क्लब के पूर्व अध्यक्ष और अस्पताल के सचिव नितिन कासरकोड ने बताया। ये पीडीजी कासरकोड के बेटे हैं, जिन्होंने मूल रूप से अस्पताल शुरू किया था।

रोटरी क्लब सिरसी द्वारा स्थापित रोटरी चैरिटेबल अस्पताल।

मोतियाबिंद सर्जरी के बाद अस्पताल में जांच के लिए इंतजार करती महिलाएं।

हेगड़े कहते हैं कि इस अस्पताल की स्थापना से पहले, यहां सैकड़ों गांवों से घिरे हुए इस क्षेत्र के लोगों को दूर-दराज के शहर के अस्पतालों पर निर्भर रहना पड़ता था और इस क्षेत्र में कोई भी अच्छा निजी अस्पताल नहीं था। ''और, यदि कोई रोगी शहर में निजी अस्पताल तक पहुंच भी जाता तो भी बुनियादी बीमारियों के चिकित्सा उपचार की लागत बहुत अधिक थी, जिसकी वजह से इलाज मिलना असंभव था।''

यही समय था जब क्लब के नेताओं ने सिरसी में एक अस्पताल निर्मित करने का निर्णय किया और कुछ ही समय में यह एक घरेलू नाम बन गया, जो कम कीमत पर अच्छी गुणवत्ता वाली चिकित्सा सेवा के लिए मशहूर हो गया था। अस्पताल प्रबंधन के लिए एक रोटरी धर्मार्थ ट्रस्ट, विश्व सेवा समिति की स्थापना की गई जिसका स्पष्ट उद्देश्य था लोगों को गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवाएं प्रदान करना था, इनमें वे लोग भी शामिल थे जो भुगतान करने में असमर्थ थे।

नितिन कासरकोड कहते हैं, मुख्य रूप से ये ट्रस्ट नेत्र रोगों की रोकथाम और उनके उपचार पर केंद्रित है और इसने अंधत्व के विरुद्ध युद्ध नामक अभियान चलाया है। इस कार्यक्रम के तहत आंखों की समस्याओं के लिए लोगों की जांच करने के लिए ''हम आसपास के जिलों के दूरदराज और दुर्गम क्षेत्रों में साप्ताहिक आउटरीच शिविर आयोजित करते हैं। जिन लोगों को सर्जरी की आवश्यकता होती है, उन्हें हमारी बस द्वारा अस्पताल पहुंचाया जाता है, सर्वोत्तम सर्जिकल उपचार दिया जाता है, आवास और भोजन भी दिया जाता है और उपचार के बाद उन्हें उनके घर वापस ले जाया जाता है, वह भी निःशुल्क।''

पिछले 35 वर्षों में, इस कार्यक्रम ने 70,000 से अधिक गरीब लोगों की आंखों की रोशनी लौटाई है। ''हमारा यह आउटरीच कार्यक्रम, जिसे हमारे एक साझेदार, सीएसआर अनुदान और स्थानीय दानदाताओं द्वारा वित्त पोषित किया जाता है, हर साल लगभग 4,000 लोगों को दृष्टि उपलब्ध करवाता है,'' कासरकोड कहते हैं।

जो लोग चिकित्सा या सर्जिकल सेवाओं का खर्चा उठा सकते हैं, वे भुगतान कर देते हैं जबकि अन्य के लिए, धन की व्यवस्था दान के माध्यम से या सरकारी योजनाओं का लाभ उठाकर की जाती है। ''हम पूरा ध्यान रखते हैं कि वरिष्ठ नागरिकों और विकलांग लोगों की बढ़िया देखभाल की जाए और हमारे अस्पताल में उन्हें विशेष छूट दी जाए। हमारा नेफ्रोलॉजी विभाग चार हेमोडायलिसिस इकाइयों से सुसज्जित है जो चौबीसों घंटे दिन रात मरीजों की सेवा करती है। अत्यंत गरीब मरीजों का डायलिसिस मुफ्त में किया जाता है, जिसका खर्च अस्पताल वहन करता है।''

हेगड़े ने बताया कि इस अस्पताल ने विदेशों में प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय संगठनों से कई पुरस्कार जीते हैं ''और इसे दुनिया के सर्वश्रेष्ठ 50 रोटरी सेवा परियोजनाओं में से एक के रूप में सम्मानित किया गया था और 1995 में रो ई अध्यक्ष द्वारा पुरस्कार दिया गया था।''

इस अस्पताल में ईएनटी, आर्थोपेडिक्स, स्त्री रोग, नेफ्रोलॉजी, आपातकालीन और आघात जैसी विशिष्टताओं के लिए उपचार सुविधाएं भी प्रदान की जाती हैं।

इन सभी सेवाओं के लिए आवश्यक धनराशि के लिए, हम स्थानीय परोपकारी व्यक्तियों, संस्थानों, कॉर्पोरेट्स, सामाजिक सेवा संगठनों और अन्य से दान पर भी निर्भर हैं। कासरकोड का कहना है कि ''हालांकि भुगतान कर सकने वाले रोगी अत्यंत गरीब मरीजों के इलाज में भी आर्थिक सहयोग करते हैं।''

भविष्य की योजनाओं के बारे में उन्होंने कहा कि अब वे यहाँ ईएनटी सेवाओं को मजबूत करना चाहते हैं, साथ ही यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि उनके सभी मरीजों को सर्वोत्तम गुणवत्ता वाली चिकित्सा मिले, भले ही उनमें भुगतान करने की ताकत हो या ना हो।

इस रोटरी अस्पताल में डॉक्टरों और नर्सों की टीम द्वारा, उनकी मां को मिली ''उत्कृष्ट सेवा'' के बारे में *रोटरी न्यूज़* से बात करते हुए, शेनॉय बोले कि उनकी उम्र 88 वर्ष थी और वो लीवर संबंधित समस्याओं से पीड़ित थीं। जिन्होंने भी उनकी देखभाल में अस्पताल में रातें बिताईं हैं, वह कहते हैं, ''मैंने खुद ने देखा था कि अस्पताल के कर्मचारियों ने उनके साथ कैसा व्यवहार किया, उनसे मिली बेहतरीन देखभाल की वजह से उन के आखिरी सात दिन अत्यंत शांतिपूर्ण गुजरे थे। स्टाफ द्वारा इतनी अच्छी प्रकार से ध्यान रखा गया कि वह उन पर पूरा भरोसा करने लगी थीं। अधिकांश समय आप लोगों को केवल नाम मात्र की सेवा करते देखेंगे ... लेकिन इस रोटरी अस्पताल में, मैंने दिल से सेवा होती देखी है।''■

Rotary PEOPLE OF ACTION

रोटरी क्लब दिल्ली साउथ
समुदायों को प्रभावित करता है

जयश्री

पिछले सात वर्षों में 79 सदस्यों वाले 55 साल पुराने क्लब रोटरी क्लब दिल्ली साउथ, रो ई मंडल 3011 ने एनजीओ नई दिशा एजुकेशनल एंड कल्चरल के सहयोग से स्थापित अपने व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र के माध्यम से लगभग 2,000 महिलाओं को सिलाई में एक नए करियर के साथ सशक्त बनाया है। समाज, एनजीओ के परिसर में. क्लब ने केंद्र को 20 सिलाई मशीनों से सुसज्जित किया है। वर्तमान में, कम सुविधा प्राप्त परिवारों की 40 महिलाएं इस पाठ्यक्रम से गुजर रही हैं।

क्लब के अध्यक्ष प्रमोद अग्रवाल ने कहा, ''हम महिलाओं को बेहतर अवसर प्रदान करने के लिए सिलाई मशीनों को अपग्रेड करते रहते हैं।'' उन्हें मशीन कढ़ाई और अन्य पेशेवर तकनीक सीखने और अपने सिलाई कौशल को उन्नत करने में सक्षम बनाने के लिए केंद्र को हाल ही में दो उन्नत मशीनें प्रदान की गईं। यदि महिलाएं अपनी इकाई स्थापित करने का निर्णय लेती हैं, या यदि वे रोजगार का विकल्प चुनती हैं तो एनजीओ उन्हें ऑर्डर प्राप्त करने में मदद करता है, यह संभावित नियोक्ताओं की पहचान करने में सहायता करता है।

रोटरी क्लब दिल्ली साउथ 20 वर्षों से अधिक समय से दिल्ली के दरिया गंज में डॉ. श्रॉफ आई हॉस्पिटल को नेत्र संबंधी उपकरणों और उपकरणों के साथ समर्थन दे रहा है। नवंबर 2023 में, अस्पताल परिसर में उर्मिला खेमका मोतियाबिंद केंद्र का उद्घाटन किया गया और क्लब ने उस परियोजना को क्रियान्वित करने में भाग

नीचे: सर्वाइकल कैंसर का टीका लगवाने के बाद लड़कियाँ।

ऊपर: रोटरी क्लब दिल्ली साउथ के अध्यक्ष प्रमोद अग्रवाल (बाएं) और नई दिशा व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र में व्यावसायिक सेवा निदेशक राजीव सिवनी। छात्रों के साथ नई दिशा की संस्थापक सविता (बाएं से दूसरी), प्रशिक्षक मीनाक्षी (दाएं से तीसरी) भी दिखाई दे रही हैं।

बाएं से: क्लब सचिव सर्वप्रीत सिंह, पूर्व अध्यक्ष ललित साहनी, अध्यक्ष अग्रवाल, रजनी दुआ और सोम दुआ, रोशनपुरा, नई दिल्ली में नगर निगम स्कूल में।

लिया, जिसे सीएसआर अनुदान के माध्यम से वित्त पोषित किया गया था। उन्होंने कहा, ''इस अतिरिक्त सुविधा से अस्पताल की 6,000 अतिरिक्त सर्जरी करने की क्षमता बढ़ जाएगी।''

क्लब ने रोशनपुरा II क्षेत्र में एमसीडी प्राइमरी स्कूल का नवीनीकरण किया। स्कूल की इमारत पर नए सिरे से पेंट किया गया, खेल के मैदान में उपकरणों की मरम्मत की गई और नए उपकरण जोड़े गए। उन्होंने कहा, अपने शानदार नए उपकरणों के साथ खेल का मैदान बच्चों के लिए खुशी का स्रोत था। इस स्कूल में लगभग 1,400 छात्र पढ़ते हैं। विद्यालय परिसर को हरा-भरा बनाने के लिए क्लब द्वारा उपलब्ध कराए गए 80 पौधे लगाने में छात्रों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। स्कूल की डिजिटल कक्षा में एक स्मार्ट टीवी भी लगाया गया था।

नवीनीकृत स्कूल के उद्घाटन के तुरंत बाद, क्लब ने छात्रों के लिए एक नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया और उन लोगों को चश्मे प्रदान किए जिनकी दृष्टि ख़राब थी। स्कूल को और अधिक सुविधाएँ प्रदान करने के लिए धन जुटाया जा रहा है; राष्ट्रपति ने कहा, ''हमारे एजेंडे में अगला लक्ष्य वॉश स्टेशन उपलब्ध कराना है।''

एक अन्य पहल में, नई दिशा की देखरेख में 60 किशोरियों के लिए सर्वाइकल कैंसर टीकाकरण शिविर का आयोजन किया गया। उन्होंने कहा, ''इन लड़कियों को अनिवार्य दो खुराक के साथ पूरी तरह से टीका लगाया गया है।'' इसी तरह के एक शिविर ने बिड़ला विद्या निकेतन में 230 लड़कियों को टीकाकरण करने में मदद की, जहां क्लब ने एक इंटरैक्ट क्लब को प्रायोजित किया है। इन छात्रों को अगली खुराक जून में दी जाएगी. टीकाकरण प्रक्रिया से पहले, क्लब ने माता-पिता और स्कूल स्टाफ के लिए सर्वाइकल कैंसर और टीका इससे कैसे बचाता है, इस पर एक जागरूकता सत्र आयोजित किया था। दोनों स्थानों पर क्लब के सदस्य डॉ. नीरज भल्ला और सहायक गवर्नर वंदना भल्ला, और रो ई मंडल 3011 और 3012 द्वारा संचालित रोटरी कैंसर फाउंडेशन के सचिव अजय नारायण ने टीकाकरण प्रक्रिया में सहायता प्रदान की जो बीएलके-मैक्स अस्पताल द्वारा की गई थी।

दिवाली पर, क्लब के सदस्यों ने दिल्ली के AIIMS अस्पताल में 1,600 रोगियों और देखभाल करने वालों को मिठाई के डिब्बे वितरित किए।■

RID 3030 छात्राओं को सशक्त बनाता हैं

किरण ज़ेहरा

सफेद और सुनहरी रंग की उत्कृष्ट साड़ियों में सजी, रो ई मंडल 3030 की महिला क्लब अध्यक्षों ने मंडल सम्मेलन आशाएँ की उद्घाटन परेड में डीजी आशा वेणुगोपाल, आरआईपीआर पुबुडु डी जोयसा और उनके रोटेरियन जीवनसाथी वेणु गोपाल और कृष फर्नांडो का स्वागत किया। इस शोभायात्रा का नेतृत्व कथकली और भरतनाट्यम नर्तकों ने किया जिसके साथ पारंपरिक *पंचारी मेलम* (केरल मंदिर संगीत) की लयबद्ध धुन भी चल रही थी।

परेड की भव्यता से परे महिला रोटेरियनों की एक टीम ने कार्यक्रम स्थल पर 1,900 पंजीकरणकर्ताओं और मेहमानों के लिए एक सुचारू चेक-इन प्रक्रिया सुनिश्चित करने हेतु पंजीकरण काउंटरों के प्रबंधन में लगन से काम किया।

डीजी आशा ने अपने स्वागत भाषण में कहा, रोटेरियन बनने से लेकर एक डीजी और एक एकेएस सदस्य बनने तक, मैं यहाँ मौजूद अनगिनत रोटेरियनों से प्रेरित हूँ।

मंडल परियोजनाओं पर अंतर्दृष्टि प्रदान करते हुए उन्होंने रोटरी क्लब नासिक ग्रेपसिटी की एक परियोजना *उड़ान* पर प्रकाश डाला जिसने ग्रामीण छात्राओं को शिक्षा के माध्यम से सशक्त बनाने के लिए ₹2.22 करोड़ की 5,555 साइकिलें वितरित की। ''महाराष्ट्र के दूरस्थ आदिवासी गांवों की हजारों लड़कियां सीखने के लिए उत्सुक हैं लेकिन उन्हें स्कूल जाने के लिए एक चुनौतीपूर्ण यात्रा करना पड़ता है। एक साइकिल उनके लिए परिवहन के एक साधन मात्र से बहुत अधिक है। यह उनके सशक्तिकरण का प्रतीक है। इन साइकिलों के साथ हमने इन लड़कियों की बाधाओं को अवसरों में बदल दिया है,'' उन्होंने कहा। अन्य उल्लेखनीय परियोजनाओं में *बूंद* (जल संरक्षण), *स्पंदन* (थैलेसीमिया रोगियों के लिए रक्तदान), *आकांक्षा* (ऑनलाइन अध्ययन उपकरण) और *अंकुर* (महाराष्ट्र सरकार के सहयोग से किया जा रहा बांस वृक्षारोपण) शामिल हैं।

एकेएस पिन प्राप्त करने पर डीजी आशा को बधाई देते हुए, आरआईपीआर पुबुडू डी ज़ोयसा, श्रीलंका के रो ई मंडल 3220 के पूर्व गवर्नर ने कहा, ''आशा के लिए यह सिर्फ एक एकेएस सदस्य होने के बारे में नहीं है। बेशक यह एक

मंडल सम्मेलन के लिए चुनी आरआईपीआर, आरआईडी 3220 की पीडीजी पुबुडु डी ज़ोयसा और उनके पति कृष फर्नांडो (दाएं) ने डीजी आशा (दाएं से दूसरी) और उनके पति वेणुगोपाल (दाएं से चौथे) को उनके AKS योगदान के लिए सम्मानित किया। (बाएं से) पीडीजी गण शब्बीर शाकिर, किशोर केडिया, के सुंदर राजन और राजीव शर्मा।

मंडल सम्मेलन में अभिनेता अनुपम खेर से बातचीत करते पीडीजी शब्बीर शाकिर।

महाराष्ट्र के दूरस्थ आदिवासी गांवों की हजारों लड़कियां सीखने के लिए उत्सुक हैं लेकिन उन्हें स्कूल जाने के लिए एक चुनौतीपूर्ण यात्रा करना पड़ता है। एक साइकिल उनके लिए परिवहन के एक साधन मात्र से बहुत अधिक है। यह उनके सशक्तिकरण का प्रतीक है।

आशा वेणुगोपाल
रो ई मंडल 3030 की डीजी

मूल्यवान योगदान है लेकिन यह उनके द्वारा पेश किए जाने वाले प्यार और देखभाल को भी दर्शाता है। उन्होंने फाउंडेशन को दान इसलिए नहीं दिया कि उनके पास अतिरिक्त धन है बल्कि इसलिए दिया कि वह उदार है। हमारे संस्थान पर इतना विश्वास दिखाने के लिए आपको दिल से धन्यवाद, आपके पास एक परिवर्तन लाने की शक्ति है।''

पबुडू ने पोलियो उन्मूलन पहल के महत्व पर भी जोर देते हुए कहा, ''आपातकालीन ऑपरेशन केंद्रों, रोग निगरानी अधिकारियों और पोलियो मॉडल के माध्यम से अफ्रीका में रोटरी द्वारा स्थापित स्थानीय और अंतर्राष्ट्रीय स्वास्थ्य अधिकारियों के बीच निर्बाध संचार सेवा के साथ-साथ बुनियादी ढांचे की वजह से इबोला के प्रसार को रोका जा सका! यह रोटरी की शक्ति का प्रमाण है।''

पोलियो कोष के लिए 27,448 डॉलर के उल्लेखनीय योगदान के लिए मंडल की सराहना करते हुए उन्होंने कहा, ''पोलियो का उन्मूलन न केवल इसके पुनरुत्थान को रोकता है बल्कि इससे वैश्विक स्वास्थ्य बजट का 50 बिलियन डॉलर का संभावित बजट भी बचता है। यह वित्तीय बढ़त मलेरिया, सर्विकल कैंसर, तपेदिक और एचआईवी-एड्स जैसी अन्य महत्वपूर्ण स्वास्थ्य चुनौतियों से निपटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।''

यह कार्यक्रम RYE छात्रों द्वारा एक नृत्य प्रदर्शन के साथ संपन्न हुआ जिसमें प्रतिष्ठित भारतीय महिलाओं के जीवन को चित्रित किया गया। मंडल पुरस्कारों, जीएमएल के विमोचन और संवादात्मक पैनल चर्चाओं के बाद मेजर जनरल संजय कुमार विद्यार्थी, वंचित और ग्रामीण बच्चों के लिए एक शैक्षणिक संस्थान नर्मदा के संस्थापक - भारती ठाकुर और अभिनेता अनुपम खेर जैसे विशिष्ट वक्ताओं ने रोटेरियनों को संबोधित किया।

चित्र: किरण ज़ेहरा

Rotary PEOPLE OF ACTION

10 दिवसीय कश्मीर शिविर में 1,200 से अधिक सर्जरियाँ

वी मुत्तुकुमारन

पुलवामा, शोपियां, कुलगाम और अनंतनाग (मेडिकल कॉलेज) जिलों के सरकारी अस्पतालों में 10 दिनों (3-13 सितंबर) में 1,223 सर्जरियाँ और छोटी प्रक्रियाओं को करने के लिए 35 डॉक्टरों की एक टीम, जिनमें सभी रोटेरियन और दो स्वयंसेवकों के लिए यह एक चुनौतीपूर्ण लेकिन संतोषजनक मिशन था। सितंबर 2023 में आयोजित कश्मीर सर्जिकल प्रोजेक्ट-3 के प्रोजेक्ट चेयर डॉ गुने ने बताया, इस परियोजना के लिए केंद्र शासित प्रदेश सरकार, स्वास्थ्य अधिकारियों और स्थानीय अस्पतालों से लॉजिस्टिक्स और समर्थन के साथ ही विस्तृत योजना की आवश्यकता थी।

चार वर्षीय सारा इब्राहिम भट्ट, द्विपक्षीय भेंगी आँखों के ऑपरेशन की एक लाभार्थी अपने पिता के साथ।

इस संकटग्रस्त राज्य में तीसरे चिकित्सा शिविर का बीज तब बोया गया जब उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने मई 2022 में बारामूला जिले के सोपोर में दूसरे सर्जिकल शिविर के उद्घाटन के दौरान रोटेरियनों से आतंकवाद से ग्रस्त दक्षिण कश्मीर में इसी तरह के शिविर का आयोजन करने का आग्रह किया था। पीडीजी गुने और प्रधान दोनों ने जम्मू के एक रोटेरियन अदीप मेहता, रो ई मंडल 3070, चिकित्सा परियोजनाओं के संचालन के लिए रो ई मंडल 3131 और 3132 के मुख्य समन्वयक के माध्यम से राज्य स्वास्थ्य सेवाओं के निदेशक, डॉ मोहम्मद राथर के साथ संपर्क कार्य शुरू किया। बाद में डॉ अब्दुल रौफ को रोटरी सर्जिकल प्रोजेक्ट के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया और नियमित बैठकों में स्वास्थ्य सचिव भूपिंदर कुमार ने उनका समर्थन किया।

कई ज़ूम बैठकें और कुशल पूर्व तैयारी के बाद, ''हमने जनरल सर्जन, स्त्री रोग विशेषज्ञ, आर्थोपेडिक्स, ईएनटी, प्लास्टिक और बाल चिकित्सा सर्जन, नेत्र रोग विशेषज्ञ और एनेस्थेसियोलॉजिस्ट की एक टीम बनाई - जिनमें से अधिकांश रो ई मंडल 3131 और 3132 के रोटेरियन डॉक्टर थे,'' परियोजना सलाहकार डॉ प्रधान ने याद किया। पीडीजी उपिंदर घई और डॉ जगत सुरिंदर (रो ई मंडल 3170); ऑन्को-सर्जन डॉ उमंग देसाई (रो ई मंडल 3060); और डॉ दर्शना शाह, डॉ मनीषा जगताप और डॉ उज्वला देवरे (रो ई मंडल 3030) भी इस परियोजना टीम में शामिल हुए।

सरकारी अस्पतालों में चिकित्सा सुविधाओं की जांच करने और मुख्य चिकित्सा अधिकारियों और अधीक्षकों के साथ बातचीत करने के लिए एक रोटरी टीम भेजी गई; जबकि गुने और राहुल फेज, एक रोटेरियन ने सितंबर में इस सर्जिकल प्रोजेक्ट को अंतिम रूप देने के लिए कश्मीर का त्वरित दौरा किया।

सभी सर्जिकल उपकरण, सुविधाएं और चिकित्सा आपूर्ति की व्यवस्था जम्मू-कश्मीर प्रशासन द्वारा की गई। ''स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों ने आशा कार्यकर्ताओं और स्वयंसेवकों के माध्यम से घर-घर जाकर सर्वेक्षण किया ताकि शिविरों के लिए मरीजों का नामांकन किया जा सके। यहाँ तक कि पर्याप्त संख्या में ओटी, उपकरण और प्रशिक्षित कर्मचारियों की कमी की शुरुआती बाधा को स्वास्थ्य

अधिकारियों द्वारा त्वरित खरीद, कर्मचारियों एवं उपकरणों के स्थानांतरण और ओटी में अतिरिक्त टेबल लगाने के माध्यम से दूर किया गया,'' प्रधान ने कहा।

चार राजस्व जिलों में 10 दिनों के रिकॉर्ड समय में 35 रोटेरियन डॉक्टरों की टीम द्वारा की गई 1,223 सफल सर्जरियों को देखने के बाद अनंतनाग मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के तत्कालीन अधीक्षक डॉ मलिक आबिद हुसैन ने चुटकी लेते हुए कहा, ''मुझे लगता है कि हमारे सर्जनों को भी भारत के अन्य हिस्सों में सेवा करने के लिए आपकी रोटरी टीमों के साथ जाना चाहिए। इस परियोजना ने कश्मीरियों के एक वर्ग के दर्द और पीड़ा को कम करके उनकी सद्भावना अर्जित की है।''

घातक बृहदांत्र से पीड़ित अनंतनाग के गुलाम रसूल (42) ने कहा, ''मैं दो महीने से भयानक दर्द से जूझ रहा था और मुझे सर्जरी की अत्यावश्यकता थी। मैं अपना जीवन अल्लाह के इन रसूलों को समर्पित करता हूँ।'' अन्य लाभार्थियों की प्रतिक्रियाएं भी उदार थीं।

ऑपरेशन थिएटर में उनकी टीम के साथ प्रोजेक्ट चेयर और लेप्रोस्कोपिक सर्जन पीडीजी डॉ गिरीश गुने (दाएं से दूसरे)।

पुलवामा की रहने वाली चार साल की बच्ची सारा इब्राहिम भट्ट, जिसकी जन्मजात द्विपक्षीय चकमक आँखों के लिए सर्जरी हुई थी, के माता-पिता ने कहा, ''अब हमारी बेटी को सामान्य दृष्टि मिल गई है। रोटरी मिशन की वजह से हम उसे सर्वश्रेष्ठ शिक्षा देंगे और उसे डॉक्टर बनाएंगे।'' अगर कोई सर्जिकल कैंप के लाभार्थियों की प्रतिक्रिया को संक्षिप्त में समझना चाहता है तो वो इस प्रकार है: ''अल्लाह ने आपको हमारी जान बचाने के लिए रोटेरियनों के रूप में भेजा है,'' अनंतनाग की रहने वाली शबाना खातून (32) ने कहा, जो एक बड़े गर्भाशय ट्यूमर से पीड़ित थी जिसकी वजह से मासिक धर्म के दौरान उनका बहुत खून बह जाता था।

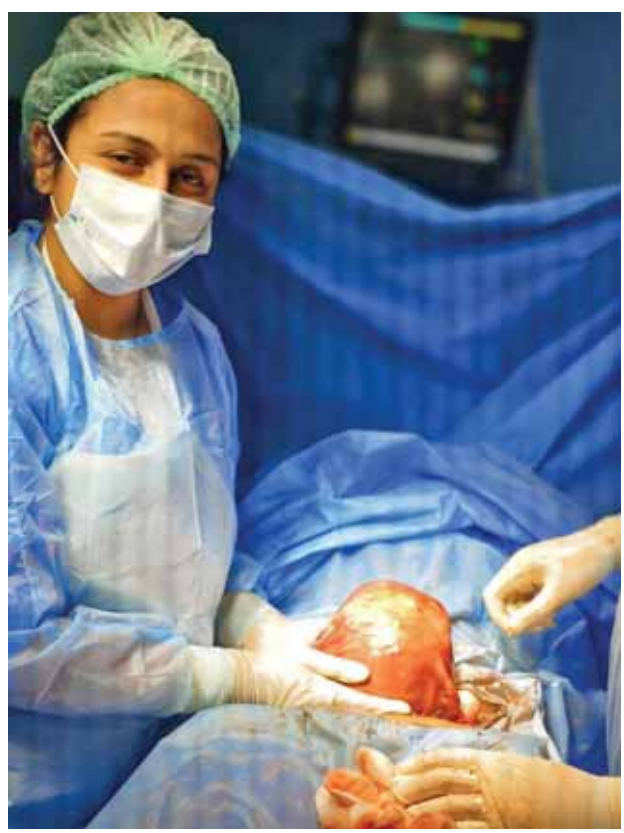

सर्जरी के दौरान स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ मीनल चिडगुपकर।

2012, 2022 और 2023 में कश्मीर में इन परियोजनाओं की सफलता के बाद केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर ने पीडीजी डॉ गिरीश गुने और डॉ राजीव प्रधान के नेतृत्व वाले रोटरी मेडिकल मिशन से पुंछ और राजौरी जिलों में विशेष रूप से इस वर्ष अप्रैल-मई में इसी तरह के चिकित्सा शिविर आयोजित करने का आग्रह किया है। डॉ गुने ने कहा, ''*मैं सर्जिकल कैंप* की अवधि, सर्जरी के प्रकार और स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों के साथ संपर्क करने के लिए दो अन्य रोटेरियन डॉक्टरों के साथ जल्द ही इन सीमावर्ती क्षेत्रों का दौरा करूंगा।''■

रो ई मंडल 5610 प्रतिनिधिमंडल ने गोरखपुर का दौरा किया

टीम रोटरी न्यूज़

रो ई मंडल 5610 के छह रोटेरियनों के एक प्रतिनिधि मंडल ने अक्टूबर 2023 में गोरखपुर का दो दिवसीय दौरा किया। पीडीजी पैट सुटलिफ के नेतृत्व में, टीम में विलिस सुटलिफ, गेरिट जफर, मिशेल जफर, जो गोमले और ऐनी गोमले शामिल थे।

उन्होंने सबसे पहले रोटरी क्लब गोरखपुर, रो ई मंडल 3120 द्वारा आयोजित एक बहुजिला बैठक में भाग लिया। गृह जिले और रो ई मंडल 3250, और 3292 (नेपाल) के 500 से अधिक रोटेरियन ने कार्यक्रम में भाग लिया, जिसकी अध्यक्षता रो ई निदेशक अनिरुद्धा रॉयचौधरी ने की।

अगले दिन, रोटरी क्लब गोरखपुर के निर्वाचित अध्यक्ष महाबीर प्रसाद कंदोई के साथ टीम ने विभिन्न सामुदायिक परियोजनाओं का दौरा किया, जिसमें गुरु श्री गोरखनाथ चिकित्सालय भी शामिल था, जहां रोटरी क्लब गोरखपुर ने दो चिकित्सा उपकरण दान किए थे - ₹54.75 लाख का एक अल्ट्रासाउंड सिस्टम और एक वैश्विक अनुदान के माध्यम से ₹40 लाख की ड्यूरा डायग्नोस्टिक F30 एक्स-रे मशीन।

गोरखपुर के बाहरी इलाके सोनबरसा के प्राथमिक विद्यालयों में से एक में, जिसे होम क्लब ने हैप्पी स्कूल में बदल दिया था, रोटेरियनों ने टीआरएफ के सकारात्मक प्रभाव को देखा - टेबल, बेंच, व्हाइटबोर्ड और स्मार्ट कक्षाओं सहित बेहतर बुनियादी ढांचे - और उन्होंने एवी सहायता का उपयोग करके संचालित की जा रही कक्षाओं का अवलोकन किया। रोटरी क्लब गोरखपुर ने 16 ग्रामीण प्राथमिक विद्यालयों को हैप्पी स्कूल में बदल दिया है।

आरआईडी 5610 के प्रतिनिधियों ने रोटरी क्लब गोरखपुर द्वारा परिवर्तित हैप्पी स्कूलों में से एक का दौरा किया।

टीम ने दौलतपुर में एक अन्य प्राथमिक विद्यालय का भी दौरा किया जहां क्लब ने लड़कियों के लिए निरंतर जल आपूर्ति, ओवरहेड टैंक, हैंडवाशिंग स्टेशन और शौचालय जैसे बुनियादी ढांचे को उन्नत किया था। ''इन हैप्पीस्कूलों ने शैक्षणिक प्रदर्शन में 20 प्रतिशत की वृद्धि, नगण्य ड्रॉपआउट और बेहतर उपस्थिति की सूचना दी है।'' कंदोई ने कहा, ''क्लब छात्र नामांकन में वृद्धि के कारण अधिक डेस्क-बेंच की मांग को संबोधित कर रहा है।''

यह यात्रा नेशनल एजुकेशन सोसाइटी के सहयोग से क्लब द्वारा संचालित एक परियोजना, सिंगर रोटरी स्किल सेंटर में संपन्न हुई। केंद्र, मसीखो और कमाओफ मॉडल अपनाते हुए, कम आय वाले समूहों के 55 से अधिक व्यक्तियों को सिलाई और कढ़ाई का प्रशिक्षण प्रदान करता है।■

क्लब द्वारा संचालित सिंगर रोटरी स्किल सेंटर में महिलाओं का प्रशिक्षण।

‘खुशी’ नए रिश्ते बनाती है

वी मुत्तुकुमारन

मानवीय रिश्तों को केवल उनकी अनुपस्थिति में ही महसूस किया जाता है क्योंकि हम अपने ‘प्रियजनों’ को याद करते है और उनसे जुड़े रहना चाहते है। अनाथ महिमा पाटिल (13) कहती हैं, ‘‘मुझे अपने दादा-दादी ठधड- के दौरान मिले और मैं रोटरी की आभारी हूँ जो उसने मुझे इतना खूबसूरत रिश्ता दिया,’’ 70 वर्षीय वैशाली राजशेखर भूतकर के लिए ‘‘यह बच्चों के इतने प्यार और स्नेह के साथ एक नए प्यारे घर में प्रवेश करने जैसा है।’’

रोटरी क्लब कोल्हापुर सनराइज, रो ई मंडल 3170 द्वारा आयोजित दो दिवसीय RYLA, खुशी ने इस अनूठे बंधन को बनाने में मदद की जब बाल कल्याण संकुल अनाथालय के 200 अनाथ बच्चे कोल्हापुर के एक मातोश्री वृद्धाश्रम के 25 बुजुर्गों से मिले। यह दो पीढ़ियों का एक साथ आने जैसा था और तुरंत ही उनमें पारिवारिक संबंध बन गए। क्लब के अध्यक्ष चंदन मिराजकर कहते हैं, बच्चों को बुजुर्ग नागरिकों के साथ हँसते-मुस्कराते हुए देखना हम रोटेरियनों के लिए दिल छू लेने वाला भावनात्मक अनुभव था क्योंकि ये बुजुर्ग अपने परिवारों द्वारा उपेक्षित हैं और एक विशेष घर में रहने को मजबूर हैं। इस कार्यक्रम को डीआरआर प्रांजल मराठे और जेडआरआर अभिजीत पाटिल के नेतृत्व में मंडल रोटरेक्ट द्वारा समर्थित किया गया। ‘‘यह दो पीढ़ियों के बीच एक तरह का मिलन समारोह था जो अपने खून के रिश्तों को याद करते हैं। और RYLA की समाप्ति पर विदा होते वक्त उनमें से अधिकांश रोने लगे क्योंकि तब तक बच्चे और बुजुर्ग एक दूसरे के साथ जुड़ चुके थे,’’ मिराजकर याद करते हैं। जब प्रांजल और पाटिल ने पिछले साल अक्टूबर में अनाथ और उपेक्षित बुजुर्गों को ‘‘एक मंच पर लाने हेतु इस परियोजना के विचार के साथ क्लब से संपर्क किया तो मैं तुरंत ही निधियन के साथ इसका समर्थन करने के लिए सहमत हो गया,’’ वह बताते है।

बच्चे डीजी नासिर बोरसदवाला को उपहार देने के लिए एक सफेद कपड़े पर अपनी हथेली की छाप लगाते हुए।

RYLA में कई अच्छे पल थे। कोल्हापुर के डी वाई पाटिल ‘‘अस्पताल के दौरे के दौरान बच्चों ने डीपीयू क्लिनिकल सिमुलेशन एंड स्किल्स लैब का एक निर्देशित दौरा किया जहां उच्च स्तरीय ध्वनि वाले पुतले कक्षा सीख को और बेहतर बनाने के लिए मेडिकल छात्रों को एक नियंत्रित वातावरण में एक व्यावहारिक अनुभव प्रदान करते हैं,’’ डीआरआर प्रांजल कहते हैं। उन्होंने दूध उत्पादन और वितरण की प्रक्रिया को जानने के लिए देश की सबसे बड़ी डेयरी सुविधाओं में से एक गोकुल दूध संयंत्र का भी दौरा किया।

बाल कल्याण संकुल में अनाथ बच्चों के साथ डीआरआर प्रांजल मराठे (बाएं) और ज़ेडआरआर अभिजीत पाटिल।

हालांकि मुख्य आकर्षण कनेरी मठ की यात्रा थी जो एक साधारण सेट-अप वाला सात एकड़ में फैला संग्रहालय है जिसमें जीवंत मूर्तियां है जो अपनी समृद्ध विरासत के साथ भारत के प्राचीन जीवन को दर्शाती हैं। पहले दिन बचपन के खेल खेले गए जिससे युवाओं और बुजुर्गों के बीच एक मजबूत रिश्ता बना, इसके बाद मिट्टी के बर्तनों की कार्यशाला आयोजित हुई। सभी के लिए प्राचीन और भुला दिए गए आत्मरक्षा के मार्शल आर्ट, मर्दानी खेल का प्रदर्शन किया गया। मिराजकर और प्रांजल दोनों इस विशेष RYLA को एक वार्षिक गतिविधि बनाने के लिए उत्साहित हैं।■

आइए तनाव को हराएँ

भरत और शालन सवुर

तनाव पाप के समान ही व्यक्तिपरक है। जैसा कि पहले कॉलम में कहा गया है, तनाव एक स्थिति है। कारण नहीं. यह व्यक्ति की मानसिक और भावनात्मक स्थिति का प्राणी है।

चिंतनशील होकर बोलते हुए, ध2घ याद है? वर्ष 1999 का गोधूलि क्षेत्र अगली शताब्दी: ध2घ (2000 ईस्वी) पर चर्चा, बहस और गंभीर अनुमान लगाने में बीता। कंप्यूटर, कंप्यूटर युग, वास्तव में दुनिया ही नष्ट होने वाली थी। पीछे मुड़कर देखने पर, ध2घ एक झूठा अलार्म था। एक विरोधी चरमोत्कर्ष क्योंकि कयामत के भविष्यवक्ता गलत साबित हुए। तो वापस। लेकिन आज, यह दुनिया के लिए अपने समय से थोड़ा आगे का एक पायलट प्रोजेक्ट प्रतीत हो सकता है। सुनामी (2004), विश्व बाज़ारों को वित्तीय और आर्थिक झटके (2008) निकट भविष्य के संकेत मात्र थे।

वह भविष्य यहीं है. बीमार हवाओं और बीमार दिमागों ने, जो अब केंद्र में हैं, प्रकृति को उत्तेजित और क्रोधित कर दिया है। कोविड और चक्रवात और तूफ़ान। औद्योगिक क्रांति के बाद से सामूहिक मनुष्य के तौर-तरीकों ने इसके अभिभावकों को क्रोधित कर दिया है। वैश्विक गति और तापमान में वृद्धि के साथ-साथ समय-समय पर होने वाले दैवीय कृत्यों की आवृत्ति में भी वृद्धि हुई है।

शरीर की लड़ाई-या-उड़ान प्रतिक्रिया पहले के विकास से अवचेतन में निर्धारित होती है। इसलिए, यूस्ट्रेस हमारे पंखों के नीचे की हवा है। यूस्ट्रेस उत्साह, तृप्ति, अर्थ संतुष्टि और कल्याण की सकारात्मक भावनाएं पैदा करता है।

विश्व आर्थिक मंच की *वैश्विक जोखिम रिपोर्ट* ने 'पॉलीक्राइसिस' शब्द गढ़ा है - जटिल प्रभावों के साथ संबंधित जोखिमों का एक समूह, जैसे कि समग्र प्रभाव प्रत्येक भाग के योग से अधिक होता है। जाहिर है, तनाव की भाषा एक नया शब्द उत्पन्न करती है जब पुराने शब्द अस्पष्ट या अपर्याप्त हो जाते हैं। बार-बार बोला गया एक कैच-वर्ड एक घिसे-पिटे शब्द में बदल जाता है। यहां उम्मीद है कि 'पॉलीक्राइसिस' एक बार की घटना है। और परिस्थितियों की उपरोक्त श्रृंखला निरस्त हो जाती है। ये घटनाएँ हमारे व्यक्तिगत नियंत्रण से ऊपर हैं। लेकिन, कम से कम उन पर हमारी प्रतिक्रियाओं को नियंत्रित किया जा सकता है। और काफी हद तक: नियंत्रित.

क्योंकि तनाव ऊर्जा को अवरुद्ध करता है, यूस्ट्रेस उसे उछाल और प्रवाहित करता है। यह फायदेमंद तनाव है - या तो मनोवैज्ञानिक, शारीरिक, या जैव रासायनिक। यह शब्द 1976 में एंडोक्रिनोलॉजिस्ट हंस सेली द्वारा पेश किया गया था। यूस्ट्रेस तनाव के ब्लूज़ से एक बाम की तरह आता है जब तनाव को प्रबंधनीय, सार्थक और वांछनीय माना जाता है।

अपने शरीर को आराम देने के लिए अपनी सांसों के प्रवाह पर काम करें। एक अच्छी गहरी साँस लें और कल्पना करें कि यह आपके हृदय और पेट में प्रवेश कर रही है। फिर, राहत की एक बड़ी सांस का अनुकरण करने के लिए अपने मुंह से सांस छोड़ें - महा।' कभी-कभी एक से तीन बार मदद मिलती है। और कभी-कभी इसमें अधिक समय भी लग जाता है। शायद 20 से 30 बार। लेकिन गहरी साँस लेने से निश्चित रूप से मदद मिलती है।

डॉ माइकल जेनोवर्स कहते हैं, 'यूस्ट्रेस सकारात्मक तनाव है।' म...एक मज़ेदार चुनौती से उत्तेजित तंत्रिकाओं का उत्पाद। यूस्ट्रेस हमें प्रेरित रहने, लक्ष्यों की दिशा में काम करने और जीवन के बारे में अच्छा महसूस करने में मदद करती है।'

शरीर की लड़ाई-या-उड़ान प्रतिक्रिया पहले के विकास से अवचेतन में निर्धारित होती है। इसलिए, यूस्ट्रेस हमारे पंखों के नीचे की हवा है। पेशेवर परामर्शदाता केसी ली, एम ए कहते हैं, ''यूस्ट्रेस उत्साह, तृप्ति, अर्थ संतुष्टि और कल्याण की सकारात्मक भावनाएं पैदा करता है।''

सीमाओं से परे

लाभ प्रचुर हैं। भावनात्मक रूप से, यूस्ट्रेस संतुष्टि, प्रेरणा, प्रेरणा और प्रवाह की सकारात्मक अनुभूति को बढ़ावा देता है। मनोवैज्ञानिक रूप से, यूस्ट्रेस हमारी आत्मनिर्भरता, स्वायत्तता और लचीलेपन को बढ़ाता है। शारीरिक रूप से, यूस्ट्रेस कठिन शारीरिक

कार्य को सक्षम बनाता है। और वर्कआउट के लिए अधिक सहनशक्ति।

एक पृथ्वीवासी के रूप में, आपके पास पहले से ही मतरलताफ, संभावित ऊर्जा मौजूद है। आपके शरीर का 70 प्रतिशत से अधिक हिस्सा तरल है। इसके लिए केवल ट्रिगर - यूस्ट्रेस की आवश्यकता होती है, जो क्षमता को किर्किंग गतिज ऊर्जा में परिवर्तित करता है और इसे आवश्यक, प्रासंगिक लक्ष्य तक पहुंचाता है। उदाहरण के लिए: आपका बॉस आपके लिए एक नया बिक्री लक्ष्य निर्धारित करता है। या फिर आपको कोई नया प्रोजेक्ट सौंप देता है। यूस्ट्रेस आपको अपनी मौजूदा शक्तियों और कौशल का लाभ उठाने में मदद करती है। या इससे भी बेहतर, नई मांग को पूरा करने की दिशा में अपने प्रयासों को बढ़ाएं। (संयोग से, हमें यह सुनकर खुशी हुई कि हमारी पुरानी समय-सीमा को अब समय-रेखा के रूप में वर्णित किया गया है।) नया शब्द (हमारे लिए) अपने आप में उस भयावह समय-सीमा के स्थान पर उत्थानकारी है, जिसने हमारे पेशेवर जीवन को इसके निहित भय के साथ तनावग्रस्त कर दिया है - इसलिए कल।

कृपया याद रखें, यूस्ट्रेस एक अल्पकालिक समाधान है। इसकी सहनशक्ति और रहने की शक्ति को बढ़ाने के लिए निरंतर और निरंतर प्रयासों की आवश्यकता होती है। यूस्ट्रेस विभिन्न और भिन्न गतिविधियों की प्रतिक्रिया या उत्तर भी हो सकता है: जैसे शुरू करना, रिश्ते को नवीनीकृत करना, शादी करना, नई नौकरी लेना आदि। संक्षेप में, आप नाम बताएं यह। यूस्ट्रेस का उत्तर हो सकता है और उसके पास भी हो सकता है।

यूस्ट्रेस को गले लगाने के लिए या अधिक सही ढंग से इसे आपको गले लगाने के लिए, यहां कुछ कदम दिए गए हैं: हर दिन कुछ नया सीखें, काम, खेल आदि में अपने आप को अपने आराम क्षेत्र से बाहर निकालें, नए लक्ष्य (व्यक्तिगत और पेशेवर) निर्धारित करें जो अभी भी चुनौतीपूर्ण हैं वास्तविक। अपनी प्रगति पर नज़र रखें और स्वयं के प्रति जवाबदेह बनें। अंत में, व्यायाम करें। इस बीच, आइए जश्न मनाएं। तनाव वह दलदल नहीं है जैसा हमने सोचा था। बूगी करने का समय।

लेखक फिटनेस फॉर लाइफ, *और*
बी सिम्पली स्पिरिचुअल - यू आर नैचुरली
डिवाइन *के लेखक है और* फिटनेस
फॉर लाइफ *कार्यक्रम के शिक्षक है।*

आपके गवर्नर्स

विवेक गर्ग

रियल एस्टेट, रोटरी क्लब कानपुर इंडस्ट्रियल

रो ई मंडल 3110

विविध परियोजनाओं के लिए सीएसआर अनुदान

विवेक गर्ग के मंडल में 149 क्लबों और 4,000 रोटेरियनों के साथ उन्हें 10 प्रतिशत सदस्यता वृद्धि होने का भरोसा है।

करण लेटेक्स से प्राप्त ₹28 लाख के सीएसआर अनुदान के माध्यम से डिजिटल क्लासरूम बोर्ड लगाए जा रहे हैं। हम आठ कंप्यूटर लैब स्थापित करेंगे (सीएसआर: ₹40 लाख); दो हैप्पी स्कूल (सीएसआर: ₹50 लाख) शुरू करेंगे। उनकी टीम पर्यावरण देखभाल के लिए एक वैश्विक अनुदान परियोजना करने की योजना बना रही है। लगभग 75 रक्तदान शिविरों में 2,500 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया; ''और हम 100 से अधिक ऐसे शिविरों के साथ इस वर्ष को पूरा करेंगे।''

1 जुलाई को 100 चिकित्सा शिविरों में 1,00,000 रोगियों की जांच की गई और ''हम 30 जून तक 200 स्वास्थ्य शिविर आयोजित करेंगे,'' वह मुस्कुराते हुए कहते हैं। *प्रोजेक्ट बेटी शिक्षित माता वंदित* के तहत जहाँ 2,500 छात्राओं को लंच बॉक्स, स्कूल बैग और स्टेशनरी प्रदान की जाएगी वहीं उनकी माताओं को साड़ी दी जाएगी। टीआरएफ को देने के लिए उनका लक्ष्य 100,000 डॉलर का है। वह 2007 में रोटरी में शामिल हुए जब उन्होंने ''विकलांगों को देखा जो शिविर में घिसटते हुए आए और कृत्रिम अंगों के साथ एक बड़ी सी मुस्कान लिए चलकर गए।''

अरुण कुमार मोंगिया

प्लाईवुड निर्माता, रोटरी क्लब जगधरी नॉर्थ

रो ई मंडल 3080

नए रोटेरियनों को शिक्षित करने की आवश्यकता

अरुण मोंगिया 15 प्रतिशत सदस्यता वृद्धि हासिल करने को लेकर आश्वस्त हैं, वह कहते हैं, ''हम 600 नए रोटेरियन जोड़ेंगे। पांच डायलिसिस केंद्र (वैश्विक अनुदान: 100,000 डॉलर), जो या तो अस्पतालों या धर्मार्थ समूहों से जुड़े हैं, स्थापित किए जा रहे हैं;'' सरकारी स्कूलों में सुरक्षित पेयजल सुविधाओं के साथ लगभग 10-12 शौचालय खंडों का नवीनीकरण किया गया और पांच नए खंड निर्माणाधीन हैं (वैश्विक अनुदान: 35,000 डॉलर); और 200 टीबी रोगियों को पोषण किटें (सीएसआर: 30,000 डॉलर) दी गई।

सीएसआर अनुदान और दान के मिश्रण के माध्यम से 35 सरकारी और निजी स्कूलों को 2,000 डेस्क-बेंच वितरित किए गए। ''हमने ग्रामीण छात्राओं को 1,000 गुलाबी साइकिलें दी। और अन्य 1,100 साइकिलें जल्द ही दी जाएंगी,'' वह बताते हैं। मंडल अनुदान (20,000 डॉलर) के माध्यम से दूरदराज के गांवों में 20 कंप्यूटर लैब और 20 कौशल केंद्र स्थापित किए जाएंगे; और अन्य 10,000 डॉलर का उपयोग क्लबों में 20 चिकित्सा उपकरण बैंकों के निर्माण के लिए किया जाएगा ताकि गरीब रोगियों को महत्वपूर्ण चिकित्सा उपकरण उधार दिए जा सकें। टीआरएफ के लिए उनका लक्ष्य 1 मिलियन डॉलर का है। वह 2000 में रोटरी की फैलोशिप और नेटवर्किंग से आकर्षित होकर इसमें शामिल हुए।

से मिलिए

वी मुत्तुकुमारन

मंजीत सिंह अरोरा

फैशन और आभूषण

रोटरी क्लब राउरकेला मिडटाउन, रो ई मंडल 3261

100% टीआरएफ को देने वाले क्लबों का लक्ष्य

सदस्यता में 15 प्रतिशत की वृद्धि के लक्ष्य के साथ, ''मैं स्कूलों में 25 इंटरेक्ट क्लबों के गठन के साथ ही 10 रोटरी और 10 रोटरेक्ट क्लबों को अधिकृत करूंगा,'' मंजीत सिंह अरोड़ा कहते हैं। वर्तमान में मंडल में 3,500 से अधिक रोटेरियनों के साथ 105 क्लब मौजूद हैं।

उनकी परियोजनाओं में एक नव-प्रसव एम्बुलेंस (वैश्विक अनुदान: 39,000 डॉलर); जबलपुर के एक कैंसर अस्पताल में सीटी सिम्युलेटर (वैश्विक अनुदान: 180,000 डॉलर) की स्थापना; एक कैंसर जांच वैन (वैश्विक अनुदान: ₹80 लाख) प्रक्रियाधीन है; और ओडिशा के झारसुगुडा में एक नेत्र अस्पताल (वैश्विक अनुदान: ₹75-80 लाख) शामिल है। उन्होंने दो सर्विकल टीकाकरण कार्यक्रमों की योजना बनाई है - 1,500 लड़कियों के लिए लगभग 5-7 टीकाकरण शिविर (वैश्विक अनुदान: 45,000 डॉलर)।

अरोड़ा ने टीआरएफ को देने के लिए 5,00,000 डॉलर का प्रावधान किया है। वह क्लबों को 100 प्रतिशत टीआरएफ को देने वाले क्लब बनने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। वह द्वितीय स्तर के एक प्रमुख दानकर्ता है। उन्हें एक एकेएस सदस्य को शामिल करने की उम्मीद हैं और एक मौजूदा एकेएस सदस्य अगले स्तर पर जाने के लिए तैयार है।

घनश्याम कांसल

टेक्स्टाइल्स, रोटरी क्लब सुनाम, रो ई मंडल 3090

महिला रोटेरियनों का सशक्तिकरण

घनश्याम कांसल कहते हैं, ''हम महिलाओं को परियोजनाओं को शुरू करने के लिए प्रोत्साहित करने के साथ ही उन्हें रचनात्मक स्वतंत्रता प्रदान करके सशक्त बना सकते हैं।'' इस वर्ष शामिल होने वाले 500 नए सदस्यों में से 150 महिलाएं होंगी; और 25 नए क्लबों में से, 20 पहले ही अधिकृत हो चुके है। उनमें से चार अखिल महिला क्लब थे। वर्तमान में 125 क्लबों में 2,800 सदस्यों में से 290 महिला रोटेरियन हैं।

सुनाम में एक रोटरी नेत्र अस्पताल (वैश्विक अनुदान: 100,000 डॉलर) बनाया जा रहा है; और रोटरी क्लब मनसा रॉयल द्वारा एक सरकारी अस्पताल में एक डिजिटल एक्स-रे इकाई (वैश्विक अनुदान: 30,000 डॉलर) स्थापित की गई। राइसेला समूह कक्षा 9-12 के 4,000 छात्रों की स्कूल फीस को प्रायोजित करने के लिए रोटरी क्लब धुरी को 50,000 डॉलर का सीएसआर अनुदान प्रदान कर रहा है।

उनका गृह क्लब डॉ. गगनदीप रोटरी पब्लिक स्कूल चला रहा है जिसमें सालाना कम से कम 200 परियोजनाएं आयोजित की जाती हैं। कांसल का लक्ष्य टीआरएफ के लिए 280,000 डॉलर इकट्ठा करना है। वह एक इंटरेक्टर और एक पूर्व डीआरआर रहे है। शुरू में, ''मैं रोटरी की तरफ आकर्षित हुआ क्योंकि यह फैलोशिप और नेटवर्किंग का एक बढ़िया मंच था,'' वह मुस्कुराते हुए कहते हैं।

एन कृष्णमूर्ति द्वारा रूपरेखा

सूर्य को नमस्कार

प्रीति मेहरा

2024 में ग्लोबल वार्मिंग को कम करने के लिए सोर ऊर्जा प्रणाली स्थापित करें।

सौर ऊर्जा एक ऊर्जा संसाधन है जिस पर अभी तक स्वामित्व नहीं है - कोई भी सूर्य पर कर नहीं लगाता है! सुबह से शाम तक, सूर्य पृथ्वी के साथ अपनी गर्मी साझा करता है। और भारत में, जो भूमध्य रेखा के करीब स्थित है, हर जगह प्रचुर मात्रा में सूरज की रोशनी होती है वर्ष। सौर ऊर्जा, जैसा कि सर्वविदित है, सबसे स्वच्छ और हरित ऊर्जा संसाधन है जिसका हम आसानी से उपयोग कर सकते हैं।

तो, क्यों न 2024 को वह वर्ष बनाया जाए जब आप सौर ऊर्जा को अपनाकर और इसे अपने घर में उपयोग करके एक स्थायी जीवन शैली अपनाने की दिशा में अपना पहला कदम उठाएंगे? यदि आपने पहले ही ऐसा कर लिया है तो आपने जो शुरू किया है उसे आगे बढ़ा सकते हैं और ग्रिड से बिजली पर अपनी निर्भरता कम कर सकते हैं।

यदि आप एक स्वतंत्र घर में रहते हैं, तो छत पर सौर प्रणाली लगाना अच्छा रहेगा। जो लोग हाउसिंग सोसाइटी में एक फ्लैट के मालिक हैं, वे अन्य सदस्यों को अपार्टमेंट ब्लॉक की छत पर ऊर्जा-बचत प्रणाली

में संयुक्त रूप से निवेश करने के लिए मना सकते हैं। अच्छी खबर यह है कि केंद्र सरकार ने जनवरी में देश में नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ाने के लिए घरों में सौर इकाइयां स्थापित करने के लिए बढ़ी हुई सब्सिडी की घोषणा की। यह आपके लिए 2024 में सौर ऊर्जा चालू करने के लिए अतिरिक्त प्रेरणा होनी चाहिए।

संयोग से, सौर ऊर्जा प्राप्त करने की तकनीक ने बड़ी प्रगति की है और आने वाले वर्षों में भी ऐसा करना जारी रहेगा। तो सौर ऊर्जा को विद्युत ऊर्जा में कैसे परिवर्तित किया जाता है? सीधे शब्दों में कहें तो, जब सूर्य के फोटॉन छत के सौर पैनल से टकराते हैं, तो वे प्रत्यक्ष धारा (डीसी) के इलेक्ट्रॉनों में परिवर्तित हो जाते हैं। छत के सौर पैनल इनवर्टर के साथ आते हैं, जो बदले में प्रत्यक्ष विद्युत धारा को प्रत्यावर्ती धारा (एसी) में परिवर्तित करते हैं, जो कि होते हैं घर में रोशनी, पंखे, रेफ्रिजरेटर, लैपटॉप और अन्य उपकरणों को बिजली देने के लिए उपयोग किया जाता है।

आपके द्वारा स्थापित सौर पैनल 25 वर्षों तक चलते हैं, और उन पर आपके द्वारा किया गया निवेश लगभग चार से पांच वर्षों में वापस मिल सकता है। इसलिए, सौर ऊर्जा कई मामलों में विजेता है - यह न केवल आपको अच्छा महसूस कराती है क्योंकि आप जीवाश्म ईंधन बचा रहे हैं और ग्रह की मदद कर रहे हैं, बल्कि यह 60 प्रतिशत सस्ती भी है और लंबे समय में आपको लगभग मुफ्त ऊर्जा देती है।

एक मित्र जो सौर ऊर्जा विशेषज्ञ है, का कहना है कि 1.5 किलोवाट क्षमता प्रणाली स्थापित करने के लिए आपको अपनी छत पर सौर पैनलों को समायोजित करने के लिए पर्याप्त जगह की आवश्यकता है। और ऐसी प्रणाली चार या पांच सदस्यों वाले परिवार की बुनियादी जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त विद्युत ऊर्जा उत्पन्न करेगी। यह उपयोग की जा रही बिजली को पूरक करके, ग्रिड से आपूर्ति की गई बिजली पर आपकी निर्भरता को कम कर सकता है और बदले में आपके बिजली बिल में स्वस्थ कटौती को प्रतिबिंबित करेगा। और छत पर सौर इकाइयों के बारे में सबसे अच्छी बात यह है कि उन्हें बहुत कम रखरखाव की आवश्यकता होती है और इन्हें किया जा सकता है। पूरे घर या विशिष्ट अनुप्रयोगों के लिए सेट अप करें और अपनी आवश्यकताओं के अनुसार अनुकूलित करें।

यदि आप सोलर सिस्टम स्थापित करने पर विचार कर रहे हैं, तो रूफटॉप सोलर कंपनी को कॉल करना सबसे अच्छा होगा। इसके विशेषज्ञ आपको सटीक गणना देंगे और आपकी मांग को स्थापित किए जाने वाले सिस्टम की क्षमता और आपके द्वारा इसके लिए आवंटित की जा सकने वाली जगह से मिलाएंगे। सौर पैनल स्थापना के लिए पूंजीगत लागत भी पिछले कुछ वर्षों में गिर रही है, इसलिए यह सलाह दी जाएगी कि एक से अधिक खिलाड़ियों से बात करें और किसी ऐसे खिलाड़ी पर ध्यान केंद्रित करने से पहले उनके प्रतिस्पर्धी उद्धरण प्राप्त करें जो आपकी आवश्यकताओं के लिए सबसे उचित और उपयुक्त हो।

आज हमारे पास सौर हाइब्रिड इनवर्टर हैं जिनमें बाद में उपयोग के लिए ऊर्जा भंडारण को सक्षम करने के लिए अंतर्निहित बैटरी कनेक्शन हैं और ब्लैकआउट होने पर पावर बैकअप के रूप में कार्य कर सकते हैं। कई प्रणालियों में रिमोट कंट्रोल और मॉनिटरिंग तकनीक भी होती है जिसके माध्यम से सौर प्रणाली के मालिक इसके प्रदर्शन की निगरानी कर सकते हैं और देख सकते हैं कि यह उनके लिए कितनी बचत ला रहा है।

लेकिन सौर ऊर्जा का एक नकारात्मक पहलू भी है। ऐसे दिन भी हो सकते हैं जब सूरज की रोशनी कम हो और पैनल पर्याप्त ऊर्जा उत्पन्न करने में विफल हो जाएं। लेकिन पश्चिमी देशों में यह अधिक समस्या है जब कई दिनों तक सूरज बहुत कमजोर रहता है। लेकिन भारत जैसे उष्णकटिबंधीय देशों में, प्रतिकूल मौसम की स्थिति और सर्दियों के महीनों में थोड़े समय के अंतराल को छोड़कर सूरज समान रूप से मजबूत होता है। लेकिन ऐसी स्थितियों से निपटने के लिए अब बैकअप के तौर पर स्टोरेज बैटरी मौजूद है। सौर ऊर्जा को अब संग्रहीत किया जा सकता है और बाद में उपयोग किया जा सकता है, जिससे यह गैर-धूप वाले घंटों में भी उपयोग में आ सकती है।

सौर ऊर्जा और हाइड्रोजन को अक्सर भविष्य के ईंधन के रूप में देखा जाता है। चूँकि दुनिया ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन से जूझ रही है, इसलिए यह जरूरी है कि सभी जिम्मेदार नागरिक पृथ्वी को एक सुरक्षित और हरित जगह बनाने की दिशा में अपना योगदान दें। और ऐसा करने का सौर ऊर्जा पर स्विच करने से बेहतर तरीका क्या हो सकता है!

इसके अलावा, यदि हम एक उदाहरण स्थापित करते हैं, तो अन्य लोग भी इसका अनुसरण कर सकते हैं। जब पड़ोसियों, दोस्तों और सहकर्मियों को आपकी पहल से होने वाले लाभों के बारे में पता चलेगा, तो वे अपने घरों और कार्यालयों में छत पर सौर पैनल स्थापित करने में रुचि ले सकते हैं। और यदि वे ऐसा नहीं भी करते हैं, तो भी आप ऊर्जा के एक आत्मनिर्भर स्रोत का आनंद ले सकते हैं जो आपको पावर ग्रिड से कुछ हद तक स्वतंत्रता देता है और बिजली कटौती के दौरान आपको परेशान करता रहता है।

उसके लिए सूर्य नमस्कार...

लेखिका एक वरिष्ठ पत्रकार हैं,
जो पर्यावरण के मुद्दों पर लिखती हैं।

Rotary PEOPLE OF ACTION

एक झलक

टीम रोटरी न्यूज़

कार रैली ने जलवायु परिवर्तन के प्रति किया जागरूक

ज़ोन इंस्टीट्यूट में रोटरी क्लब चेन्नई मेराकी के सदस्यों के साथ (बाएं से) पीआरआईडी ए एस वेंकटेश, टीआरएफ न्यासी लैरी लुंसफोर्ड, रो ई निदेशक टी एन सुब्रमण्यन, रो ई अध्यक्ष गॉर्डन मेकिनली, आरआईपीएन मारियो डी कैमारगो, पीआरआईपी के आर रवींद्रन और टीआरएफ उपाध्यक्ष भरत पांड्या।

रोटरी क्लब चेन्नई मेराकी, रो ई मंडल 3232 द्वारा आयोजित 6वीं वार्षिक कार रैली जिसने 14 दिनों में 5,905 किमी की दूरी तय करते हुए जलवायु परिवर्तन और प्रकृति संरक्षण को बढ़ावा दिया। नल्ली कुप्पुसामी ने क्लब के सदस्यों और रोटरी नेताओं की उपस्थिति में इस रैली को हरी झंडी दिखाई। इस रैली ने बेंगलुरु रोटरी जोन संस्थान में भी एक पड़ाव लिया।फ■

कलकत्ता के सरकारी स्कूलों के लिए वाटर फिल्टर

दान किए गए वाटर फिल्टर के सामने विद्यार्थी।

रोटरी क्लब कलकत्ता, रो ई मंडल 3291 ने *प्रोजेक्ट प्राणधारा* के माध्यम से कोलकाता के 75 सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों को 150 वाटर फिल्टर वितरित किए। इस परियोजना की कुल लागत ₹10 लाख थी।■

शिमोगा में मानव दूध बैंक

एक मां अपने शिशु को अमृता बिंदु का दूध देती हुई।

रोटरी क्लब शिमोगा सेंट्रल, रो ई मंडल 3182 ने सरजी ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स और रोटरी क्लब सेंट्रल चेस्टर काउंटी (लायनविले), यूएसए, रो ई मंडल 7450 के सहयोग से शिमोगा में एक मानव दूध बैंक - अमृत बिंदु - की स्थापना की। 200 लीटर की प्रसंस्करण क्षमता वाला यह केंद्र प्रसंस्कृत दूध का 40 प्रतिशत सरकारी मैकगैन अस्पताल को दान करेगा। इस वैश्विक अनुदान परियोजना की लागत ₹50 लाख है।■

नेत्र उपकरण दान किए गए

नेत्र देखभाल उपकरण दान करने के बाद साबरकांठा सामुदायिक रोटरी आई केयर सेंटर में रोटेरियन।

रोटरी क्लब वडाली राउंडटाउन, रो ई मंडल 3055 और रोटरी क्लब शेवरले कनाडा, रो ई मंडल 7090 ने एक वैश्विक अनुदान साझेदारी के माध्यम से ग्रामीण गुजरात में पांच नेत्र देखभाल केंद्रों को उपकरण दान किए। इस परियोजना की कुल लागत ₹25.40 लाख थी।■

पोलियो मुक्त विश्व के लिए 2022-23 सेवा पुरस्कार

टीआरएफ ट्रस्टियों ने रोटरी के पोलियो उन्मूलन प्रयासों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले सदस्यों को सम्मानित करने के लिए पोलियो मुक्त दुनिया के लिए सेवा पुरस्कार की स्थापना की। सदस्य क्षेत्रीय या अंतर्राष्ट्रीय सेवा के लिए व्यक्तियों को नामांकित कर सकते हैं।

यहां सूचीबद्ध सदस्यों को 2022-23 पुरस्कार प्राप्त हुआ।

जे श्रीधर, RID 3232
शिवकुमार जे एम, RID 3190
नरसिंह रामचन्द्र जोशी, RID 3170
सासंका महापात्रा, RID 3262
रबिंदरजीत सिंह पनेसर, RID 3240
श्यामश्री सेन, RID 3291
परमेश्वर शिगगांव, RID 3182
एन सुब्रमण्यन, RID 3011
लक्ष्मणन वीरप्पन, RID 3000

दिसंबर 2023 तक मंडल टीआरएफ योगदान

(अमेरिकी डॉलर में)

मंडल संख्या	एनुअल फण्ड	पोलियो प्लस फंड	एंडोमेंट फण्ड	अन्य निधि	कुल योगदान
India					
2981	18,676	875	1,000	0	20,551
2982	20,112	694	7,085	8,857	36,749
3000	60,832	290	0	26,171	87,293
3011	94,885	21,603	26,089	183,587	326,164
3012	10,630	50	0	65,588	76,269
3020	100,063	13,444	30,223	49,025	192,755
3030	50,145	27,248	4,275	187,574	269,242
3040	3,028	108	0	25	3,161
3053	18,314	0	0	12,439	30,753
3055	61,747	2,260	30	6,228	70,265
3056	16,246	125	0	0	16,371
3060	58,485	9,515	200	114,793	182,993
3070	3,985	20	0	0	4,005
3080	78,484	19,786	0	11,184	109,454
3090	37,477	1,113	8,000	5,121	51,711
3100	62,350	2,687	25,301	22,456	112,795
3110	10,476	30	0	79,348	89,854
3120	33,325	129	0	0	33,454
3131	333,808	7,535	85,098	422,875	849,315
3132	76,199	4,558	10,000	20,051	110,808
3141	233,474	11,082	59,012	439,873	743,442
3142	236,442	33,263	14,500	8,846	293,051
3150	30,768	30,478	160,411	73,365	295,022
3160	9,588	1,051	0	0	10,639
3170	58,758	26,577	12,700	70,534	168,568
3181	62,922	1,930	0	75	64,927
3182	28,317	4,606	0	0	32,922
3191	28,702	5,366	60,976	286,416	381,459
3192	44,213	8,767	0	46,198	99,177
3201	67,196	43,609	45,684	986,848	1,143,337
3203	13,872	14,858	1,220	15,550	45,500
3204	14,099	2,535	0	14,574	31,208
3211	34,454	4,236	27,325	94,924	160,940
3212	45,869	18,206	0	51,853	115,927
3231	3,232	2,135	0	0	5,367
3232	34,936	16,675	14,005	815,812	881,428
3240	60,226	8,158	0	86,571	154,955
3250	21,871	2,951	26	10,298	35,147
3261	11,313	968	0	28,978	41,259
3262	29,473	3,886	1,000	2,575	36,934
3291	87,735	2,242	41,646	1,050	132,673
3220 Sri Lanka	27,110	3,154	0	873	31,137
3271 Pakistan	15,150	72,053	0	20,402	107,606
3272 Pakistan	4,342	385	0	25	4,752
3281 Bangladesh	80,569	2,105	3,000	264,728	350,403
3282 Bangladesh	91,336	4,472	1,000	9,116	105,924
3292 Nepal	138,818	20,556	13,000	77,421	249,796

वार्षिक कोष (AF) में SHARE, फोकस के क्षेत्र और विश्व कोष शामिल हैं।
पोलियोप्लस में बिल और मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन शामिल नहीं है।
स्रोत: रो ई दक्षिण एशिया कार्यालय

शब्दों की दुनिया

शब्दों की बुनाई

संध्या राव

हम मुश्किल हालात में जी रहे हैं और जैसे-जैसे समय बीतता जायेगा, हालात और बिगड़ते जाएंगे। इतिहास, सभ्यताएँ, मान्यताएं, ज्ञान, यहाँ तक कि जानकारी भी काल के एक अंतहीन वर्तुल में घूमती रहती है; आप जितना आगे बढ़ते हैं, अंतिम छोर और आगे खिसक जाता है। स्पष्ट शब्दों में : यह भ्रामक है। यही कारण है कि इस वर्तुल को समझने के लिए, धागों को सुलझाने के लिए और जीवन के चित्रपट को बोधगम्य बनाने के लिए लोग आस्था, ध्यान, काम करने, खेलने, एकांतवास आदि की शरण में जाते हैं । मेरा मानना है कि किताबें और पठन इस चित्रपट के आदर्श सहयोगी हैं: वे गुत्थियों को सुलझाने में मदद करते हैं और रचनात्मक डिजाइनों को प्रेरित करते हैं। मौलिक रूप से, हालांकि, वे मनोरंजन ही करती हैं।

हाल ही में, बच्चों के प्रकाशकों की ओर से एक सक्रिय कदम उठाया गया है कुछ लेखकों की रचनाओं पर 'लीपापोती' करने के लिए, जिन पर अब पूर्वव्याप्त राजनीतिक अशुद्धियों का आरोप है। उदाहरण के लिए, एनिड ब्लीटन, जिनको कुछ लोग उनकी पुस्तकों की वजह से नस्लवादी मानते हैं, जिनका, यूँ कहें कि भारत में बड़े पैमाने पर अंग्रेजी प्रेमी पाठक वर्ग ने आनंद लिया है। देखा जाए तो, एक समय में, वे पढ़ने के लिए बेताब बच्चों का मुख्य आहार *(फेमस फाइव, नोडी, मैलोरी टावर्स)* हुआ करती थीं। आज कई वयस्क उनकी किताबों को पढ़ते हुए बड़े हुए हैं। दूसरा व्यक्ति जो इस आंदोलन का शिकार है, वह है रोनाल्ड डाहल *(चार्ली एंड द चॉकलेट फैक्ट्री, मटिल्डा)*।

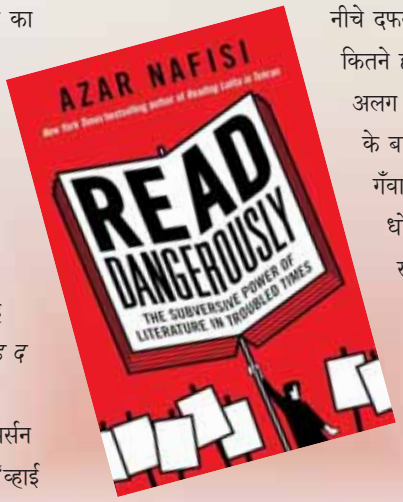

मैनलिविंग की शॉन एमर्सन की एक इंस्टाग्राम पोस्ट में 'व्हाई ब्वॉयज स्टॉप रीडिंग?' शीर्षक से एक ऑनलाइन लेख में लेखक मैट हैग *(द मिडनाइट लाइब्रेरी)* को उद्धृत करते हुए टिप्पणी की गई है: 'आप केवल हाल के रोनाल्ड डाहल के पुनर्संपादित प्रसंग को लीजिये। एक प्रहसन जिसमें Z पीढ़ी के बारे में अपमानजनक कुछ था ही नहीं बल्कि कॉर्पोरेट लालच और डर के बारे में ज़्यादा था। रोनाल्ड डाहल वो लेखक हैं जिन्हें भद्दापन पसंद है। और अब रोनाल्ड डाहल को पढ़ चुके पुराने लोगों में एक चिंता उपजी है, Z पीढ़ी नहीं चाहती कि उनकी Z पीढ़ी की संतान भद्दी चीजें पढ़े क्योंकि किताबें हमें बेहतर बनाने के लिए हैं।' जबकि हैग का तर्क है कि किताबें मनोरंजन के रूप में देखी जानी चाहिए, जैसे फिल्म, यूट्यूब, वीडियो गेम, न कि पढ़ने / सीखने के उपकरण के रूप में। इसे उन्हीं के शब्दों में कहें तो: 'युवाओं को आमतौर पर जोखिम भरी चीजें पसंद हैं। उनका प्रीफ्रंटल कॉर्टेक्स (मस्तिष्क का अग्र भाग) अभी भी पूर्ण विकसित नहीं है, इसलिए उन के दिमाग में कल्पना का बोझ बहुत है और सावधानी नगण्य।'

वयस्कों के लिए लिखी गई पुस्तकों से की जाने वाली अपेक्षाएँ कहीं न कहीं पढ़ने / सीखने- के पक्ष को दबा देती हैं, कुछ अन्य चीजों के साथ। मेरा सोचना ये है कि हम वयस्कों पर भी 'कल्पना का भारी भरकम बोझ' होता है जिसे अनजाने में हम सावधानी की गलत मान्यताओं, पूर्वकल्पित धारणाओं, स्त्री-द्वेष, सामाजिक दबाव आदि के नीचे दफना देते हैं। भले पढ़ने के कितने ही कथित लाभ हों, उन्हें अलग रखते हुए, उन खुशियों के बारे में सोचें जिन्हें आप गँवा रहे हैं! इसीलिए, जब मैं धोखेबाज़ों, चालबाजों और स्वयंभू ईश्वर-पुरुषों द्वारा लोगों को इधर-उधर हांकते हुए देखती हूं, तो मन में एक विचार कौंधता है: शायद , वे ज्यादा कुछ नहीं पढ़ते होंगे। उनके आदेश के अनुसार नियंत्रण में रहना, कितना मजेदार हो सकता है?

मनुष्य सोचते हैं, बोलते हैं, तर्क करते हैं। अध्ययन हमारे दिमाग को कई चीजों से जोड़ता है, खासकर हमारे अनुभवों और हमारी कल्पनाओं को तो आपस में जोड़ता ही है। इन सब से और अन्य आंतरिक क्रियाओं से विचारों का उद्गम होता है और उन्हें प्रतिबिंबित करने के साथ चिंतन करने की क्षमता का विकास होता है। खुला छोड़ दें। सुनें और सुनाएं। विचारों की यह श्रृंखला स्वाभाविक रूप से किताबों की ओर ले गई, विशेष रूप से किताबों के बारे में किताबें, किताब की दुकानों, पढ़ने के बारे

> किताबें इकट्ठा करना वैसा ही है जैसे सितारों को देखना: आप सितारों का मालिक नहीं बनना चाहते, नाही किताबों या उनमें उपलब्ध ज्ञान पर अधिकार ज़माना चाहते।

में। जो निकल के आया उसका एक छोटा सा नमूना यहां दिया गया है, बिना किसी विशेष क्रम के। हालाँकि, ख्याल रहें, यह विभिन्न भाषाओँ में लेखन की दुनिया के विशाल और विविध समुद्र तटों पर पड़ा रेत का मात्र एक छोटा सा कण है।

शाउना रॉबिन्सन की *द बैन्ड बुकशॉप ऑफ मैगी बैंक्स* से शुरु करना ठीक रहेगा क्योंकि इस बुकशॉप की अलमारियां ज्यादातर क्लासिक्स से भरी हुई हैं और इस जगह की लोकप्रियता बढ़ाने में जो सहायक है, केवल लीक से हट कर सोच है। मेरे अंदर जो चीज जिज्ञासा पैदा करती है वो ये कि वे एक गोपनीय पुस्तक क्लब शुरू करते हैं जहाँ लोग निषिद्ध पुस्तकें पढ़ते हैं! दूसरी वो पुस्तक है जिसे जिसे मैं काफी समय से ढूंढ रही थी, पहली बार एक मित्र के हाथ में देखी थी। उसके बाद मैंने इसकी दो प्रतियां ली हैं, *द बुक थी* : लेखक मार्कस ज़ुसाक, एक प्रति लेखक द्वारा हस्ताक्षरित है। ये पुस्तक द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान जर्मनी पर लिखी गई है, एक युवा लड़की किताबें चुराती है और फिर धीरे-धीरे उन्हें पढ़ना सीखती है। एक सुराग यहाँ भी: इसकी कथावाचक मृत्यु है! प्यार के लिए चोरी, ये विषय है एलिसन हूवर बार्टलेट की लिखी *द मैन हू लव्ड बुक्स टू मच: द ट्रू स्टोरी ऑफ ए थीफ, ए डिटेक्टिव, एन्ड ए वर्ल्ड ऑफ लिटरेरी ऑब्सेशन।*

जॉन चार्ल्स गिल्की को किताबें इतनी पसंद हैं कि वह उन्हें इधर, कैसे भी, कहीं से भी, हर जगह से चुरा लेता है। एक पुस्तक विक्रेता उसका पीछा करते हुए पकड़ लेता है, अंततः उसे खुद किताबों से इश्क़ हो जाता है!

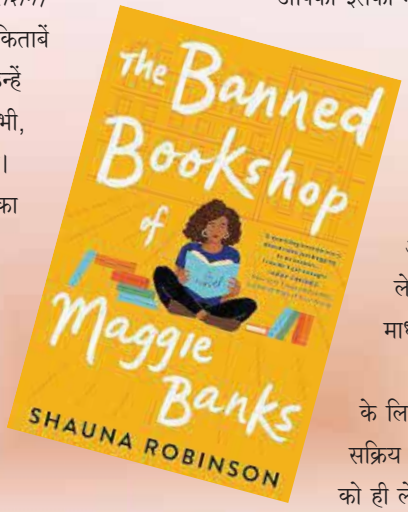

सारा निशा एडम्स लिखित *द रीडिंग लिस्ट* में, नायक को हार्पर ली की किताब *टू किल ए मॉकिंग बर्ड* की प्रति में रखी उन किताबों की सूची मिलती है, जिन्हें उसने कभी नहीं पढ़ा। उस सूची की सभी किताबें पढ़ने की उसकी योजना उसे एक अद्भुत यात्रा पर ले जाती है। नीलांजना रॉय के पास नामक निबंधों का एक संग्रह है, *द गर्ल हू एट बुक्स*। वह *द वाइल्डिंग्स* की लेखिका हैं, जो दिल्ली में जंगली बिल्लियों पर आधारित एक रोमांचक थ्रिलर है। किताबें इकट्ठा करने के बारे में वह क्या कहती है, पढ़िए: किताबें इकट्ठा करना वैसा ही है जैसे सितारों को देखना: आप सितारों का मालिक नहीं बनना चाहते, नाही किताबों या उनमें उपलब्ध ज्ञान पर अधिकार ज़माना चाहते। आप बस इतना उम्मीद करते हैं कि कौतुहल की परत हटाएँ, यह स्वीकार करें कि एक वयस्क के रूप में, अभी भी आपका कुछ हिस्सा है जो हमेशा दुनिया और शब्दों के कौतुहल और प्रेम में लिप्त रहता है।

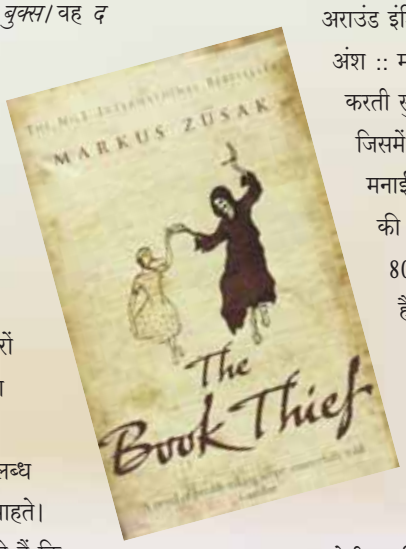

वर्ड्सवर्ल्ड (शब्दों की दुनिया)। सरकारें/नेता यदा कदा किताबों पर प्रतिबंध क्यों लगाते हैं? *रीडिंग लोलिता इन तेहरान* के लिए मशहूर अजर नफीसी की किताब *रीड डेंजरसली* में आपको इसका मतलब समझ में आ सकता है। वह पढ़ने को एक राजनीतिक उपकरण के रूप में देखती है, मार्गरिट एटवुड, जेम्स बाल्डविन, टोनी मॉरिसन और सलमान रुश्दी जैसे लेखकों के लेखन पर चर्चा के माध्यम से ।

कुछ लेखक अपनी पुस्तकों के लिए सामग्री की तलाश में सक्रिय रहते हैं। मोनिशा राजेश को ही लें, जिन्होंने *अराउंड इंडिया इन 80 ट्रेन्ज* और *अराउंड द वर्ल्ड इन 80 ट्रेन्ज* लिखी हैं। यह देखते हुए कि इस कॉलम को लिखने के समय लगभग 1000 ट्रेनें अयोध्या की ओर जाने के लिए तैयार हैं, आइए देखें कि मोनिशा की नाव किस दिशा में बढ़ रही थी । 5 दिसंबर 2020 के द *गार्जियन* में छपा, अराउंड इंडिया किताब का एक अंश :: म... नवंबर में रिमझिम करती सुबह मैंने एक लेख पढ़ा जिसमें इस बात की खुशी मनाई गई थी कि कैसे भारत की घरेलू एयरलाइंस अब 80 शहरों को जोड़ सकती हैं... हालाँकि, लागत... कम आकर्षक थी ... जब तक कि मैंने पूरे मानचित्र पर फैले धागों के जाल पर ध्यान नहीं दिया, मोटी धमनियाँ सुन्दर केशिकाओं में बदल रही थी। वे पहाड़ों को चीरते हुए, तटों की तुरपाइ करते, शहरों और राज्यों को जोड़ते हुए, हर नुक्कड़ और गली तक पहुँच गइ थी। यह थी भारतीय रेलवे, वह जीवनरेखा जो देश के दिल में धड़कती रहती है।फ

ब्रिटिश लेखिका एन मॉर्गन ने एक साल के भीतर दुनिया के हर देश की कम से कम एक किताब पढ़ने का फैसला किया। उनकी पेशकश *द वर्ल्ड बिटवीन टू कवर्स :रीडिंग द ग्लोब* हमारे जैसे पुस्तक प्रेमियों के लिए लिखी गई है! और उनके लिए, जिनकी अलमारियों में बिना पढ़ी किताबें रखी हैं, सुसान हिल ने *हॉवर्ड्स एण्ड इज ऑन द लैंडिंग: ए ईयर ऑफ रीडिंग फ्रॉम होम* लिखी है। कहानी यह है कि वह अपनी लाइब्रेरी में ईएम फोर्स्टर की पुस्तक *हॉवर्ड्स एण्ड* ढूंढ रही थी, तभी उसे पता चला कि उसके पास जो किताबें रखी थीं, उनमें से बहुत सी उसने नहीं पढ़ी हैं। उसने पूरे साल तक एक भी किताब नहीं खरीदने का निर्णय किया जब तक कि वह सारी किताबें पढ़ न ले।

तो, फिर आपने क्या सोचा है?

स्तंभकार बच्चों की लेखिका और वरिष्ठ पत्रकार हैं।

TRF Star Performers (2022–23)

Trophy	Zone 4	Zone 5
Highest Contribution to TRF Annual Fund	Sandip Agarwalla, RID 3141	VR Muthu, RID 3212
Highest Contribution to TRF Endowment Fund	Dr Lalit Khanna, RID 3012	Dr N Nandakumar, RID 3232
Highest Contribution to TRF Polio Fund	Sandip Agarwalla, RID 3141	VR Muthu, RID 3212
Highest per capita APF Contribution to TRF	Sandip Agarwalla, RID 3141	VR Muthu, RID 3212
Highest Total Contribution to TRF	Sandip Agarwalla, RID 3141	Dr N Nandakumar, RID 3232
Highest Donor Participation (% wise)	Sandip Agarwalla, RID 3141	VR Muthu, RID 3212
100% Club Participation for TRF Giving	Sandip Agarwalla, RID 3141 Kailash Jethani, RID 3142 Shrikant Indani, RID 3060	S Rajmohan Nair, RID 3201 Pubudu De Zoysa, RID 3220

IPDG Sandip Agarwalla receives trophies from RI President Gordon McInally and RIPN Mario de Camargo. Also present (from L) PDG Shashi Sharma, RI Director Raju Subramanian, TRF Vice Chair Bharat Pandya, Malini Agarwalla, TRF Trustee Larry Lunsford, Vidhya Subramanian, PDGs Harjit Singh Talwar and Balkrishna Inamdar, and PRID Ashok Mahajan.

IPDG Anil Parmar receives an award from RI President McInally. Also seen (from R) PDG Deepak Purohit, RID Subramanian and Hema Parmar.

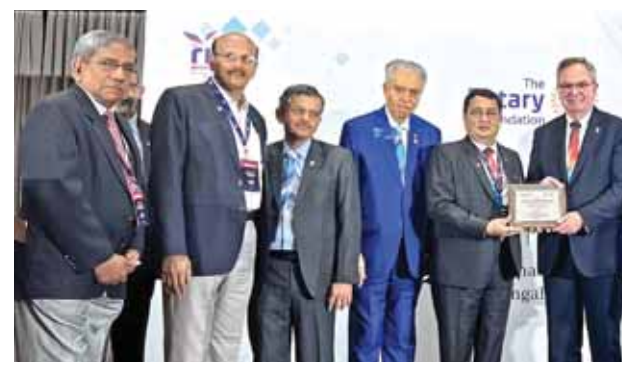

IPDG V Bhaskar Ram receives an award from RI President McInally. Also present (from L) PDGs Dodla Bharat Reddy, G V Mohan Prasad, TRF Vice Chair Pandya and Trustee Aziz Memon.

— Zones 4, 5, 6 and 7

Trophy	Zone 6	Zone 7
Highest Contribution to TRF Annual Fund	Jitendra Rajbhandary, RID 3292	Dr Anil Parmar, RID 3131
Highest Contribution to TRF Endowment Fund	Jitendra Rajbhandary, RID 3292	Jeetendra Aneja RID 3190
Highest Contribution to TRF Polio Fund	Dr Anand Jhunjhunuwala, RID 3030	V Bhaskar Ram, RID 3020
Highest per capita APF Contribution to TRF	Dinesh Sharma, RID 3100	Dr Anil Parmar, RID 3131
Highest Total Contribution to TRF	Pawan Agarwal, RID 3110	Dr Anil Parmar, RID 3131
Highest Donor Participation (% wise)	Dr Anand Jhunjhunuwala, RID 3030	Venkatesh Deshpande, RID 3170
100% Club Participation for TRF Giving	Dr Anand Jhunjhunuwala, RID 3030 Dinesh Sharma, RID 3100	V Bhaskar Ram, RID 3020 Dr Anil Parmar, RID 3131 Venkatesh Deshpande, RID 3170

Zone 4, 5, 6 & 7 (India, Nepal and Sri Lanka)	RI District
Nitish Laharry Trophy for Highest Total Contribution to TRF	3141
Binota and Kalyan Banerjee Trophy for Highest Endowment Fund Contribution	3012
Usha and Raja Saboo Trophy for Highest Annual Fund Contribution to TRF	3141
Highest Polio Fund Contribution to TRF	3212
District with highest new AKS members	3141

RI President McInally presents an award to IPDG Anand Jhunjhunuwala. (From L) TRF Vice Chair Bharat Pandya, PRID Manoj Desai, RI Directors Subrmanian and Anirudha Roychowdhury are also seen.

Membership and Public Image Awards in the next issue.

Pictures by K Vishwanathan

सरहदों से परे दोस्ती

एच राजेंद्र राय

पाकिस्तान और बांग्लादेश की यात्रा करना मेरा हमेशा से सपना रहा है - ये दो देश जो 1947 से पहले भारत का हिस्सा थे। मैं 2019 में व्यापारिक यात्राओं पर दो बार बांग्लादेश जा सकता था। लेकिन पाकिस्तान जाने की मेरी इच्छा हाल ही में एक सपना ही रही जब मुझे निमंत्रण मिला। मेरे बैच मेट टीआरएफ ट्रस्टी अजीज मेमोंटो कराची में अपने बेटे सिनान की शादी में शामिल हुए।

मैं 18 नवंबर, 2023 को कराची में उतरा, जहां युवा हसीब ने मेरा स्वागत किया, जो मुझे आव्रजन के माध्यम से जल्दी से ले गया। मैं भारत में ऐसा कुछ होने की कल्पना नहीं कर सकता। वह मेरे मेजबान पीडीजी अजीज का जादू था।

उन्होंने कराची जिमखाना में मेरी मेजबानी की, जिसे 1886 में स्थापित किया गया था। कराची में मेरे तीन दिनों के प्रवास के दौरान, शांडी (शादी और मेहंदी) और सिनान की शादी के रिसेप्शन में भाग लेने के अलावा, मुझे आरटीएन नोमान अब्दुल मस्जिद द्वारा अनुरक्षित किया गया था, जो मुझे चारों ओर ले गए थे। मोहट्टा पैलेस, मज़ार-ए-कायद-ए-आज़म, हजरत सैयद अब्दुल्ला शाहा गाजी तीर्थस्थल, सेंट पैट्रिक कैथेड्रल, फरर्स हॉल और एम्प्रेस मार्केट देखने के लिए यात्रा करें। मैंने यहां अपने प्रवास का भरपूर आनंद लिया क्योंकि हमारे पाकिस्तानी दोस्तों का आतिथ्य सत्कार शानदार था।

मेरी यात्रा में सोने पर सुहागा 12 साल के अंतराल के बाद कुनूत और उसके पिता मिर्ज़ा अफ़ज़ल बेग से मिलना था। रोटरी के सौजन्य से 2011 में बैंगलोर के जयदेव अस्पताल में जटिल हृदय सर्जरी (धमनियों का संक्रमण और उसके दिल में चार छेदों की टांके लगाना) के लिए क्यूनूट का इलाज किया गया था। मणिपाल अस्पताल के जाने-माने कार्डियक सर्जन और 2000 से रोटरी जीएसई के पूर्व छात्र डॉ देवानंद ने सर्जरी की।

मेरी यात्रा से कुछ दिन पहले एक फेसबुक पोस्ट के जवाब में, कुनूत ने मुझसे संपर्क किया और अपने

लाहौर में दिव्यांगों के पुनर्वास के लिए पाकिस्तान सोसायटी के कृत्रिम अंग अनुभाग में पीडीजी राजेंद्र राय (बाएं से दूसरे)।

पिता के साथ, हैदराबाद (पाकिस्तान) से तीन घंटे की बस यात्रा के बाद कराची में मुझसे मिलीं। मैं उनसे मिलकर अभिभूत हो गया और यह जानकर भी उतना ही खुश हुआ कि वह ठीक हैं। उसने अपनी स्नातक की पढ़ाई पूरी कर ली है और मास्टर डिग्री हासिल करने और एक शिक्षक बनने की उम्मीद कर रही है। मैंने उन्हें फोन पर डॉ देवानंद से मिलाया।

क्यूनूट ने उन्हें धन्यवाद दिया और अपने हृदय की देखभाल के लिए उनकी चिकित्सीय सलाह ली। जिस बात ने मुझे सबसे ज्यादा प्रभावित किया वह वह नोट था जो उसने कराची में मुझसे मिलने के बाद मुझे भेजा था: ''राजेंद्र राय अंकल, 12 साल बाद आपसे मिलकर बहुत अच्छा लगा। मैं इस अवसर पर रोटरी क्लब के सभी सदस्यों को धन्यवाद देना चाहता हूं। वास्तव में, जीवन देने का सार एक ही है, मैं अपने माता-पिता की प्रार्थनाओं और आप सभी की कड़ी मेहनत के कारण यहां हूं। वास्तव में, जीवन का दाता भगवान का सार है. और साथ ही मैं डॉ देवानंद को धन्यवाद देना चाहूँगा। उसने मुझे नया जीवन दिया; यदि उन्होंने चुनौती स्वीकार नहीं की होती, तो शायद मैं आप सभी के साथ यहां नहीं होता। आपके प्यार के लिए आप सभी को धन्यवाद।फ़फ़ यह नोट लंबे समय में मुझे मिला सबसे मूल्यवान उपहार था और एक रोटेरियन के रूप में आने वाले वर्षों तक मेरे साथ रहेगा।''

ऊपर: पीडीजी राय ने अपनी पाकिस्तान यात्रा के दौरान कुनूत और उनके पिता मिर्ज़ा अफ़ज़ल बेग से मुलाकात की। बाएं: जनवरी 2011 में बेंगलुरु के जयदेव अस्पताल में पाकिस्तान से कुनूत और हसीब, जहां उनके दिल की बीमारियों का इलाज किया गया था।

मेरा अगला पड़ाव लाहौर था, जो पाकिस्तान का दूसरा सबसे बड़ा शहर है, जिसकी आबादी 13 मिलियन से अधिक है। मुगल साम्राज्य की महत्वपूर्ण समृद्ध विरासत के बाद, 'बगीचों का शहर' कहा जाने वाला लाहौर हमेशा कई प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों के साथ सीखने और ज्ञान का केंद्र रहा है। मुझे नए और पुराने लाहौर की झलक मिली, मेरे नए पाकिस्तानी रोटेरियन को धन्यवाद दोस्त डॉ अली अरशद और उस्मान। हमने बादशाही मस्जिद (1671-1676 के दौरान निर्मित), मीनार-ए-पाकिस्तान, 1960 और 1968 के दौरान निर्मित, उस स्थान पर जहां अखिल भारतीय मुस्लिम लीग ने लाहौर प्रस्ताव पारित किया था, शाहीहम्माम, एक तुर्की स्नान घर (1635 के दौरान निर्मित) का दौरा किया। शाहजहाँ का शासनकाल), पाटली गली, पुराने लाहौर की सबसे संकरी गली (2.5 फीट चौड़ी) और मसाला बाज़ार।

हिजाज़ फाउंडेशन द्वारा संचालित और रोटरी क्लब कराची द्वारा समर्थित कुलसुम स्कूल में छात्रों के साथ।

पाकिस्तान में अपने सप्ताह भर के प्रवास के दौरान, मैंने उपमहाद्वीप के दो सबसे पुराने रोटरी क्लबों - रोटरी क्लब कराची, 1933 में चार्टर्ड, और आरसी लाहौर, 1927 में चार्टर्ड की बैठकों में भाग लिया। मैंने दो स्कूलों का भी दौरा किया- आरसी कराची द्वारा समर्थित कुलसुम स्कूल। और लाहौर में आबरू स्कूल, रोटरी क्लब लाहौर गैरीसन क्लब द्वारा समर्थित।

पाकिस्तान की यह यादगार यात्रा कई मायनों में एक रहस्योद्घाटन थी क्योंकि मुझे कई समानताएँ दिखाई दीं कि कैसे भारत और पाकिस्तान में रोटरी क्लब साक्षरता, माँ और बच्चे की देखभाल और स्वास्थ्य के केंद्रित क्षेत्रों में वंचितों की जरूरतों को पूरा करके उनकी मदद कर रहे हैं। इस यात्रा ने न केवल उपमहाद्वीप के उस हिस्से को देखने का मेरा सपना पूरा किया जो भारत में हममें से कई लोगों के लिए एक पहेली बना हुआ था, बल्कि इसने मुझे पाकिस्तान में रोटेरियन दोस्तों के प्यार और स्नेह का अनुभव भी कराया। मुझे विश्वास है कि रोटरी और रोटेरियन वह कर सकते हैं जो दोनों देशों की सरकारें नहीं कर सकतीं - अपने अच्छे कार्यों के माध्यम से शांति और सौहार्द को बढ़ावा देना।

लेखक - रो ई मंडल 3191 के पूर्व गवर्नर हैं।

मंडल गतिविधियाँ

रोटरी क्लब चिदंबरम सेंट्रल - रो ई मंडल 2981

गवर्नमेंट गर्ल्स हायर सेकंडरी स्कूल को ₹40,000 की एक सिलाई मशीन और तीन डस्टबिन दान किए गए।

रोटरी क्लब संकागिरी - रो ई मंडल 2982

क्लब के अध्यक्ष के सेंथिलकुमार ने कोंगनापुरम के एक स्कूल के छात्रों को ₹5,000 की वित्तीय सहायता प्रदान की।

रोटरी क्लब करूर यंग जन - रो ई मंडल 3000

सोमूर और वंगापलायम गांवों में 235 छात्रों के लिए आत्म-अनुशासन एवं अभिप्रेरण जैसे विषयों को कवर करते हुए एक लक्ष्य-निर्धारण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

रोटरी क्लब गुड़गाँव - रो ई मंडल 3011

नीव फाउंडेशन के सहयोग से आयोजित सर्वाइकल कैंसर जागरूकता शिविर में 100 से अधिक लड़कियों और उनके माता-पिता ने टीकाकरण के लिए सहमति व्यक्त की।

रोटरी क्लब पिलखुवा सिटी - रो ई मंडल 3012

डीएवी पब्लिक स्कूल और नगरपालिका के सहयोग से स्वच्छ भारत अभियान चलाया गया।

रोटरी क्लब चोपड़ा - रो ई मंडल 3030

रोटा किड्स की ओर से दिव्यांगों के लिए आयोजित किए गए एक स्वास्थ्य शिविर में डॉ. नीता जायसवाल ने बच्चों की जांच की और उन्हें दवाइयां दीं।

मंडल गतिविधियाँ

रोटरी क्लब जयपुर कोहिनूर - रो ई मंडल 3056

आशा दीप संस्थान, मानसरोवर द्वारा संचालित एक वृद्धाश्रम में राशन के थैले दान किए गए।

रोटरी क्लब पुणे सेंट्रल - रो ई मंडल 3131

बारह सदस्यों में से प्रत्येक ने महाराष्ट्र व्हीलचेयर क्रिकेट टीम को स्पोर्ट्स व्हीलचेयर दान करने के लिए ₹40,000 का योगदान दिया।

रोटरी क्लब मुरादाबाद - रो ई मंडल 3100

मुरादाबाद इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी और स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से एक नेत्रहीन पदयात्रा रैली आयोजित की गई।

रोटरी क्लब सोलापुर नॉर्थ - रो ई मंडल 3132

भंडारकाठे गांव में आयोजित एक नेत्र शिविर में डॉ सुहास कुलकर्णी और उनकी टीम ने 100 से अधिक रोगियों की जांच की।

रोटरी क्लब बरेली मेट्रो - रो ई मंडल 3110

रोटेरियन डॉ. राजेश गुप्ता ने करीब 90 मरीजों की आंखों की जांच की और उन्हें दवाइयां वितरित की गईं।

रोटरी क्लब विरार - रो ई मंडल 3141

क्लब के सदस्यों द्वारा एक संग्रहण अभियान के बाद वंचित परिवारों को इस्तेमाल किए गए कपड़े, जूते और खिलौने दान किए गए।

मंडल गतिविधियाँ

रोटरी क्लब स्मार्ट सिटी नवी मुंबई - रो ई मंडल 3142

नगर निगम माह के सहयोग से लगभग 120 किलोग्राम ई-कचरा एकत्रित किया गया।

रोटरी क्लब तीर्थहल्ली - रो ई मंडल 3182

ग्रामीण स्कूलों के छात्रों को स्कूल बैग, नोटबुक और यूनिफ़ॉर्म वितरित की गई।

रोटरी क्लब हम्पी पर्ल्स - रो ई मंडल 3160

डीजी माणिक पवार और पीडीजी तिरुपति नायडू ने 30 लोगों को शीतकालीन कंबल वितरित किए।

रोटरी क्लब कोयम्बटूर ईस्ट - रो ई मंडल 3201

एक प्राथमिक विद्यालय में छात्रों के लिए ₹60,000 की लागत से मेज़ और कुर्सियां स्थापित की गई, जल शोधक इकाई लगाई गई और वृक्षारोपण किया गया।

रोटरी क्लब पणजी - रो ई मंडल 3170

विश्व पोलियो दिवस पर मांडवी नदी पर बने अटल सेतु को एंड पोलियो नाउ अभियान के लिए रोशन किया गया।

रोटरी क्लब अम्मापेट्टई कावेरी - रो ई मंडल 3203

सरकारी स्कूल के 800 छात्रों को एक हर्बल शंकु, निलावेम्बू जल दिया गया।

मंडल गतिविधियाँ

रोटरी क्लब कोल्लम रॉयल सिटी - रो ई मंडल 3211

प्रोजेक्ट रोटरी होम अभयम के तहत एक ऑटो चालक को नवनिर्मित घर (₹7.5 लाख) की चाबी सौंपी गई।

रोटरी क्लब सिलीगुड़ी मिडटाउन - रो ई मंडल 3240

प्रोजेक्ट सेतु फाउंडेशन और बीएसएफ जवानों की मदद से सरकारी उच्च माध्यमिक विद्यालय, जाओरपौकरई में कचरे के डिब्बे स्थापित किए गए।

रोटरी क्लब ईस्ट कोस्ट रामनाद - रो ई मंडल 3212

बोगलूर टोल प्लाजा पर छह कचरे के डिब्बे लगाए गए और रामनाथपुरम रेलवे स्टेशन पर दो और डिब्बे लगाए जाएंगे।

रोटरी क्लब रायपुर - रो ई मंडल 3261

अर्पण दिव्यांग पब्लिक स्कूल में मूक-बधिर बच्चों के साथ दीपावली मनाई गई।

रोटरी क्लब चेन्नई तिरुवनमियूर - रो ई मंडल 3232

चिन्ना एदैयाथुर गांव में 32 इरुलर परिवारों को तिरपाल शीट वितरित की गई।

रोटरी क्लब कलकत्ता साउथ सिटी - रो ई मंडल 3291

भारत सेवाश्रम संघ में पैथोलॉजिकल लैब को एक ऑटो एनालाइजर (₹10 लाख) दान किया गया।

वी मुत्तुकुमारन द्वारा संकलित

टीसीए श्रीनिवासा राघवन

फेंकें या नहीं...

विगत 25 वर्षों में हमारा परिवार छोटा हो गया है। लेकिन किसी कारण से जिसे मैं समझा नहीं सकता, हमारा घर एक बड़ी टेरेस वाले दो-बेडरूम से बढ़कर पांच-बेडरूम घर में बदल गया है, बिना टेरेस। हालाँकि, उपयोग हम सिर्फ एक शयनकक्ष का करते हैं। शेष चार कमरों का उपयोग स्टोर के रूप में किया जाता है, क्योंकि, वो हैं इसलिए उपयोग किया जाता है। लेकिन समय-समय पर, सफाई करने की प्रबल इच्छा जागृत हो उठती है, विशेषकर जब मौसम अनुकूल हो, और हम उन चीजों को ढूंढना शुरू कर देते हैं, जिन्हें हम त्याग सकते हैं या बेच सकते हैं, क्योंकि उम्मीद तो हमेशा कायमं रहती है। लेकिन आख़िरकार सारी कोशिशों का नतीजा, ढेर सारे कबाड़ को फिर से जमा कर रखने के अलावा कुछ नहीं निकलता। इसमें हर किसी की गंभीर भावनात्मक जिद भी शामिल है। झगड़े होने लगते हैं, दिन उदासी में गुजरते हैं। अंत में यह व्हिस्की ही है जो अत्यंत आवश्यक मरहम का काम करती है।

मिसाल के तौर पे, हमारे पास, दो बेटों की कक्षा 1 से 12 तक की स्कूल नोटबुक के तीन कार्टन भरे आज भी रखे हैं। बेटे लगभग तीस - पैंतीस साल के हैं। लेकिन बहुत ही उम्दा तरीके से, उनकी पाठ्यपुस्तकें तो दे दी गईं क्योंकि मेरी पत्नी का विचार था कि किसी ना किसी का भला होगा, कोई उनका उपयोग कर सकता है। मैंने कहा कि इसी आधार पर, नोटबुकें तो किसी काम की नहीं, बेकार थीं और उन्हें तो बहुत पहले ही निकाल देना चाहिए था। उस सुझाव को मान लिया गया पर थड़ी नाराज़गी के साथ लेकिन स्थिति अभी भी वही है। मैं भी कोई अच्छा नहीं हूं। कुछ पुराने टूटे हुए गिटार और क्रिकेट के बल्ले मैंने भी लटका रखे हैं। उन्हें बेकार कहे जाने पर मेरा रवैया भी पूरी तरह से असहयोगात्मक था। खैर, यह तमाशा हर तीन या चार साल में होता है और जिंदगी यूँ ही चलती रहती है।

एक दफा, मेरे दोनों बेटे घर आए हुए थे तो मैंने उनसे बहुत सख्ती से कहा कि वे अपना सामान साथ ले जाएं। दोनों ने उतनी ही सख्ती से मना कर दिया। खीज कर मैंने उनसे पूछा कि मैं उनकी चीज़ें क्यों सम्हाल के रखूं । उनका जवाब था, ''आपके पास बहुत कमरे हैं, हमारे पास नहीं हैं।'' अर्थशास्त्र में इसे सेय का नियम कहा जाता है: आपूर्ति अपनी मांग खुद पैदा करती है। लेकिन मेरे पास एक स्पष्टीकरण और है। मुझे लगता है कि ये उनकी पत्नियाँ तय करती हैं कि घर में क्या रहेगा और क्या नहीं आएगा!

इस अंतराल में, मैं 400 से अधिक किताबें दे चुका हूँ, जिनमें से अधिकतर अपने पुराने कॉलेज को दी हैं। कॉलेज इस वर्ष अपनी 125वीं वर्षगांठ मना रहा है। लेकिन क्या आपको मेरी समस्या दिख रही है? मैं वो चीजें दे रहा हूं जो मेरे लिए महत्वपूर्ण हैं क्योंकि मेरे पास उन्हें रखने की जगह नहीं है और उन चीजों को इकट्ठा कर रहा हूं जो मेरे लिए ज़रूरी नहीं हैं क्योंकि वो मेरे पास ही रखी हैं। मतदान सिद्धांत में इसे बहुमत निर्णय नियम कहा जाता है। अल्पसंख्यक हमेशा हारता है। दरअसल, कुछ लोगों को यह कहने के लिए नोबेल पुरस्कार भी मिला है कि बहुमत के फैसले तानाशाहीपूर्ण होते हैं।

समय-समय पर, सफाई करने की प्रबल इच्छा जागृत हो उठती है, और हम उन चीजों को ढूंढना शुरू कर देते हैं, जिन्हें हम त्याग सकते हैं या बेच सकते हैं, लेकिन आख़िरकार सारी कोशिशों का नतीजा, ढेर सारे कबाड़ को फिर से जमा कर रखने के अलावा कुछ नहीं निकलता।

खैर, पांच साल पहले सफाई के दौरान हमें एक खूबसूरत लकड़ी का बक्सा मिला, जिस पर भारी जड़ाऊ काम किया हुआ था और ढक्कन पर पांच पुराने स्टीमशिप-प्रकार के कुंडे बने हुए थे। हमें नहीं याद कि हमारे पास ये कहाँ से आया। लेकिन किसी ना किसी तरह यह हमारे घर पहुंचा और हमने इसमें स्मृति चिन्ह भर के रख दिया। हमें यह भी याद नहीं है कि वह कब की बात थी। लेकिन ये कम से कम 22 साल पहले की बात तो जरूर रही होगी। और इस बीच हमने चाबी खो दी थी।

अब समस्या पीतल के कुंडों को बिना तोड़े खोलने की थी। वे पुराने हो गए थे और उनकी हालत नाजुक थी। इसलिए हम पहले एक चाभी बनाने वाले के पास गए, जिसका कोई फायदा नहीं हुआ। फिर हम एक बढ़ई के पास गये। वह भी बेकार रहा। इसलिए हमने इसे फिर से स्टोर में रखने का निर्णय लिया। वह पांच साल पहले की घटना थी।

पिछले हफ्ते, रूम हीटर ढूंढते समय, हमारी नज़र फिर से इस बॉक्स पर पड़ी। यह प्लास्टिक के डस्ट कवर की परतों के नीचे रखा था। हम इसके बारे में सब कुछ भूल चुके थे। इस बार, बहुत चतुराई से, हम इसे एक प्राचीन वस्तुओं के डीलर के पास ले गए और उसने इसे कुछ ही मिनटों में खोल दिया। भीतर मौजूद दर्जनों पुरस्कारों में से केवल दो मेरे थे। बाकी मेरे बेटों के और पत्नी के थे।

अब किसी और सबूत की जरूरत नहीं थी कि परिवार में कम कामयाब कौन था और है।■

ADVT.

So Far 33 Batches Completed...

1027 Certified... 170 Starters...& Counting...

Rotary Club of VIRUDHUNAGAR | PG | IDHAYAM SAY IDHAYAM • SPELL HEALTH

Joint Initiative

RYLA

Be an Entrepreneur

FLY TO SINGAPORE*

BECOME AN ENTREPRENEUR

IN 3500 MINUTES

ROTRACTORS | 3rd / 4th YEAR UG STUDENTS | 1st / 2nd YEAR PG STUDENTS
Course Completed **GRADUATES & POST GRADUATES** between the age of 18 and 28

Your Takeaways...

- 12 — DEVELOP YOUR BUSINESS in 12 EASY STEPS
- 12 — PROCURE YOUR INVESTMENTS in 12 DIFFERENT SOURCES
- 20 — CREATE VISIBILITY to YOUR BIZ using 20 MARKETING TOOLS
- 06 — CLOSE SALES DEALS in 06 EASY STEPS
- 05 — FINE TUNE YOUR MOST IMPORTANT 05 SKILLS for an ENTREPRENEUR

UPCOMING BATCH DATES

ONLY 32 SEATS PER BATCH

34.0 : 16th, 17th & 18th FEB 2024
35.0 : 15th, 16th & 17th MAR 2024
36.0 : 19th, 20th & 21st APR 2024

- FREE SINGAPORE TRIP*
- BUSINESS PLAN
- 200+ PAGES E-BOOK
- INVESTMENT SUPPORT*
- FREE ONLINE SESSIONS

STOP WORRYING ABOUT JOB(S); **START PRODUCING JOB(S);**

ENROLL TODAY

Win a Surprise...

VENUE
Hotel St.Antony's Residency
Sipcot Industrial Growth Center
Gangaikondan, Tirunelveli

INVESTMENT
Rs.2500 Only
(Incl. Accommodation / Food / T-Shirt / Certification / E-Book / CREA Programs)
*Terms & Conditions Apply

CONTACT
94431 66650
94433 67248

Powered by K.V. Ramaswamy MEMORIAL TRUST | Srinidhi Building Sustainable Relationship

Registered No. TN/CCN/359/2024-2026 | Total number of pages in this monthly
Licensed to post WPP No.TN/PMG(CCR)/WPP 421/24-26 | issue, including cover, 84. Price: ₹40
Regd with RNI TNHIN/2001/05271. Rotary Samachar Published 1st week of every month. Posted at Egmore RMS Patrika Channel. Date of posting: 6–12 every month.

ADVT.

Excel group
www.excelgroup.co.in

Customer | Service | Quality
FIRST

Excel maritime
Your Global Logistics Partner

In 40-year history of the VOC Port in Tuticorin, Excel Maritime's ground-breaking activity of using the Tug Master to load the longest wind-mill blade (82 mts) and other WTG components for the export movement successfully.

EXCEL GROUP OF COMPANIES

Excel maritime | Excel wires | Excel travels | Excel energy | beats jobs | Zeal fine | MD | Excel Agro | Excel HealthCare

An Entity of
Excel group
www.excelgroup.co.in

CONTACT
Corporate Office
Old No. 52, New No. 8, Dr. BN Road (Opp. Singapore Embassy), Chennai - 17 PH: +91 44 49166999

/excelgroupmmm | www.excelgroup.co.in